* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

05 मई, 2024
वैशाख, कृष्ण पक्ष, द्वादशी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
रविवार, वर्ष 09, अंक 194

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

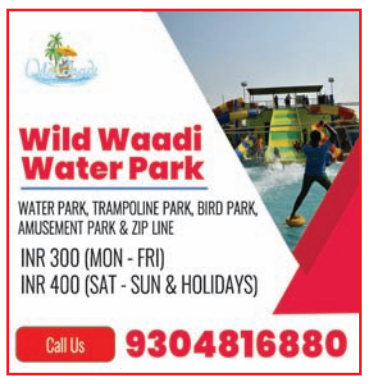

पलामू और सिसई में प्रधानमंत्री ने कांग्रेस और झामुमो को अपने व्यंग्य वाण से बेधा

कांग्रेस और उसके चट्टे-बट्टे आदिवासियों, दलितों और पिछड़ों के आरक्षण पर डाका डाल कर मुसलमानों को दे देना चाहते हैं: मोदी

- विकास कार्यों का किया जिक्र, वोट की अपील की

राजीव/जयकांत/आफताब अंजुम

पलामू / सिसई (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पलामू के चियांकी हवाई अड्डे और सिसई में सभा के दौरान कांग्रेस महागठबंधन पर जम कर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और झामुमो, राजद अब एससी, एसटी और ओबीसी का आरक्षण छीन लेना चाहते हैं। जब हमारा संविधान बन रहा था, तब संविधान निर्माताओं ने मिल कर तभी एक बात तय की थी। ये पक्का हो गया था कि भारत में कभी भी धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जायेगा। लेकिन अब ये कांग्रेस और उसके चट्टे-बट्टे झामुमो और राजद सब आदिवासियों, पिछड़ों, दलितों के आरक्षण पर डाका डाल कर, आरक्षण में से कुछ हिस्सा छीन कर ये धर्म के आधार पर संविधान बदल कर, आरक्षण का कुछ हिस्सा मुसलमानों को देना चाहते हैं। यह मोदी की गारंटी है कि जब तक मोदी जिंदा है, तब तक दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के आरक्षण को कोई हाथ नहीं लगा पायेगा और न ही कोई संविधान से छेड़छाड़ कर पायेगा। प्रधानमंत्री शनिवार को पलामू के चियांकी हवाई अड्डे के पास और सिसई में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने तपती धूप में सभा में आने वालों का 'जोहार झारखंड' कह कर अभिवादन किया और आभार जताया। अपने 10 वर्षों के कार्यकाल का जिक्र किया। कांग्रेस, झामुमो और राजद पर प्रहार भी किया। उनकी मानसिकता से लोगों को अवगत कराया। इस मौके पर भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, पलामू प्रत्याशी विष्णु दयाल राम, लोहरदगा प्रत्याशी समीर उरांव और आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश महतो सहित अन्य नेता मौजूद थे।

झामुमो-कांग्रेस को दिन में तारे दिखा दिये: सभा में उमड़ी भीड़ को देख कर प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसा लग रहा है आपने झामुमो और कांग्रेस को दिन में ही तारे दिखा दिये हैं। आप सभी अपने एक वोट के महत्व को बहुत अच्छी तरह से जानते हैं। 2014 में आपके एक वोट ने ऐसा कार्य किया कि पूरी दुनिया भारत के लोकतंत्र की ताकत को सलाम करने लगी है, उसी एक वोट की ताकत ने 2014 में कांग्रेस की महाभ्रष्ट सरकार को हटा दिया था और बीजेपी-एनडीए की सरकार बनायी। इस एक वोट की ताकत से आज भारत का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। उन्होंने कहा कि 500 वर्षों के संघर्ष के बाद जनता के एक वोट की ताकत से आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन कर तैयार हो गया है। एक वोट की ताकत ने जम्मू कश्मीर में धारा 370 को जड़ से समाप्त कर दिया। आये दिन झारखंड, छत्तीसगढ़, ओड़िशा, बिहार, आंध्रप्रदेश और पशुपति से लेकर तिरुपति तक नक्सलवाद, आतंकवाद फैला कर यहां की धरती को लहूलुहान कर देता था। एक वोट ने इस धरती को लहूलुहान करने वाले नक्सलवादी आतंकवाद से मुक्ति दिला दी। कांग्रेस की सरकार पाकिस्तान को लव लेटर लिखती थी और पाकिस्तान लव लेटर के बदले आतंकी भेजता था। जनता के एक वोट की ताकत ने भाजपा सरकार बनायी और सेना ने पाकिस्तान में घुस कर सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक करके पाकिस्तान को हिला कर रख दिया।

(पेज-2 और 4 भी देखें)

प्रधानमंत्री के भाषण की मुख्य बातें

- मैं बहुत सौभाग्यशाली हूं कि तपती गर्मी के बावजूद इतनी विशाल संख्या में परिवारजन मुझे आशीर्वाद देने आये हैं। जोहार झारखंड!
- जिसने झारखंड को लूटा, उस पर कानून के तहत कार्रवाई हो रही है। मोदी कहता है भ्रष्टाचार हटाओ, ये कहते हैं भ्रष्टाचारी बचाओ। मैं आपको गारंटी देता हूं- आने वाले पांच साल में ऐसे सभी भ्रष्टाचारियों पर और तेजी से एक्शन होगा।
- झामुमो-कांग्रेस के नेताओ ने भ्रष्टाचार से अपार धन संपदा खड़ी की है। संपत्ति हो, राजनीति हो, सब कुछ ये अपने-अपने बच्चों के लिए अर्जित कर रहे हैं। ये उनके लिए विरासत में ढेर सारी काली कमाई छोड कर जायेंगे।
- कांग्रेस के राज में राशन सड़ता रहता था, आदिवासी क्षेत्रों में बच्चे भूख से मरते रहते थे और कांग्रेस अनाज गोदामों पर ताला लगा कर बैठ जाती थी। आप मोदी को लेकर आये। मोदी ने सारे अनाज गोदामों के ताले खुलवा दिये और आज देश में मुफ्त राशन की योजना चल रही है।
- हमारी सरकार ने बीते 10 वर्षों में आदिवासी भाई-बहनों के उत्थान, गौरव और सम्मान के लिए ईमानदार प्रयास किये हैं। जनसभा में उमड़ा ये जनसैलाब इसका प्रमाण है।
- आज पाकिस्तान के नेता, कांग्रेस के शहजादे को पीएम बनाने के लिए दुआ कर रहे हैं। लेकिन मजबूत भारत तो अब मजबूत सरकार ही चाहता है। पूरा हिंदुस्तान कह रहा है मजबूत भारत के लिए मजबूत सरकार और मजबूत सरकार के लिए मोदी सरकार।
- मैं तो गरीबी का जीवन जीकर आया हूं। इसलिए, 10 वर्षों में गरीब कल्याण की हर योजना की प्रेरणा, मेरे जीवन के अनुभव ही हैं। जब आज लाभार्थियों से मिलता हूं, तो खुशी के मारे आंसू आ ही जाते हैं। ये आंसू वही समझ सकता है, जिसने गरीबी देखी हो, जिसने कष्ट में जीवन गुजारा हो।
- जहां सरकारें भ्रष्ट हों, वहां बजट कितना भी हो, विकास संभव नहीं है। झारखंड इसी स्थिति से गुजर रहा है। यहां पेपर लीक हो रहे हैं। मोदी ने इसके विरुद्ध भी हाल में एक कड़ा कानून बना दिया है।

पाक शहजादे को पीएम बनाने की दुआ मांग रहा

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज पाकिस्तान के नेता कांग्रेस के शहजादे को पीएम बनाने के लिए दुआ कर रहे हैं, लेकिन मजबूत भारत तो अब मजबूत सरकार ही चाहता है। आज पूरा हिंदुस्तान कह रहा है कि मजबूत भारत के लिए मजबूत सरकार और मजबूत सरकार के लिए मोदी सरकार।

मोदी पर एक घोटाले का आरोप नहीं लगा

प्रधानमंत्री ने कहा कि जनता के आशीर्वाद से मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में देशवासियों की सेवा करते हुए मुझे अब 25 साल हो जायेंगे। इन 25 वर्षों में मोदी पर एक पैसे के घोटाले का आरोप नहीं लगा है। मोदी आज भी पद, प्रतिष्ठा, सुख-समृद्धि से दूर वैसा ही है, जैसा जनता ने यहां भेजा था। मोदी मौज नहीं, मिशन के लिए पैदा हुआ है। झामुमो और कांग्रेस के नेताओ ने भ्रष्टाचार से अपार धन संपदा खड़ी कर ली है, लेकिन मोदी के पास खुद की साइकिल भी नहीं है। कांग्रेस के के लोग संपत्ति और राजनीति सब कुछ अपने-अपने बच्चों के लिए अर्जित कर रहे हैं। वे उनके लिए विरासत में ढेर सारी काली कमाई छोड़ कर जायेंगे, लेकिन मोदी के न कोई आगे है न पीछे है।

मोदी का संकल्प है भ्रष्टाचार हटाओ

मोदी ने कहा कि कांग्रेस के राज में राशन सड़ता रहता था। आदिवासी क्षेत्रों के बच्चे भूख से मरते रहते थे। कांग्रेस अनाज गोदामों पर ताला लगा कर बैठ जाती थी। आप मोदी को लेकर आये। मोदी ने सारे अनाज गोदामों के ताले खुलवा दिये। आज देश में मुफ्त राशन की योजना चल रही है। मैंने गारंटी दी है कि आने वाले पांच साल इसे और चलाऊंगा। झारखंड में आये दिन पेपर लीक होते थे और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जाता था, लेकिन आज केंद्र की भाजपा सरकार ने पेपर लीक के विरुद्ध कठोर कानून बनाये हैं। मोदी कहता है भ्रष्टाचार हटाओ, ये कहते हैं भ्रष्टाचारी बचाओ। आगामी पांच वर्षों में इन सभी भ्रष्टाचारियों पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

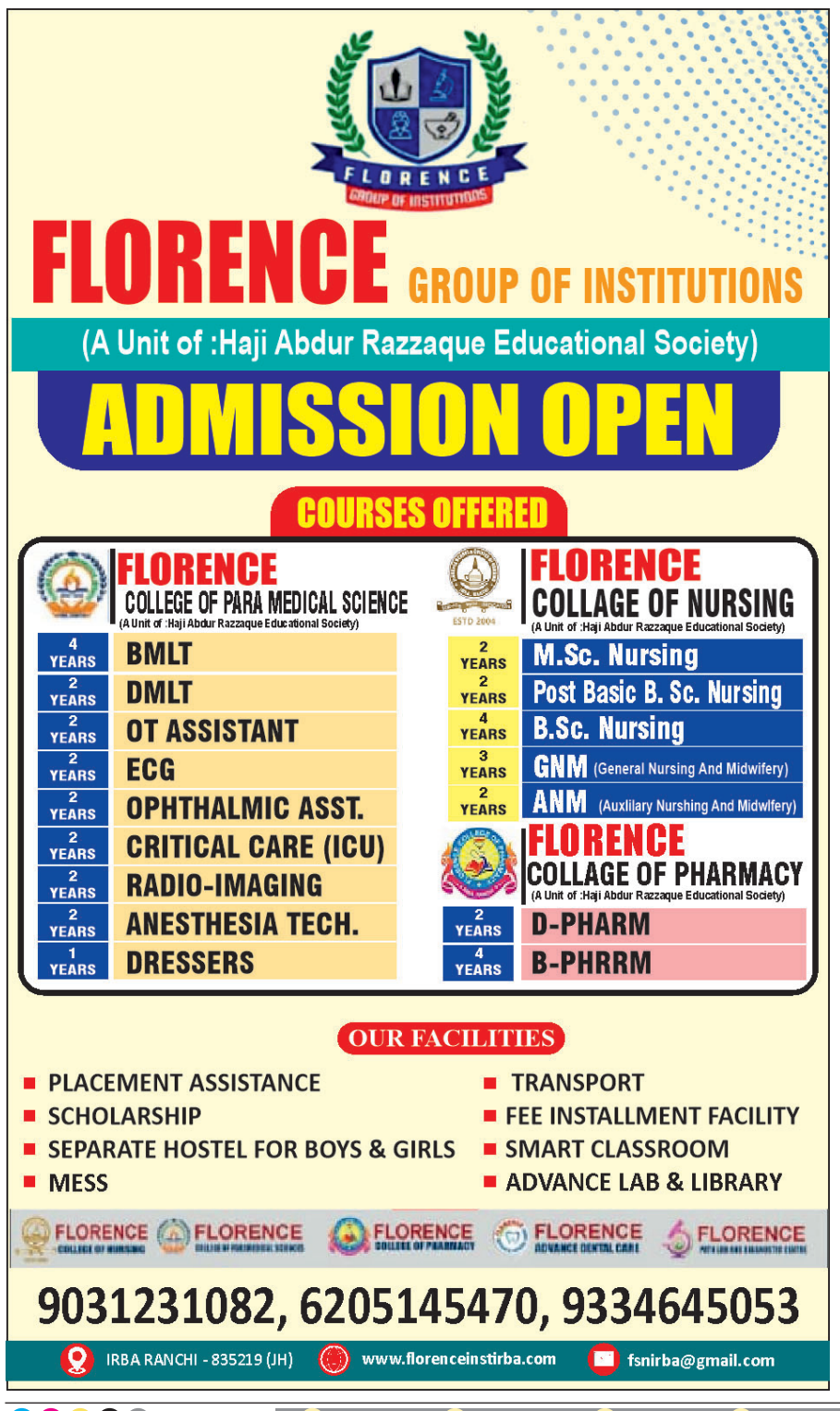

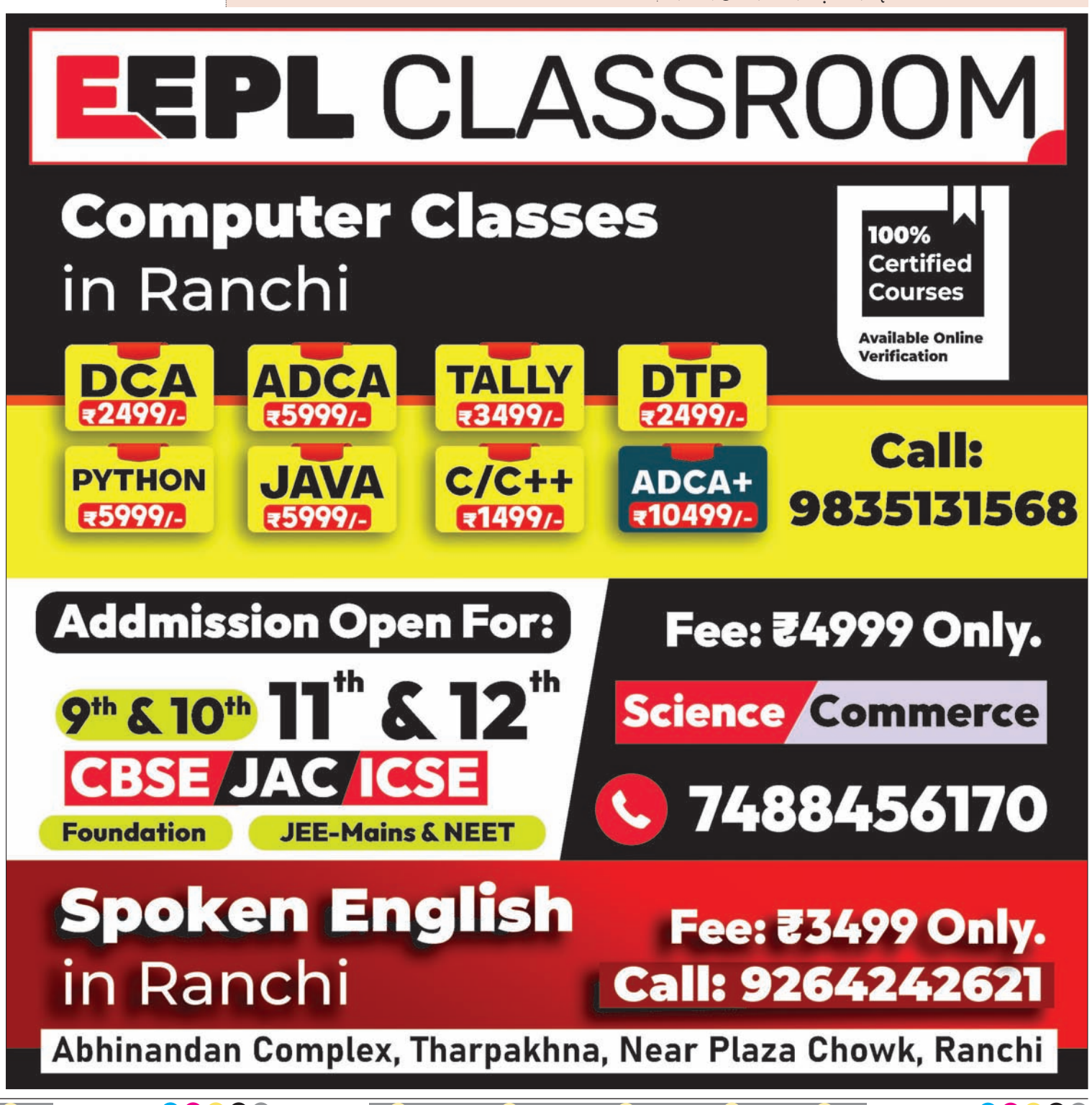

नरेंद्र मोदी सिर्फ पीएम नहीं, एक भावना हैं

- झारखंड उनके लिए मात्र एक राज्य नहीं, उनके जिगर का टुकड़ा है
- गरीबी में पले-बढ़े हैं, तभी गरीबों को समझते हैं, उनके दर्द और जरूरतों से कनेक्ट करते हैं
- खुद के पास एक साइकिल नहीं, लेकिन देश को विरासत में विकसित भारत देना चाहते हैं
- आज दुनिया भारत को सीरियसली लेती है, क्योंकि मोदी मौज के लिए नहीं मिशन के लिए पैदा हुए हैं

आजाद सिपाही विशेष

पीएम नरेंद्र मोदी, एक ऐसी शख्सियत, जिनके चेहरे पर एक अलग ही आध्यात्मिक ओज है। उनकी उपस्थिति मात्र से ही लोगों की भावनाएं सागर की लहरों के समान हिलोरें मारने लगती हैं। जब वह बोलते हैं, तो उनकी धाराप्रवाह वाणी से लोग उसमें बहने लगते हैं। प्रतिक्रियाएं अलग-अलग हो सकती हैं, सकारात्मकता और नकारात्मकता का भाव भी संग-संग काम करता होगा, क्योंकि हर व्यक्ति एक दूसरे से दूजा है और अलग-अलग विचारधारा रखता है। लेकिन कोई भी हो, वह मोदी को इग्नोर तो नहीं करता है। वह पीएम हैं, इसलिए नहीं, उनके पास जो अनुभव है, उसके आधार पर तुलना की जा रही है। मोदी के बारे में सिर्फ दो चीजें काम करती हैं। मोदी पसंद है या मोदी पसंद नहीं। बीच वाली कोई बात नहीं होती। जो मोदी को पसंद करते हैं वह मोदी के लिए कुछ भी करने को तैयार रहते हैं और जो पसंद नहीं करते ,वह भी कुछ भी करने के लिए तैयार रहते हैं। पीएम मोदी का दो दिन का झारखंड दौरा बहुत कुछ दिखा गया। मोदी के समर्थकों के बीच उनके लिए अटूट प्रेम और विश्वास। मोदी को उनके समर्थक अपने परिवार का हिस्सा मानते हैं। मोदी भी जब मंच से संबोधन करते हैं तो क्या आम, क्या खास, वे सभी को अपना बना लेते हैं। झारखंड में जो दीवानगी मोदी के लिए इन दो दिनों में दिखी वह विरले ही किसी नेता को मिलती होगी। झारखंड में गर्मी बेहिसाब है। चाइबासा, पलामू और सिसई में जिस हिसाब से गर्मी थी, बिना गमछा के अगर कुछ देर कोई शख्स खड़ा हो जाये, तो वह चक्कर खा कर गिर जाये, वैसी गर्मी में भी मोदी के प्रति जो दीवानगी जनता और उनके समर्थकों के बीच देखी गयी, उसकी तुलना करना शब्दों के बस की बात नहीं। वह एक भावना हैं, जैसे मोदी खुद एक भावना हैं। उनके एक-एक वाक्य पर लोग ऐसे रियेक्ट करते, जैसे वह शब्दों के साथ-साथ तैर रहे हों। यह भावना इसलिए सही लगती है ,चूंकि जो कुछ इन दो दिनों में मैंने देखा और महसूस किया, वह अद्भुत था। मोदी के काम को लेकर लोगों की राय अलग-अलग हो सकती है, लेकिन उनके व्यक्तित्व को लेकर मतभेद नहीं हो सकता। मोदी को सिर्फ देखने और सुनने जिस हिसाब से भीड़ की भीड़ आ रही थी मानो मेला लगा हो। बुजुर्ग डंडों के सहारे कई किलोमीटर की यात्रा कर के उन्हें सुनने आ रहे थे। सवाल पूछने पर सिर्फ कहते, मोदी आया है, मेरा राम मंदिर बनवा दिया। मोदी आया है मेरे राम को घर मिल गया। एक बुजुर्ग ने कहा कि देश को मोदी ही चला सकता है। उस बुजुर्ग की आंखें धूप से लाल थीं, लेकिन मोदी को देखने वह भी धीरे-धीरे गमछा ओढ़े जा रहा था। माताएं अपने दुधमुंहे बच्चों को लेकर तेज धूप में पैदल चल रही थीं ,सिर्फ मोदी को देखने। मैंने महिला से कहा भी कि बच्चा का सिर धूप से जल रहा है, महिला ने तुरंत अपने आंचल का छांव अपने बच्चे को दिया और चल पड़ी मोदी की सभा की ओर। यहां भाजपा कार्यकर्ताओं का भी रोल बड़ा अहम था। सबको पानी का पाउच बांटना, गमछा देना, कड़ी धूप में वे भी जनता के साथ कदमताल मिला रहे थे। ऐसे ही कोई पार्टी इतनी बड़ी नहीं बनती। ऐसे ही कोई मोदी नहीं बनता। पेश है मोदी का झारखंड के प्रति प्रेम, उनका लोगों के बीच कनेक्ट करने का तरीका और दोनों ओर (पीएम मोदी और जनता) के बीच भावनाओं का आदान-प्रदान, जिसे मुश्किल से शब्दों में बयां कर रहे हैं **आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

झारखंड के प्रति प्रेम और समर्पण

पीएम मोदी का दो दिन का झारखंड दौरा बहुत कुछ कह गया। झारखंडियों के प्रति उनके अटूट प्रेम की झलक तो मिली ही, आदिवासियों के प्रति उनका सम्मान भी साफ-साफ दिखा। यह सिर्फ इस दौरे की बात नहीं है, नरेंद्र मोदी जब भी झारखंड आते हैं और सभा को संबोधित करते हैं तो वह यह कहना नहीं भूलते कि झारखंड महान आदिवासी क्रांतिकारियों की धरती है। भगवान बिरसा मुंडा की भूमि है। वह जब यह बात कहते हैं तो उनकी आंखों और वाणी की ध्वनि भी उनकी भावना को और पुख्ता करती हैं। ये शब्द सिर्फ उनकी जुबां से नहीं निकलते, यह उनके अंतर्मन की ध्वनि होती है। मोदी ऐसे ही डंके की चोट पर यह नहीं कहते कि झारखंड से उनका दिल का रिश्ता है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण भी उन्होंने प्रस्तुत किया है। जब वह कहते हैं कि झारखंड को दिल्ली से बढ़ कर मानते हैं, तो इसका भी ठोस आधार है। इसे उन्होंने कई अवसरों पर साबित किया है। वैसे पीएम मोदी के लिए हर राज्य एक सम्मान है। लेकिन झारखंड उसमें सर्वोपरि है। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले एक तरह से यह परिपाटी सी बन गयी थी कि जो भी केंद्रीय योजनाएं घोषित या लागू होंगी, उनकी घोषणा देश की राजधानी दिल्ली से ही होगी। लेकिन नरेंद्र मोदी ने इस परंपरा को तोड़ा। झारखंड से ही पीएम मोदी ने कई जन कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत की, जिसका लाभ आज पूरा देश उठा रहा है। पीएम मोदी कहते हैं कि झारखंड पूर्व प्रधानमंत्री और भाजपा के स्तंभ रहे स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपयी की देन है, तो यह भी सिर्फ कहने के लिए नहीं कहते। सचमुच में अटल बिहारी वाजपेयी ने झारखंड को देश के क्षितिज पर राज्य के रूप में स्थापित किया था। मोदी का यह कहना भी अकारण नहीं है कि झारखंड और यहां के लोगों की भावनाओं को अगर कोई सबसे अच्छे से समझता है और समस्याओं को सुलझाता तो वह भाजपा ही है। जब अलग झारखंड की मांग थी। जब मोदी यह कहते हैं कि कांग्रेस झारखंड गठन का विरोध करती थी, तो यह भी हवा हवाई नहीं है। सचमुच में कांग्रेस चाहती तो झारखंड का गठन वह अपने शासन काल में कर देती, लेकिन सच तो यही है कि कांग्रेस उन दिनों लालू यादव के प्रभाव में थी और लालू यादव तो साफ कह चुके थे कि बिहार का बंटवारा कर झारखंड उनकी लाश पर बनेगा। कांग्रेस के शासनकाल में झारखंड सिर्फ और सिर्फ पठारी क्षेत्र बन कर रह गया था। पीएम मोदी का आरोप भी गलत नहीं है कि जब दिल्ली में बैठ कर कांग्रेस सरकार झारखंड के लिए योजनाएं बनाती थी, तो उसका 85 प्रतिशत हिस्सा गटक लिया जाता था। यह बात तो स्व राजीव गांधी ने कही थी। मोदी का यह कहना भी गलत नहीं है कि इंडी गठबंधन का झारखंड के प्रति प्रेम सिर्फ दिखावा है। कांग्रेस अगर सचमुच में आदिवासियों की हितैषी होती, तो अपने साठ साल के शासनकाल में वह जंगलों पर वहां निवास करनेवालों को हक दे दी होती। आदिवासियों की जमीन पर डाका नहीं पड़ता, जल तो संचित होता ही, खनिज संपदा पर भी यहां के लोगों का कुछ हद तक अधिकार होता।

झारखंड के प्रति मोदी के लगाव का पहला उदाहरण यह है कि वह पहले प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने यह माना कि केंद्रीय योजनाएं सिर्फ दिल्ली से ही क्यों शुरू हों, झारखंड से क्यों नहीं? पीएम मोदी ने आयुष्मान भारत योजना की शुरुआत झारखंड से ही की। इस योजना के लागू होने से पहले गरीब यह सोच भी नहीं सकता था कि वह अपनी जान बचाने के लिए पांच लाख रुपये तक खर्च कर देगा। इस योजना से आज करोड़ों गरीबों को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिल रहा है। मुद्रा योजना की भी शुरुआत प्रधानमंत्री ने झारखंड के दुमका से ही की। इस योजना से कई नौजवानों और देशवासियों की किस्मत चमकी, भाग्य बदला। उनके हाथ मजबूत हुए। इस योजना के तहत एक व्यक्ति व्यापार शुरू करने के लिए 10 लाख रुपये तक ऋण ले सकता है। इससे पहले गरीबों की हालत यह थी कि वह बैंक की देहरी भी नहीं लांघ सकता था, बिना जमीन-जायदाद गिरवी रखे दस लाख रुपये का लोन लेना तो उसके लिए सपना था। पीएम जनधन योजना की शुरुआत भी झारखंड से हुई। भगवान बिरसा मुंडा के गांव से इस योजना की शुरुआत हुई। 24 हजार करोड़ रुपये की यह योजना अति-पिछड़े आदिवासी भाई-बहनों की जिंदगी बदल रही है। विकसित भारत वाली मोदी की गारंटी वाली गाड़ी भी झारखंड के खूंटी से ही शुरू हुई। आदिवासियों को सम्मान देने के लिए नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती को जनजाति गौरव दिवस के रूप में मानाने की शुरुआत की। मोदी सरकार देशभर में आदिवासी गौरव के लिए जनजाति संग्रहालय बना रही है। आज देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पहले झारखंड की ही राज्यपाल थीं। यह आदिवासियों के प्रति मोदी के सम्मान का ही प्रतिफल है कि झारखंड में राज्यपाल के पद पर बैठी आदिवासी महिला अचानक रातोंरात देश के सबसे सर्वोच्च पद पर विराजमान हुईं। कांग्रेस ने तो राष्ट्रपति के चुनाव के वक्त उनके खिलाफ उम्मीदवार तक उतार दिया। उसने यशवंत सिन्हा को विपक्ष का संयुक्त उम्मीदवार बना कर श्रीमती द्रोपदी मुर्मू के खिलाफ उतार दिया। अगर सचमुच में कांग्रेस का आदिवासियों के प्रति प्रेम होता, तो वह झारखंड या देश के किसी भी राज्य से किसी आदिवासी महिला या पुरुष को राष्ट्रपति का उम्मीदवार बना सकती थी। राष्ट्रपति के बारे में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन ने क्या-क्या आपत्तिजनक नहीं बोला, यह पूरा देश जानता है।

मोदी मौज के लिए नहीं मिशन के लिए पैदा हुए है

मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं, लेकिन आज भी उनके पास अपना घर नहीं है, न ही एक साइकिल है। पीएम मोदी कहते हैं कि उनकी संपत्ति देशवासियों का प्रेम है। वह अपने देशवासियों और बच्चों के लिए सुनहरे भारत और विकसित भारत की विरासत छोड़ कर जाना चाहते हैं। इसलिए वह इतनी मेहनत करते हैं। उनका कहना है कि मेरा तो देश ही परिवार है जी। वह तो कहते हैं कि मुझे पद का प्रलोभन नहीं है, झोला उठा कर आये थे, झोला उठा कर ही चले जायेंगे, लेकिन जो कार्य देश की जनता ने उन्हें सौंपा है, उसे पूरा कर के ही जायेंगे। जब तक देश की जनता का आदेश रहेगा, वह उनके मापदंड पर हमेशा खरा उतरने की कोशिश करेंगे। आज भारत का कद इंटरनेशनल मंच पर कितना बढ़ा ह, वह किसी से छिपा नहीं है। पहले जब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत बोलता था, तो उसकी बातों को गंभीरता से नहीं लिया जाता था। लेकिन आज दुनिया भारत को सीरियसली लेती है। मोदी को सीरियसली लेती है, क्योंकि मोदी मौज के लिए नहीं मिशन के लिए पैदा हुआ है।

पीएम नरेंद्र मोदी से हर आम आदमी यूंही कनेक्ट नहीं करता

मोदी हर आम आदमी की भावनाओं को समझते हैं। मोदी डायरेक्ट पीएम नहीं बने हैं, न ही यह पद उन्हें विरासत में मिला है। इसके पीछे उनका संघर्ष, उनकी तपस्या, उनका समर्पण, उनका सब्र और देशहित में कुछ कर गुजरने की चाह है। उन्होंने गरीबी को बहुत नजदीक से देखा है। जिया है। इसलिए उन्हें गरीबों की पीड़ा कुछ ज्यादा ही समझ में आती है। पीएम मोदी को अहसास है कि जिस गरीबी को उनके जैसे परिवारों ने देखी है, वैसी गरीबी भारत के परिवार न देखें, जो अभाव चाहे वह खाने में हो, इलाज में हो उन्होंने झेला है, वह देश की जनता नहीं झेले। इसलिए उन्होंने गरीबों के लिए मुफ्त राशन का प्रबंध किया है, ताकि कोई भी गरीब रात को पेट पकड़ कर भूखा नहीं सोये। पैसा नहीं रहने के कारण जो लोग इलाज नहीं करवा पाते थे और कई तो दम तोड़ देते थे, उनके लिए आयुष्मान भारत योजना की शुरुआत वरदान साबित हुई। मोदी हमेशा कहते हैं, जिसने अपनी मां को खाना बनाते, खांसते देखा ही नहीं, उसे क्या उन आंसुओं का मोल समझ में आयेगा। उज्ज्वला योजना की शुरुआत इसलिए की, ताकि कोई भी मां अगर अपने बच्चों के लिए खाना बनाये, तो उसके आंख धुएं से लाल न हों, ना ही उसके आंसू अग्नि में टपकें। मोदी का मानना है कि इन दस वर्षों में गरीब कल्याण की हर योजना की प्रेरणा खुद के जीवन के अनुभव से मिला है।

आजाद सिपाही
रांची, रविवार, 05 मई, 2024
www.azadsipahi.in

इंडी गठबंधन झारखंड और विकास विरोधी अपनी करनी से जेल में बंद हैं हेमंत: बाबूलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

सिसई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने लोहरदगा के सिसई में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के अतीत को हम सभी लोग जानते हैं। कांग्रेस पार्टी झारखंड की विरोधी रही है। झारखंड वासियों की भी विरोधी रही है। विकास की भी विरोधी रही है। उन्होंने कहा कि झारखंड अलग राज्य का आंदोलन आजादी के पहले से चल रहा था। केंद्र में 50-60 साल तक कांग्रेस की सरकार थी। उसने कभी झारखंड अलग राज्य नहीं

बनने दिया। उल्टे अलग राज्य की मांग करनेवाले लोगों को खरीद लिया। पहले उन्होंने जयपाल सिंह मुंडा को खरीदा। उसके बाद शिबू सोरेन को खरीदा। भारतीय जनता पार्टी ने वादा किया था कि सत्ता में आने पर झारखंड अलग राज्य का गठन किया जायेगा। अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनने पर उन्होंने झारखंड अलग राज्य का गठन कर दिया। भाजपा जो कहती है, वह करती है। उन्होंने कहा कि आज झारखंड में कांग्रेस, राजद और जेएमएम की सरकार चल रही है। इन लोगों ने राज्य को सिर्फ लूटने का ही काम किया है। जितने भी खनिज हैं, यहां तक की नदी के बालू को भी नहीं छोड़ा। इस लोकसभा चुनाव में हम सभी को संकल्प लेना है कि लोहरदगा से एनडीए प्रत्याशी समीर उरांव को जिताना है और देश में तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाना है।

श्री मरांडी ने कहा कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जेल में बंद हैं। वह बार-बार कहते हैं कि भारतीय जनता पार्टी वालों ने उन्हें फंसा दिया। इडी वालों ने हमें फंसा दिया। कल झारखंड हाइकोर्ट का निर्णय आया। झारखंड हाइकोर्ट ने साफ-साफ कह दिया कि उन्हें कोई फंसाया नहीं है। इडी के पास गिरफ्तारी के पूरे साक्ष्य हैं। वह अपनी करनी से आज जेल में बंद हैं।

400 पार का नारा भूल कर अब हिंदू और मुसलमान कर रहे हैं पीएम: सुप्रियो

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जेएमएम के केंद्रीय प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने पीएम नरेंद्र मोदी के झारखंड आगमन और उनके बयानों पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि झारखंड में पीएम मोदी ने तीन चुनावी सभाएं कीं। सभी में एक समान बात दिखाई पड़ी। कहा कि पहले पीएम के भाषण में अबकी बार 400 पार पर अधिक फोकस रहता था, लेकिन दूसरे चरण का लोकसभा चुनाव हो जाने के बाद पीएम का विषय और नैरेटिव बदल गया है। अब वह आरक्षण और हिंदू-मुसलमान पर अधिक फोकस कर रहे हैं। सुप्रियो ने कहा कि संविधान के अनुसार देश में सभी दलों को मान्यता दी गयी। इसमें साफ-साफ कहा गया है कि राजनीतिक दल धर्म, संप्रदाय और जाति से ऊपर उठ कर जन कल्याण की बात करेंगे। लेकिन पीएम आदिवासी और हिंदू-मुस्लिम की बात कर रहे हैं। इनको बांटने की बात कर रहे हैं।

पाकिस्तान को मुद्दा बनाने पर उठाये सवाल : सुप्रियो ने आगे कहा कि कुछ दिनों पहले जब पीएम मोदी के झारखंड आगमन की सूचना मिली, तो उन्होंने उनसे कुछ सवाल किये थे। निवेदन किया था कि झारखंड आने पर वह इन सवालों के जवाब दें। लेकिन पीएम हमारे सवालों को भूल गये। वह जनता को बरगलाने लगे। भ्रम पैदा करने लगे। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी अपने पिछले कुछ भाषणों में हिंदू-मुस्लिम के साथ पाकिस्तान का भी जिक्र कर रहे हैं। उन्होंने कहा, लोकसभा का चुनाव हमारे देश भारत में हो रहा है, तो फिर पाकिस्तान यहां मुद्दा कैसे बन सकता है। यहां की जनता की समस्या और उनके विकास की बात होनी चाहिए। लिकन मोदी पाकिस्तान के बारे में बात कर रहे हैं। कहा कि इस साल अमेरिका में भी चुनाव होनेवाले हैं, लेकिन वहां का कोई नेता, चाहे वो डेमोक्रेटिक या रिपब्लिकन, किसी पड़ोसी मुल्क की बात नहीं कर रहा है। वे अपने देश के मुद्दों पर बात कर रहे हैं।

खोखला हो चुकी है बीजेपी : सुप्रियो ने आगे कहा कि दरअसल बीजेपी के पास अब कोई मुद्दा नहीं रह गया है। ये पार्टी अब खोखला हो चुकी है। इसीलिए पीएम मोदी जनता को बरगला रहे हैं। जनता में भ्रम फैला रहे हैं। सुप्रियो ने आगे कहा कि बहुत तरह की बातें हुईं। पीएम मोदी की शिक्षा को लेकर कई बार बात हुई और सवाल उठे। लेकिन जेएमएम इस विवरण में नहीं जाना चाहता। कहा, जहां तक मेरी पोलिटिकल समझ की बात है, मेरी जानकारी की बात है तो किसी दल को, जिस देश में वो है, उसे वहां की डेमोक्रैसी को जानना जरूरी है। वहां के संविधान को जानना जरूरी है। लेकिन पीएम मोदी की बातों से ये जाहिर नहीं होता। वे कहते हैं कि संविधान नहीं बदला जायेगा। लेकिन मैं फिर कहता हूं कि देश का संविधान खतरे में है। जनता को पीएम के भाषणों के भ्रम में नहीं आना चाहिए।

बीजेपी के नहीं, कांग्रेस के घोषणा पत्र पर करते हैं बात

सुप्रियो ने आगे कहा कि पीएम मोदी अपनी चुनावी सभाओं में अपनी पार्टी यानी बीजेपी के घोषणा पत्र का नाम तक नहीं लेते। वह कांग्रेस के घोषणा पत्र की आलोचना करते अक्सर सुनाई देते हैं। उन्होंने कहा कि घोषणा पत्र का होना चुनाव आयोग की ओर से जरूरी करार दिया गया है। घोषणा पत्र का अपना महत्व होता है। चुनाव से पहले आपको बताना होता है कि जनता, विकास और अन्य मुद्दों के लिए आपके पास क्या योजना है। अगले पांच साल आप क्या करनेवाले हैं, ये देश को बताना होता है। लेकिन मोदी का अधिक समय कांग्रेस के घोषणा पत्र की आलोचना करने में बीतता है। कहा कि आप अपने घोषणा पत्र में ये कह सकते हैं कि हम जीते तो देश को चांद पर ले जायेंगे। लेकिन आपको इसके लिए चुनाव आयोग के सामने योजना भी बतानी होगी कि आप ये किस तरह करने वाले हैं। बीजेपी के घोषणा पत्र में जो बातें कही गयी हैं, जो वादे किये गये हैं, पीएम मोदी को उसके बारे में बात करनी चाहिए।

दलित विरोधी है इंडी एलायंस, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 400 पार का संकल्प पूरा होगा : अमर बाउरी

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू में आयोजित जनसभा में नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि हम लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश का प्रधान सेवक बनाने के लिए खड़े हैं। देश के पास एक ऐसा नेता है, जिसके पास विजन है। उनके नेतृत्व में हम देश ही नहीं दुनिया का कल्याण करना चाहते हैं। वहीं, सामने इंडी गठबंधन के लोग देश की प्रगति को रोकना चाहते हैं। कैसे प्रधानमंत्री को रोका जाये, इसके लिए लगातार षड्यंत्र कर रहे हैं। जनता के आशीर्वाद से जब 400 पार के नारे के साथ प्रधानमंत्री चुनावी मैदान में उतरे, तो इंडी गठबंधन के पसीने छूट गये।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने लोकतंत्र की हत्या सत्ता में आने के साथ ही शुरू कर दी। उन्होंने बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का कभी सम्मान नहीं किया। गरीब, आदिवासी, दलित और वंचितों को संविधान में उठाने की बात करने वाले बाबा साहब को भुला दिया। भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें सम्मान देने का काम किया। पूरे विश्व में स्थापित करने का काम किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में करोड़ों गरीबों को सिर पर छत मिला है। उन्हें पक्का मकान मिला है। करोड़ों लोगों को आज मुफ्त राशन दिया जा रहा है। मुफ्त गैस कनेक्शन दिया। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की धरती से प्रधानमंत्री मोदी ने आयुष्मान भारत योजना की लांचिंग की। इससे गरीबों को 5 लाख रुपए के इलाज की सुविधा मुफ्त मिल रही है।

श्री बाउरी ने कहा कि देश में इमरजेंसी लगाने वाले आज लोकतंत्र की हत्या की बात कर रहे हैं। राज्यों में राष्ट्रपति शासन लगाने वाले लोकतंत्र की दुहाई दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वर्तमान झारखंड सरकार दलित, आदिवासी विरोधी है। उसने एक भी दलित को मंत्री नहीं बनाया। सरकार ने बैजनाथ राम का वारंट निकाल कर उन्हें शपथ नहीं लेने दिया। इससे बड़ा दलितों का अपमान नहीं हो सकता है। इंडी गठबंधन के लोगों के वोट मांगने आने पर यह सवाल उनसे जरूर करें।

भाजपा नेता सन्नी टोप्पो ने खूब बहाया पसीना

- सैकड़ों समर्थकों के साथ पीएम के मिशन झारखंड में पहुंचे
- गांव-गांव घूम-घूम कर लोगों को दी थी जानकारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मिशन झारखंड को लेकर गुमला के सिसई में सभा होनी थी। इसे लेकर एक सप्ताह पहले से ही भाजपा नेता सन्नी टोप्पो खूब पसीना बहा रहे थे। गांव-गांव घूम-घूम कर लोगों को पीएम के कार्यक्रम की जानकारी और सभा में भाग लेने का न्योता भी दे रहे थे। शनिवार को बरटोली मैदान में उनकी मेहनत भी दिखायी पड़ी। पार्टी के प्रति समर्पण को देखते हुए ही सन्नी टोप्पो को लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र का सह संयोजक बनाया गया है। इस महती जिम्मेवारी को वह बखूबी निभा रहे हैं। उनका मानना है कि अगर कार्यकर्ता पूरी तनमयता के साथ प्रधानमंत्री की गारंटी को जन-जन तक पहुंचा दें, तो आसानी से 400

का आंकड़ा पार हो जायेगा। साथ ही भाजपा की झोली में झारखंड की 14 सीटें भी आ जायेंगी। सन्नी टोप्पो के साथ आये समर्थक भी बीच-बीच में सन्नी टोप्पो जिंदाबाद, नरेंद्र मोदी जिंदाबाद, बाबूलाल मरांडी जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे। समर्थक भाजपा की पट्टी भी लगे में लगाये हुए थे। टोपी भी पहन रखी थी। भाजपा के नेता भी सन्नी टोप्पो के प्रयास की सराहना करते दिखे। सन्नी टोप्पो को जब से लोकसभा का सह संयोजक बनाया गया है, तब से लगातार क्षेत्र में सक्रिय नजर आ रहे हैं। खासकर मांडर विधानसभा में ज्यादा शक्ति झोंक रखी है। कारण सन्नी टोप्पो मांडर से चुनाव भी लड़ चुके हैं। इस क्षेत्र में उनका अच्छा-खासा जनाधार भी है। प्रधानमंत्री की सभा के लिए इनके समर्थन में आयी ज्यादातर भीड़ भी मांडर विधानसभा क्षेत्र के मांडर, इटकी, बेड़ो, नरकोपी इलाके की थी। इसके अलावा लोहरदगा और गुमला के समर्थक भी पहुंचे थे। सन्नी टोप्पो एक ऐसे शख्स हैं, जो न केवल राजनीति, बल्कि सामाजिक कार्यों में भी बढ़-चढ़ कर हिस्सेदारी निभाते हैं। युवाओं, खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने में भी वह पीछे नहीं हटते हैं। भाजपा ज्वाइन करने के बाद से एक सच्चे सिपाही की तरह पूरे मनोयोग से भाजपा के संदेश, पीएम मोदी की गारंटी को जन-जन तक पहुंचा रहे हैं। सन्नी टोप्पो एक युवा राजनीतिज्ञ हैं। इनका क्रेज भी लोरहदगा लोकसभा क्षेत्र में जनता के बीच देखा जाने लगा है।

भाजपा का 400 पार का नारा सच होगा: सन्नी टोप्पो

भाजपा नेता सह लोहरदगा लोकसभा के सह संयोजक सन्नी टोप्पो ने कहा कि भाजपा का 400 पार का नारा सच होगा। झारखंड समेत पूरे देश में मोदी की लहर है। इस आंधी में कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल धराशायी हो जायेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काफी काम हुआ है। आदिवासियों का मान-सम्मान भी बढ़ा है। प्रधानमंत्री ओर भाजपा ने देश की एक आदिवासी बेटी को राष्ट्रपति बनाया है। भाजपा में एक सामान्य कार्यकर्ता की भी अच्छी खासी पूछ है। सामान्य कार्यकर्ता को ऊंचे पद पर आसीन किया जाता है। झारखंड में भी इसके कई उदाहरण हैं। अर्जुन मुंडा को मंत्रालय में शामिल किया गया। आशा लकड़ा को भी महत्वपूर्ण जिम्मेवारी दी गयी। इसी प्रकार के कई उदाहरण भरे-पड़े हैं। कांग्रेस और इंडी गठबंधन के लोग झूठा प्रचार कर आमजन को गुमराह कर रहे हैं, लेकिन वे लोग अपने मंसूबे में कभी कामयाब नहीं हो पायेंगे। झारखंड समेत पूरे देश की जनता इस बार उन्हें जरूर सबक सिखायेगी। झारखंड की जनता मन बना चुकी है। निश्चित तौर पर तीसरी बार नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। शनिवार को पलामू और खासकर सिसई में आयी भीड़ ने अपना इरादा साफ कर दिया है। इसके अलावा रांची के रोड शो में भी जलसैलाब उमड़ा। इससे साफ है कि नरेंद्र मोदी देश की पहली पसंद हैं। उनके मुकाबले में कोई राजनेता खड़ा नहीं है। झारखंड में भी बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में बेहतर काम हो रहा है। पार्टी का जनाधार और तेजी से बढ़ा है। पिछले बार के चुनाव से कहीं ज्यादा वोट इस बार मिलेगा।

रायबरेली में भी राहुल को घेरने की पूरी तैयारी

भाजपा ने बनाया अमेठी वाला प्लान

सलोनी

कांग्रेस ने राहुल गांधी को रायबरेली लोकसभा सीट से प्रत्याशी बनाने की घोषणा कर दी और नामांकन करने की अंतिम तिथि 3 मई को उन्होंने अपना पर्चा दाखिल कर दिया। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने राहुल गांधी की उम्मीदवारी का स्वागत करते हुए कहा कि इससे यूपी में कांग्रेस को मजबूती मिलेगी। इसके साथ-साथ इससे पूरे देश में अच्छा संदेश भी जायेगा। वहीं, भाजपा ने राहुल गांधी को रायबरेली में भी घेरने का प्लान बना लिया है। राहुल गांधी को घेरने के लिए भाजपा ठीक उसी रणनीति का इस्तेमाल करेगी, जिसके सहारे उन्हें अमेठी में हराया था।

अमेठी में भाजपा ने तैयार किया था यह प्लान : भाजपा ने 2014 में अमेठी से राहुल गांधी के सामने तेजतर्रार नेता स्मृति ईरानी को अपना प्रत्याशी बनाया था। इसके साथ ही पार्टी ने जनता के बीच यह मुद्दा उठाना शुरू कर दिया कि गांधी परिवार केवल भावनाओं के सहारे अमेठी की जनता से वोट लेता है। लेकिन चुनाव में जीत हासिल करने के बाद परिवार के सदस्य कभी लौट कर नहीं आते। भाजपा ने जनता को यह समझाने की कोशिश की कि गांधी परिवार के जीतने के बाद अमेठी को कुछ लोगों के सहारे 'छोड़' दिया जाता है। इससे जनता की परेशानियों का कोई हल नहीं निकल पाता। स्मृति ईरानी ने इस मुद्दे को जोरदार तरीके से अपनी चुनावी सभाओं में उठाया।

हालांकि, अपनी पूरी कोशिश करने के बाद भी भाजपा राहुल गांधी को 2014 में अमेठी में नहीं हरा सकी। अमेठी की परंपरागत सीट पर मतदाताओं का भरोसा गांधी परिवार पर बना रहा। लेकिन हार के बाद भी स्मृति ईरानी ने मैदान नहीं छोड़ा और वह अमेठी में डटी रहीं। उन्होंने बीच-बीच में लगातार पांच साल तक अमेठी जाकर लोगों से अपना संपर्क बनाये रखा। 2017 में उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार आ जाने से उनका काम और आसान हो गया। राज्य सरकार के कामकाज के सहारे स्मृति ईरानी ने अमेठी के लोगों के बीच अपनी छवि 'जनता का काम' करने वाले नेता की बनायी। इसका उन्हें लाभ हुआ और 2019 के लोकसभा चुनाव में स्मृति ने राहुल को अमेठी में मात दे दी। इसके बाद राहुल गांधी केरल के वायनाड चले गये।

चंद्रमौलि सिंह ने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी ने 2019 में रायबरेली से जीत हासिल की, लेकिन वह अपनी जीत का प्रमाण पत्र लेने तक रायबरेली नहीं आयीं। पूरे पांच साल में सोनिया गांधी एक बार भी रायबरेली नहीं पहुंचीं। जिस रायबरेली ने उन्हें लगातार पांच बार सांसद बनाया (उपचुनाव सहित), अंततः उन्होंने उसे भी छोड़ दिया और राज्यसभा के पिछले दरवाजे से संसद पहुंच गयीं। 2014 में चुनावी हार के बाद भी स्मृति ईरानी ने अमेठी नहीं छोड़ी, जबकि 2019 में हारने के बाद राहुल गांधी कभी अमेठी नहीं गये। इससे समझ आता है कि एक नेता के तौर पर गांधी परिवार की प्राथमिकता क्या है?

वही रणनीति रायबरेली में भी

भाजपा के अमेठी जिला के प्रवक्ता चंद्रमौलि सिंह ने कहा कि रायबरेली का हाल भी अमेठी वाला ही रहा है। रायबरेली ने लगातार गांधी परिवार को जिताने का काम किया, लेकिन इसके बाद भी गांधी परिवार ने कभी रायबरेली के विकास पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि गांधी परिवार ने जनता का कामकाज भी अपने कुछ लोगों के 'सहारे' छोड़ दिया था, जिससे जनता के काम कभी नहीं हुए।

कांग्रेस बोली- जीत हासिल करेंगे, अच्छा संदेश जायेगा

राजनीतिक गलियारों में लगातार इस बात की चर्चा हो रही थी कि यदि गांधी परिवार ने अमेठी-रायबरेली को छोड़ दिया, तो इससे पूरे देश में बहुत नकारात्मक संदेश जायेगा। इससे भाजपा यह संदेश देने में कामयाब रहेगी कि पूरे यूपी से कांग्रेस का सफाया हो गया। संभवतया यही कारण है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पार्टी नेतृत्व पर लगातार यह दबाव बनाये रखा कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को इन पारंपरिक सीटों से पार्टी का उम्मीदवार बनाया जाये।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय का कहना है कि राहुल गांधी की रायबरेली में जीत तय है। यहां की जनता आजादी के काल से ही कांग्रेस और गांधी परिवार के साथ खड़ी रही है। इस बार भी राहुल गांधी को यहां से बड़ी जीत मिलने वाली है। उन्होंने कहा कि रायबरेली से राहुल गांधी की उम्मीदवारी से पूरे प्रदेश में सकारात्मक संदेश जायेगा। इससे गठबंधन के कार्यकर्ताओं और दूसरी सीटों के प्रत्याशियों को भी बल मिलेगा।

कांग्रेस की परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीतिः मोदी

आजाद सिपाही संवाददाता

पलामू/सिसई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पलामू और सिसई में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस ने पिछले 60 वर्षों में सिर्फ परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण किया है। अपना वोट बचाने के लिए कांग्रेस आतंकवादियों पर भी कार्रवाई नहीं करती। झारखंड में घुसपैठियों को बढ़ावा देने और आदिवासियों की जमीन हड़पने का खतरनाक खेल हो रहा है। संथाल में पीएफआइ जैसे प्रतिबंधित संगठन अपना रैकेट चला रहे हैं और आदिवासी महिलाओं के साथ अत्याचार कर रहे हैं। जब लोग इसके खिलाफ आवाज उठाते हैं, तो इंडी गठबंधन वोट जिहाद की अपील करने लगता है। कांग्रेस कितना ही जिहाद कर ले, लेकिन अब ये देश पीछे नहीं हटनेवाला है।

कांग्रेस की नजर संपत्ति पर है: प्रधानमंत्री ने कहा कि मोदी यहां रोजगार बढ़ाना चाहता है और जनता के जीवन में खुशहाली लाना चाहता है, लेकिन कांग्रेस की नजर जनता की संपत्ति पर पड़ गयी है। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में जनता की संपत्ति का एक्स-रे कर उसका कुछ हिस्सा जब्त करने और अपने वोटबैंक में बांटने की बात कही है। जनता को ये बिल्कुल मंजूर नहीं है। कांग्रेस और इंडी गठबंधन ने एक और खतरनाक बात कही है। कांग्रेस जनता में झूठ फैला रही है कि भाजपा विजयी होने पर आरक्षण और संविधान खत्म कर देगी। सत्य तो यह है कि भाजपा की देश में पिछले 10 वर्षों से पूर्ण बहुमत की सरकार है और भाजपा ने अब तक ऐसा कोई कदम नहीं उठाया है, क्योंकि मोदी बाबा साहब अंबेडकर के संविधान की पूजा करता है। उल्टा इनकी सच्चाई भाजपा ने खोल कर रख दी है।

कल्याण योजनाओं ने मेरे अनुभव से जन्म लियाः प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं विरासत में देश को विकसित भारत देकर ही जाऊंगा ताकि देश की जनता को कभी मुसीबत भरा जीवन न जीना पड़े। मैंने गरीबी को जीया है। मैं गरीबी की मुश्किलों से गुजरता हुआ आया हूं। इसीलिए मेरी 10 वर्षों की गरीब कल्याण की योजनाओं ने मेरे जीवन के अनुभवों से जन्म लिया है। आज लाभार्थियों से मिल कर मेरी आंखों में आंसू आ जाते हैं और इन आंसुओं की कीमत वही व्यक्ति समझ सकता है, जिसने गरीबी में जीवन बिताया है। जिसने अपनी मां को पेट बांध कर सोते और शौचालय के अभाव में पीड़ा तथा अपमान सहते नहीं देखा है, वो मोदी के इन आंसुओं का मर्म नहीं समझ सकता है। कांग्रेस के शहजादे मोदी के आंसुओं में अपनी खुशी ढूंढ़ रहे हैं। ये निराश और हताश लोग इतने कुंठित हो गये हैं कि मोदी के आंसू इन्हें अच्छे लग रहे हैं। कांग्रेस के शहजादे के हालात को 'जाके पांव न फटे बिवाई, सो क्या जाने पीर पराई' मुहावरा चरितार्थ करता है। राहुल गांधी चांदी के चम्मच से खाना खाते रहे, गरीबों की झोपड़ियों में फोटो खिंचवाते रहे। गरीब के लिए कभी कुछ नहीं किया। जनता मोदी को आशीर्वाद दे रही है। ये आशीर्वाद ही मोदी की शक्ति और पूंजी है।

पलामू को अपने हाल पर छोड़ दिया था

मोदी ने कहा कि कांग्रेस और उनके सहयोगियों ने पलामू को अपने हाल पर छोड़ दिया था। इन नेताओं को ये भी नहीं ज्ञात होगा कि पलामू नक्शे में कहां पड़ता है। लेकिन इन्हीं जिलों में देश के सबसे ज्यादा दलित, आदिवासी और पिछड़े भाई बहन रहते हैं। कांग्रेस शासन में इन जिलों को पिछड़ा जिला कह कर अपमानित किया जाता था। 2014 में भाजपा सरकार बनने पर मैंने इन जिलों को आकांक्षी जिला कहना शुरू किया और इन्हें होनहार जिला बनाने का प्रण लिया। पहले और अब के पलामू में जमीन आसमान का फर्क आ गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा और एनडीए ने सदैव आदिवासी हितों को सर्वोपरि रखा है। मेरा सौभाग्य है कि भगवान बिरसा मुंडा के गांव उल्हातू जाने वाला मैं देश का पहला प्रधानमंत्री हूं। मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती को हिंदुस्तान के हर कोने में शान से और पूरे 2025 को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का संकल्प लिया है। भगवान बिरसा मुंडा की प्रेरणा से ही मैंने लगभग 24 हजार करोड़ रुपये की प्रधानमंत्री जन मन योजना शुरू की, जिसका लाभ आदिवासियों की भी सबसे पिछड़ी जनजातियों को मिलेगा। एनडीए सबका साथ सबका विकास के लिए प्रतिबद्ध है और झारखंड में एनडीए एक ताकत से लड़ाई लड़ रहा है। उन्होंने पलामू से भाजपा प्रत्याशी वीडी राम और लोहरदगा से प्रत्याशी समीर उरांव को प्रचंड बहुमत से विजयी बना कर देश में फिर एक बार मोदी सरकार बनाने का आह्वान किया।

आम लोगों के सहयोग से चुनाव लड़ रहे माले नेता विनोद सिंह, प्रवासी भी दे रहे चंदा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। लोकसभा चुनाव में अत्यधिक धन का बे-रोकटोक प्रवाह, हमारी राजनीतिक प्रक्रिया का कड़वा सच बनता जा रहा है। चुनाव में उम्मीदवार और राजनीतिक दलों में एक-दूसरे से बढ़-चढ़ कर धन बल का प्रदर्शन करने की होड़ मची है। राजनीतिक प्रक्रिया में धनबल का दुरुपयोग, जवाबदेही और पारदर्शिता को प्रभावित करता है। चुनावों में धन का बेरोक टोक प्रवाह रोकने के लिए चुनाव आयोग के प्रयास के बाद भी पानी की तरह पैसे बहाये जाने का एक कड़वा सच भी सामने आ ही जाता है। प्रतिद्वंद्वी और पार्टियां धनबल का खुलेआम प्रदर्शन करते देखे जाते हैं। चुनाव प्रचार से लेकर बूथ मैनेजमेंट में लाखों रुपये पानी की तरह बहाये जाते हैं। ऐसे में ठीक इसके उलट झारखंड के कोडरमा लोकसभा सीट से माले विधायक बिनोद सिंह लोकसभा चुनाव आम मतदाताओं के सहयोग से लड़ रहे हैं।

ऐसा प्रत्याशी चुनें, जिनकी आवाज विधानसभा में गूंजती है: विनोद सिंह

विनोद सिंह जिस पार्टी से चुनाव लड़े रहे हैं, वह कैडर बेस्ड पार्टी है। भले उनके नेता चुनाव में हारें या जीतें, हर एक कैडर नेता बन कर चुनाव लड़ता है। वर्तमान चुनावी प्रवृत्तियों से अलग उसके पास न तो पार्टी की ओर से खजाना मिला है, न खुद इतने सक्षम हैं कि पानी की तरह पैसा बहा सकें। पूरी तरह से जनता के सहयोग से चुनाव लड़ रहे विनोद सिंह कहते हैं- मैं राजनीति खुद के लिए नहीं कर रहा हूं। लोगों के लिए काम करता हूं, लोगों के लिए लड़ता हूं, लोगों के लिए ही सड़क से लेकर विधानसभा तक आवाज उठाता हूं। जनसहयोग से कोडरमा लोकसभा का चुनाव लड़ रहा हूं। मेरी जनता ही चुनाव लड़ती है। तन-मन और धन से सहयोग करती है। सिंह कहते हैं कि अगर मैं किसी पूंजीपति-कॉरपोरेट से पैसे लूंगा, तो हमें उनकी ताकत बननी होगी। उनके लिए सवाल पूछना होगा। आम लोगों के लिए सदन से सड़क तक संघर्ष से ही देश की जनता हमें मजबूत बनायेगी।

प्रवासी मजदूर भी कर रहे सहयोग

माले प्रत्याशी विनोद सिंह कहते हैं कि लोग सहयोग कर रहे हैं। छोटे-छोटे सहयोग आ रहे हैं।

वहीं झारखंड से बाहर रह रहे प्रवासी मजदूर भी सहयोग के लिए आगे आये हैं। दिल्ली, मुंबई, सूरत, कोलकाता और दक्षिण के राज्यों में काम करनेवाले इलाके के प्रवासी मजदूरों ने मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। शुक्रवार को ऑनलाइन माध्यम से मिली चंदे की रकम चार लाख से पार कर गयी है। चुनाव के लिए चंदा देनेवाले से अपील भी की जा रही है कि वे अपना पैन कार्ड नंबर भी दें, ताकि आगे चल कर किसी तरह की परेशानी न हो।

मिलता रहा सहयोग, गाड़ी चोरी हुई तो लोगों ने चंदा कर खरीदी

बात 2008 की है, जब भाकपा माले के कोलकाता में हो रहे राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान विनोद सिंह की कार चोरी हो गयी। विनोद सिंह और उनकी पार्टी के पास पैसे नहीं थे कि दूसरी कार खरीदी जा सके। विनोद ट्रेन, बस, मोटरसाइकिल, ऑटो रिक्शा में सफर कर अपने विधानसभा क्षेत्र का भ्रमण करने के साथ-साथ रांची भी आना-जाना करते रहे। जब विधानसभा क्षेत्र के लोगों तक यह बात पहुंची, तो आम लोगों ने पांच-पांच, दस-दस रुपये चंदा कर उनके लिए सबसे अच्छी गाड़ी महिंद्रा स्कॉर्पियो खरीद दी।

आखिर विनोद सिंह कैसे आये राजनीति में

कॉमरेड महेंद्र सिंह विधायक थे। 16 जनवरी 2005 को उनकी हत्या की गयी थी। ठीक एक दिन पहले यानि 15 जनवरी को उन्होंने उस वक्त झारखंड विधानसभा का चुनाव लड़ने के लिए नामांकन दाखिल किया था। महेंद्र सिंह की हत्या के वक्त, विनोद महज 25-26 साल के नौजवान रहे होंगे, जो मुंबई में रह कर सिनेमा के विभिन्न माध्यमों से समाज में परिवर्तन वाली राजनीतिक फिल्में बनाने के सपने देख रहे थे। आइसा की छात्र राजनीति करने वाले विनोद सिंह को कभी चुनावी राजनीति में नहीं आना था। एक तरफ अभूतपूर्व परिस्थितियों का दबाव एवं किसी दूसरे व्यक्ति को विकल्प बनाने का विचार करने के लिए वक्त की कमी थी। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 17 जनवरी 2005 थी। वहीं दूसरी तरफ पूरे समाज का दबाव था, सभी जाति धर्म संप्रदाय के लोग विनोद सिंह को ही देखना चाहते थे।

सरकार की कमजोरियों पर कभी परदा नहीं डाला

विनोद काफी दबाव के बाद मुंबई से लौटे और पिता की हत्या के अगले दिन 17 जनवरी को बगोदर विधानसभा से चुनाव लड़ने के लिए नामांकन किया। महेंद्र बाबू का दाह संस्कार विनोद सिंह के नामांकन करने के बाद कराया गया। झारखंड में विनोद सिंह झामुमो-कांग्रेस की सरकार को बाहर से समर्थन दे रहे हैं, लेकिन उन्होंने कभी भी सरकार की कमजोरियों पर परदा डालने का प्रयास नहीं किया। हमेशा सरकार की कमजोरियों को उजागर किया। आदिवासियों के सवाल पर हेमंत सरकार को घेरा भी, वहीं दूसरी तरफ जब भी हेमंत सोरेन की सरकार को गिराने की कोशिश हुई, तब-तब विनोद सिंह आदिवासी-मूलवासी आकांक्षाओं के अनुरूप चुनी हुई हेमंत सोरेन सरकार की ढाल बन कर खड़े रहे।

हरियाणा में बीजेपी मोदी और राम नाम के सहारे

कांग्रेस को गारंटी पर भरोसा; क्षेत्रीय मुद्दे भी गूंज रहे

आजाद सिपाही संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा में लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा और कांग्रेस के बीच जंग दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गयी है। दसों सीट जीतने के लिए भाजपा-कांग्रेस के सेनापति मैदान में उतर गये हैं। मतदाताओं को लुभाने के लिए तरकश से तीर निकाल कर अब सीधे निशाने पर लगाये जा रहे हैं। भाजपा का पूरा जोर विधानसभा वार रैलियों पर है। इन रैलियों में दिये जाने वाले भाषणों के लिए भाजपा के थिंक टैंक ने विशेष रणनीति बनायी है। पिछले चुनाव का प्रदर्शन (10-0) दोहराने के लिए पार्टी पीएम मोदी को केंद्र में रखने के साथ मतदाताओं के धुव्रीकरण के लिए वह अपने भाषणों में बदलाव कर रही है।

उधर, कांग्रेस अपने प्रचार में घोषणा पत्र के साथ स्थानीय मुद्दों को भुनाने में जुटी है। यहां तक कि कांग्रेस घोषणा पत्र के साथ आगामी विधानसभा चुनावों में किये जाने वाले वादों को भी अभी से जनता के सामने रख रही है। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा यहां तक कह चुके हैं कि यह चुनाव लोकसभा के साथ प्रदेश की सत्ता के लिए भी है। हरियाणा में भाजपा का असल उदय 2014 के चुनाव में हुआ। मोदी लहर में पार्टी ने करीब 41% वोट पाकर हरियाणा की सात सीटें जीतीं। वहीं, 2019 में दस की दस सीटें अपने नाम कीं और वोट शेयर बढ़ कर 58 फीसदी पहुंच गया। पिछले दो चुनावों को देखते हुए भाजपा इस बार भी अपनी नैया मोदी के सहारे पार करने की कोशिश में है।

स्थानीय मुद्दे उठा रही कांग्रेस

चुनाव विश्लेषक सतीश त्यागी ने बताया कि कांग्रेस का मकसद है कि चुनाव स्थानीय मुद्दों पर ही लड़ा जाये। कांग्रेस को पता है कि यदि स्थानीय मुद्दों पर पर चुनाव लड़ा गया तो उसे सत्ता विरोधी लहर का फायदा मिलेगा। जिन लोगों की नाराजगी है, उसके वोट वह ले सकती है। त्यागी कहते हैं कि कांग्रेसियों की असल नजर विधानसभा चुनावों पर है। इसलिए वह स्थानीय मुद्दों को ही उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस नेता अपने घोषणा पत्र को सही से पढ़ लें और जनता तक ले जायें तो उन्हें इसका काफी लाभ मिल सकता है।

रोहतक में नौकरी का मुद्दा, पंचकूला में ट्रांसफर पॉलिसी का हो रहा गुणगान : बीते 27 अप्रैल को सीएम सैनी ने झज्जर में रैली के दौरान नौकरी देने का मुद्दा उठाया। उन्होंने अपनी रैली में कहा-कांग्रेस राज में एक युवा को नौकरी लगने के लिए पूरा गांव मंत्री और मुख्यमंत्री के चक्कर काटता था। मगर मनोहर लाल की सरकार बनने के बाद नौकरियों का सिस्टम ऐसा बना दिया गया कि अब किसी को भी कहीं कोई पैसे देने की जरूरत नहीं है। वहीं, जब वह रोहतक लोकसभा क्षेत्र की कोसली क्षेत्र में पहुंचे तो उन्होंने सेना के जांबाज जवानों की बात छेड़ दी। उन्होंने कहा-अहीरवाल भाई देश की सुरक्षा में सीमा पर खड़े रहते हैं। 2014 से पहले सीमा पर पत्थरबाजी होती थी, मगर मोदी के पीएम बनने के बाद सीमा पर न तो पत्थरबाजी होती है और न ही पत्थरबाज नजर आते हैं। अगले दिन जब वह पंचकूला पहुंचे तो वहां वह ट्रांसफर पॉलिसी का गुणगान करते हैं। वह कहते हैं- हरियाणा सरकार ने ट्रांसफर पॉलिसी ऐसी बनायी, जिससे हर कर्मचारी को लाभ मिला। इसी तरह पूर्व सीएम मनोहर लाल भी रैलियों में खास रणनीति के तहत भाषण देते नजर आते हैं। हालांकि साढ़े नौ साल तक उन्होंने अपनी सरकार चलायी है, मगर वह अपने काम के बजाय पीएम मोदी के काम अधिक गिनवाते हैं।

चुनाव विश्लेषक और पॉलिटिक्स ऑफ चौधर के लेखक सतीश त्यागी कहते हैं- पिछले दस साल में भाजपा ने काफी चुनाव लड़े और जीते हैं। उनके पास अच्छा अनुभव और मंझे हुए रणनीतिकार भी हैं। इसलिए उनके भाषण मोदी पर केंद्रित होने के साथ क्षेत्रीय मुद्दों पर टिके हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में जब कांग्रेस की सरकार थी तो उस दौरान गैर जाट युवकों को नौकरियों के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था। खास कर रोहतक के युवाओं को।

केवल विधायक नहीं, नेता बनने की राह पर हैं कल्पना

खुद के साथ सहयोगियों के लिए भी कर रहीं कैंपेन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड की सियासत में अभी सबसे चर्चित चेहरा हैं। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी गांडेय विधानसभा उपचुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा की उम्मीदवार हैं। सियासत हो, प्लेन हो या फिर पानी वाला जहाज। कहते हैं कि दूसरों की सहायता करने से पहले खुद की मदद कीजिए। पहले अपना ऑक्सीजन मास्क या लाइफ जैकेट पहन लीजिए, लेकिन कल्पना मुर्मू सोरेन चुनावी मैदान में इस अवधारणा को तोड़ती नजर आ रही हैं। दरअसल, कल्पना मुर्मू सोरेन गांडेय विधानसभा उपचुनाव में केवल अपने लिए ही वोट नहीं मांग रहीं, बल्कि कोडरमा लोकसभा सीट से इंडिया गठबंधन की तरफ से सीपीआइ एमएल के प्रत्याशी विनोद सिंह के लिए भी वोट की अपील कर रही हैं। कल्पना मुर्मू सोरेन न केवल जनता को तीर धनुष छाप पर बटन दबाने को कहती हैं, बल्कि ये भी अपील करती हैं कि वे विनोद सिंह के पक्ष में जम कर मतदान करें। तीन तारा निशान पर बटन दबायें।

कल्पना मुर्मू सोरेन गांडेय उपचुनाव में प्रत्याशी हैं : कल्पना मुर्मू सोरेन पहली बार चुनावी मैदान में हैं। पति हेमंत सोरेन जेल में हैं और इसलिए भी कल्पना मुर्मू सोरेन के पास दोहरी चुनौती है। दरअसल, गांडेय विधानसभा सीट कद्दावर झामुमो नेता डॉ सरफराज अहमद के इस्तीफे से खाली हुई है। ऐसे में कल्पना मुर्मू सोरेन की चुनौती है कि वे इस सीट को झामुमो की झोली में सुरक्षित वापस लेकर आयें। पिछले तकरीबन एक साल में जब से हेमंत सोरेन जांच एजेंसियों की पूछताछ और कार्रवाई का सामना कर रहे हैं, मीडिया से लेकर सियासी गलियारों में कल्पना मुर्मू सोरेन को उनकी वास्तविक उत्तराधिकारी के रूप में पेश किया जाता रहा तो, इस विश्वास और भरोसे को चुनावी मैदान में साबित करना भी बड़ी चुनौती है। कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि कल्पना मुर्मू सोरेन झारखंड के सबसे बड़े राजनीतिक परिवार से आती हैं। वह दिशोम गुरु शिबू सोरेन की बहू हैं। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की धर्मपत्नी हैं। कल्पना मुर्मू सोरेन, गांडेय में बड़ी राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने का बोझ लेकर भी उतरी हैं। ऐसे में कल्पना का अपने साथ-साथ इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार विनोद सिंह के लिए कैंपेन करना उनकी परिपक्वता को भी दर्शाता है।

कोडरमा में विनोद सिंह के लिए मांगा वोट

केवल इतना ही नहीं। गांडेय में इलेक्शन कैंपेन में बिजी रहने के बावजूद कल्पना, गठबंधन की तरफ से विभिन्न लोकसभा सीटों पर उतरे उम्मीदवारों को पक्ष में वोट करने की अपील करती हैं। चाइबासा में जोबा मांझी के साथ नामांकन में शामिल होना हो या फिर उनके पक्ष में जनसभा, कल्पना मुर्मू सोरेन साये की तरह साथ रहीं। कल्पना, कोडरमा लोकसभा सीट पर इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी विनोद सिंह के नामांकन कार्यक्रम में भी शामिल हुईं। उनके पक्ष में जनसभा करते हुए वोट की अपील की। कल्पना, अपने सहयोगियों के लिए भी लगातार चुनाव प्रचार कर रही हैं। लगातार यात्राएं कर रही हैं। इस बीच गांडेय में भी जनता के बीच जा रही हैं। ग्रामीण इलाकों में नुक्कड़ सभाएं करती हैं। कल्पना मुर्मू सोरेन के लिए यह सब मुश्किल होगा, लेकिन सियासत में विरासत की बड़ी जिम्मेदारी कहां रूकने देती है।

गांडेय में नुक्कड़ सभाएं कर रही हैं कल्पना मुर्मू सोरेन

कल्पना का अपने सहयोगियों के लिए चुनाव प्रचार करना चर्चा का विषय इसलिए भी है, क्योंकि वह खुद गांडेय में चुनाव लड़ रही हैं। पिछले तकरीबन एक साल से जिस बात की सबसे ज्यादा चर्चा थी, गांडेय उपचुनाव उसी का उपसंहार है। कल्पना को हेमंत सोरेन का सर्वश्रेष्ठ विकल्प बताया गया। उन्हें आगे करने की वजह से हेमंत सोरेन को परिवार के भीतर और पार्टी में भी विरोध का सामना करना पड़ा। परिवार की बड़ी बहू सीता सोरेन ने तो पार्टी छोड़ दी। वरिष्ठ विधायक लोबिन हेंब्रम भी राजमहल में बगावत कर चुके हैं। दबी आवाज में नाराजगी के कुछ और स्वर उठे होंगे। गांडेय, झारखंड मुक्ति मोर्चा की परंपरागत सीट रही है।

नीतीश कुमार ने एसपी से लगायी सुरक्षा की गुहार

उरीमारी (आजाद सिपाही)। सेल संचालन समिति सौंदा बस्ती के अध्यक्ष नितिश कुमार ने सौंदा बस्ती के पूर्व मुखिया दयानंद प्रसाद के द्वारा गांव समाज में दुष्प्रचार करने और अपनी सुरक्षा को लेकर शनिवार को रामगढ़ जिला पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर अपनी जान की सुरक्षा के लिए गुहार लगाई है। नितिश कुमार ने आवेदन के माध्यम से बताया है कि पूर्व मुखिया दयानंद प्रसाद, पिता स्व राजकिशोर प्रसाद, सौंदा बस्ती, थाना भुरकुंडा, जिला रामगढ़ (झारखंड) के कार्यकाल 14 वें वित्त में हुवे कार्यों की जानकारी मैंने आरटीआई के माध्यम से ली थी तब से गांव के चौक चौराहों पर गाली-गलौज और धमकी दिया करता था। जिसकी लिखित शिकायत जिला उपायुक्त रामगढ़ से मैंने की थी। आवेदन प्रखंड विकास पदाधिकारी पतरातू को भी दी गयी जिसकी जांच की शुरुआत भी हुई। तब से पूर्व मुखिया दयानंद प्रसाद के द्वारा हर समय मेरे खिलाफ गांव में जगह-जगह गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी देने लगा। इसके बाद पूर्व मुखिया के द्वारा वर्तमान में मेरे आचरण पर गलत आरोप लगाते हुए गांव समाज के बीच सिद्ध करने में लगा हुआ है कि मैं असामाजिक संगठनों से जुड़ा हुआ हूं और मैं मुखिया को धमकी दिलाता हूं जो कि जांच का विषय है। इसके कारण समाज में मेरी छवि धूमिल हो रही है। आगे नितिश कुमार ने पुलिस अधीक्षक रामगढ़ से अपने और अपने परिवार की सुरक्षा की मांग की और भविष्य में किसी प्रकार की अनहोनी के साथ जान माल की क्षति होने पर उन्होंने दिये गये आवेदन को बयान मानकर पूर्व मुखिया दयानंद प्रसाद के खिलाफ मामला दर्ज करने का आग्रह किया।

महिला ने लगाया बलात्कार करने का आरोप

गोला (आजाद सिपाही)। गोला थाना क्षेत्र के बेटुल कलां गांव निवासी अनिता देवी पति चंद्रशेखर महतो ने गांव के ही निरंजन महतो पर जबरन ब्लातकार करने का आरोप लगाया है। इस सम्बंध में पीड़ित महिला ने गोला थाना में आवेदन दिया है। आवेदन में कहा है कि 21 अप्रैल को शाम छह बजे बकरी चरा कर घर लौट रही थी। इसी दौरान मंडपा बारी के समीप जबरन पकड़कर ले गया। उसके बाद मेरे साथ जबरजस्ती करने लगा। इसके बाद उसने चाकू दिखाकर धमकी दिया कि कहीं बोलेगी तो जान से मार दूंगा। इसके बाद मैं हल्ला करने लगी। हल्ला सुन कर निरंजन की पत्नी वहां पहुंच गयी। इसके बाद निरंजन ने मेरे माथे पर जबरन सिंदूर डाल दिया। पीड़िता ने बताया कि घटना से वो काफी डरी सहमी है। जिसके कारण देर से थाना में आवेदन दिया हूं।

राजद के झारखंड स्टार प्रचारक बनाये गये गिरधारी गोप, दी गयी बधाई

भुरकुंडा (आजाद सिपाही)। भदानीनगर कुरसे निवासी सह राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश उपाध्यक्ष गिरधारी गोप को पार्टी ने झारखंड में स्टार प्रचारक बनाया है। गिरधारी गोप 30 मई तक झारखंड में महागठबंधन और पलामु में पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार प्रसार करेगें। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने पार्टी के स्टार प्रचारक के रूप में प्रमाण पत्र निर्गत किया है। पार्टी द्वारा स्टार प्रचारक बनाये जाने पर राजद के प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष यादव, प्रेम कुमार साहु, बबन पांडेय, संतोष मिश्रा, संजय यादव, वाहिद अंसारी, शौकत खान, छोटु सिंह, श्रीकांत सिंह, पप्पु कुमार सहित दर्जनों लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

इलाज के अभाव में मौत से जूझ रहा है सुनील भुइयां, नहीं मिला सरकारी लाभ

हंटरगंज / चतरा (आजाद सिपाही)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार चतरा के सचिव के निर्देशानुसार शनिवार को प्रखंड के लेंजवा पंचायत अंतर्गत अकौना एवं सागासोत गांव में जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान डोर टू डोर जागरूकता अभियान चला कर लोगों को नालसा योजना सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में बताया गया। साथ ही मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने का काम भी किया गया। सरकार के द्वारा चलाए जा रहे टोल फ्री नंबर जैसे ऐम्बुलेंस108, पुलिस सहायता 112,दमकल 100 के बारे में भी लोगों को जागरूक किया गया। साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकार के द्वारा निशुल्क कानूनी सहायता के द्वारा जारी हेल्प न.15100 तथा चाइल्ड हेल्प न 1098के बारे में जानकारी दी गयी है। यह जागरूकता अभियान हंटरगंज प्रखंड कार्यालय के पीएलवी कुमार विवेक रंजन और सरयु यादव ने संयुक्त रूप से चलाया। इस मौके पर मिथिलेश यादव, कमलेश यादव, सूर्य देव यादव, सहित अन्य ग्रामीण मौजूद थें।

आदर्श मतदान केंद्र प्रतियोगिता का आयोजन

हंटरगंज/ चतरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड कार्यालय के सभागार में आदर्श मतदान केंद्र प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से अंचलाधिकारी सह प्रभारी बीडीओ निखिल कच्छप, बीपीओ संदीप कुमार, सीआरपी विनय कुमार गुप्ता मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर बच्चों ने आदर्श मतदान केंद्र विषय पर अपना अपना माडल प्रस्तुत किया। इसके साथ ही मतदाताओं को जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। उन्होंने 20 मई को मतदान प्रतिशत बढ़ाने में योगदान देने की बात कही, इस मौके पर बच्चों ने भाषण दिया और कविता भी सुनाया। यह भी सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया कि कोई भी मतदाता मतदान से वंचित न रहे। बच्चों ने कहा कि मतदान से अपने योग्य उम्मीदवार को चुनने का अवसर मिलता है। अंचलाधिकारी सह बीडीओ ने बताया कि जिला निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देश पर बच्चों के बीच आदर्श मतदान केंद्र विषय पर कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर राज्य सम्पोषित +2 उच्च विद्यालय पानडेयपुरा, राज्य सम्पोषित +2 उच्च विद्यालय, हंटरगंज, उत्क्रमित +2 उच्च विद्यालय औरुगेरुआ और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय हंटरगंज और प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय हंटरगंज समेत विद्यालयों के नोडल शिक्षक अनुप कुमार, जयंत कुमार, रविन्द्र कुमार, के साथ छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। जिसमे कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय हंटरगंज प्रथम स्थान, +2 उच्च विद्यालय पानडेयपुरा द्वितीय और आरएनआर+2 एचउस हंटरगंज तृतीय स्थान प्राप्त किया।

चार युवकों ने किया बलात्कार

वीडियो भी किया वायरल

थाने पहुंचा मामला तो पुलिस ने नाबालिग युवकों को पकड़ा

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ थाना क्षेत्र में चार नाबालिग युवकों के द्वारा एक बालिग युवती के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया। उन नाबालिग बच्चों की मानसिक कुंठा वहीं खत्म नहीं हुई। उन लोगों ने पहले लड़की को धमकी दी और फिर बाद में उसका वीडियो वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होते ही पूरे जिले में सनसनी फैल गयी। मामला जैसे ही थाने पहुंचा रामगढ़ पुलिस भी सक्रिय हुई। आनन-फानन में छापेमारी शुरू हुई। पुलिस ने उन चारों युवकों को गिरफ्तार कर लिया है, जो उस वीडियो में नजर आ रहे थे और जिन लोगों ने वीडियो बनाकर वायरल किया था।

बलात्कार पीड़िता को मिली थी धमकी : बलात्कार की पीड़िता 18 वर्षीया युवती ने पुलिस को बताया कि बलात्कार करने वाले युवकों ने उसे धमकी दी थी। पहले तो उसके साथ जबरन बलात्कार किया गया। फिर उसका सेक्स वीडियो भी उन लोगों ने बनाया। बाद में कहा कि अगर वह अपने घर में इस वारदात की जानकारी देगी तो वीडियो वायरल कर दिया जायेगा। इस डर से उसने अपने घर में वारदात की जानकारी नहीं दी थी।

जानिये क्या है पूरा मामला

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि 21 अप्रैल 2024 की दोपहर 11:30 बजे वह अपने घर से निकली थी। डंपिंग यार्ड के पास चारों युवक उसे मिले और उसे पकड़ लिया। इसके बाद उसे जबरन झाड़ी की तरफ ले गये और उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया। सभी युवकों की उम्र 15 से 17 वर्ष के बीच की है। पीड़िता ने बताया कि उन लोगों ने उसका वीडियो फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया पर वायरल किया, जो कि उसके परिजनों ने देखा। 3 मई को परिजनों से ही पीड़िता की मां को इस वायरल वीडियो की जानकारी मिली।

पुलिस ने आरोपियों को किया गिरफ्तार

पीड़िता ने सामूहिक बलात्कार करने वाले युवकों की पहचान पुलिस को बतायी। इसके बाद पुलिस ने कड़ी मशक्कत कर उन चारों युवकों को पकड़ा। उनके खिलाफ रामगढ़ थाने में कांड संख्या 123/24 दर्ज किया गया है। पुलिस ने उन आरोपियों पर आइपीसी की धारा 376 (डी), 120 (बी) और आईटी एक्ट 66 (ई), 67 और 67 (ए) के तहत मामला दर्ज किया है।

झोलाछाप डॉक्टर ने इलाज के नाम पर ऐंठ लिये 70 हजार

अंकित राज

हंटरगंज/ चतरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड के वशिष्ठ नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत जोलडीहा पंचायत के बनियाबांध गांव निवासी प्रभु भुइयां का पुत्र सुनील भुईयां (25) पांच माह से जीवन एवं मौत से जूझ रहा है। जानकारी के अनुसार सुनील अपने घरेलू विवाद में किरोसिन तेल छिड़कर आत्महत्या करने का प्रयास किया था। आत्महत्या के प्रयास में उसका शरीर लगभग 70% जल चुका है। ग्रामीण चिकित्सक ने उसे झांसें में लेकर इलाज के नाम पर 70 हजार रुपया ऐंठ लिया और उसके इलाज से सुधार भी नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार सुनील के पिता और ससुर दोनों ने इलाज के लिए ऋण लेकर 70 हजार रुपये खर्च कर चुका है । अब उसके पास फूटी कौड़ी भी नहीं। अब वह लाचार और असहाय होकर अपने ससुराल दंतार पंचायत के कुशुंभा गांव में रह रहा है। ससुर नन्नका भुईयां भी गरीब व्यक्ति है। दामाद सुनील और बेटी और दो बच्चों का भार उठाने में असमर्थ हो रहा है। इस संबंध में दंतार पंचायत समिति सदस्य संतोष भारती ने बताया कि वह काफी गरीब और असहाय है। इसे आज तक सरकारी सुविधा नहीं मिल पाया है। सरकारी अस्पताल में समुचित इलाज के अभाव में अब वह जीवन और मौत से जूझ रहा है।

मताधिकार के लिए किया गया प्रोत्साहित

कुंदा/ चतरा(आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के पोटमदोहर बाजार में मताधिकार के बारे में ग्रामीणों को प्रखंड विकास पदाधिकारी व अंचल अधिकारी के द्वारा जागरूकता अभियान चलाकर जागरूक किया गया। ताकि मतदान में लोग बढ़ चढ़ के हिस्सा लें । इस मौके पर ग्रामीणों को पहले मतदान इसके बाद जलपान का पाठ पढ़ाया गया।ग्रामीणों ने भी बढ़ चढ़ कर अभियान में हिस्सा लिया। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों को मतदाताओं को मतदान करने की शपथ दिलाई गयी। प्रखंड विकास पदाधिकारी विवेक कुमार ने ग्रामीणों को अपना मताधिकार उपयोग करने हेतु प्रोत्साहित किया। साथ में अंचल अधिकारी व कुंदा थाना के अवर निरीक्षक शिवा कुमार यादव भी उपस्थित थे।

अतिक्रमण पर प्रशासन ने चलाया बुलडोजर

बरही (आजाद सिपाही)।10 वर्षीय बालक समर की हादसे में हुई मौत के बाद प्रशासन शनिवार को एक्शन में आयी। दिन के 11 बजे से शाम 6 बजे तक अतिक्रमण हटाने के लिए बुलडोजर चलाया। बरही चौक के सर्विस रोड से अतिक्रमण कर बनाये गये निर्माण को दो-दो बुलडोजर लगाकर हटाया गया। प्रशासन ने अतिक्रमण करने वालों को चेतावनी भी दी कि दुबारा अतिक्रमण करने पर आर्थिक दंड के साथ साथ कानूनी कार्रवाई की जायेगी। अतिक्रमण हटाने में एसडीओ जोहन टुडु, एसडीपीओ एएसपी सुरजीत कुमार, सीओ रामनारायण खलखो, पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी चंद्रशेखर कुमार सहित पुलिस सशस्त्र बल के दर्जनों जवान शामिल थे।

23 प्रत्याशियों का नामांकन वैध, 8 का रद्द

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरा। चतरा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए नामांकन की निर्धारित तिथि 26 अप्रैल से 3 मई तक कुल 31 उम्मीदवारों ने अपना नाम नामांकन पत्र निवार्ची पदाधिकारी सह उपायुक्त रमेश घोलप के समक्ष दाखिल किया था। प्रत्याशियों द्वारा दाखिल की गयी नामांकन पत्रों की स्कूटनी के लिए निर्धारित तिथि 4 मई को जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा प्रत्याशियों के नामांकन पत्रों की स्कूटनी की गयी। जिसमें 23 प्रत्याशियों का नामांकन पत्र वैद्य पाया गया और 8 प्रत्याशियों का नामांकन पत्र त्रुटिपूर्ण रहने के कारण उसे रद्द किया गया। जिन प्रत्याशियों के नामांकन पत्र रद्द किये गये उनमें 1. सीताराम सिंह (जनता दल) 2. रूपेश उरांव (निर्दलीय), 3. नब्बू भुइंया (निर्दलीय), 4. अनुज कुमार (निर्दलीय), 5 उमेश गंझू (निर्दलीय), 6. सुचित्रा सिन्हा (बहुजन समाज पार्टी), 7. राजेश कुमार सिंह (निर्दलीय) तथा 8. अशेष सिंह (निर्दलीय) शामिल है।

कस्तूरबा विद्यालय का किया गया अनुश्रवण

बड़कागांव(आजाद सिपाही)। प्रोजेक्ट इंपैक्ट के विद्यालय स्तर पर शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान डाइट हजारीबाग के संकाय सदस्य रंजीत वर्मा और महेंद्र गुप्ता द्वारा कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय बड़कागांव का अनुश्रवण किया गया अनुश्रवण के तहत प्रोजेक्ट इनफैक्ट के मापदंडों पर विद्यालय के सभी शिक्षकों के साथ एक बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। इसके अलावे जिम्मेवारी पंजी, बाल संसद का गठन, हाउस निर्माण, नोटिस बोर्ड परिसर की साफ सफाई, लाइब्रेरी, जिम, विज्ञान प्रयोगशाला, दीवार लेखन जैसे अन्य महत्वपूर्ण मापदंडों का भौतिक निरीक्षण किया गया। साथ ही पूर्व में राज्य निरीक्षण टीम द्वारा दिये गये निर्देशों का अवलोकन कार्य को अति शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दी गयी। टीम के सदस्यों ने विद्यालय में किये गये कार्य को सराहते हुए छात्रों द्वारा बनाया गया दीवार पेंटिंग से काफी प्रभावित हुए। टीम को भरोसा दिलाते हुए वार्डेन लीलावती कुमारी ने कहा कि जल्द ही विद्यालय इंपैक्ट के सभी मापदंड विद्यालय स्तर पर पूर्ण कर लिया जायेगा। मौके पर लेखापाल सोनी मेहता, पूर्ण कालिक शिक्षिका किरण कुमारी, अंशकालिक शिक्षक एवं शिक्षिकाएं प्रमोद कुमार कुशवाहा, चिंतामणि महतो सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

राहगीरों के बीच बांटे शरबत और फल

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। मारवाड़ी युवा मंच चेतना शाखा के तत्वावधान में शनिवार को शहर के थाना चौक स्थित संकट मोचन मंदिर के पास राहगीरों के बीच शरबत और फ्रूट्स का वितरण किया। मौके पर शाखा की सचिव प्राची चौधरी ने बताया कि बढ़ती गर्मी को देखते हुए शाखा के द्वारा राहगीरों के बीच शरबत और तरबूज के साथ खीरा का वितरण किया गया। उन्होंने लोगों से आह्वान करते हुए कहा कि पारा दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, ऐसे में आप सभी जरूरत के अनुसार ही घर बाहर निकले। इस दौरान चेतन शाखा द्वारा किये गये इस कार्य को सरहाना किया। इस अवसर पर शाखा की अध्यक्ष अनु खंडेलवाल, सुमन चौधरी, नेहा जैन, नेहा मित्तल, आरती शर्मा आदि शामिल थी।

रामगढ़ में अवैध कोयला लदा ट्रक जब्त

चालक, मालिक और तस्कर पर मामला दर्ज

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। जिले में अवैध कोयले का खेल जारी है। इसका जीता जागता उदाहरण रामगढ़ थाना पुलिस के द्वारा की जा रही अवैध कोयला के विरुद्ध कार्रवाई से स्पष्ट हो रहा है। रामगढ़ थाना पुलिस एक बार फिर चुटूपालू घाटी के चेटर मोड़ के पास से अवैध कोयला लदा 709 ट्रक पकड़ा। इस मामले में रामगढ़ थाना में पदस्थापित सब इंस्पेक्टर सुमंत कुमार राय ने सदलबल के साथ गस्ती पर निकले। इसी बीच उन्हें गुप्त सूचना मिली कि कुंदरूकला दामोदर नदी किनारे से अवैध रूप से कोयला उत्खनन कर 709 ट्रक संख्या जेएच 02एफ 5728 को रांची की और ले जाया जा रहा है। सूचना पर चुटूपालू घाटी के चेटर मोड़ के पास से चेकिंग किया जा रहा था। इसी दौरान ट्रक चालक उक्त वाहन को सड़क किनारे खड़ी कर अंधेरा का लाभ उठाकर फरार हो गया। वही, पुलिस ने 709 ट्रक को जब्त कर थाना ले आई। इधर, पुलिस ने रामगढ़ थाना कांड संख्या 125/24 धारा 414/34 आइपीसी और 30 कोल माइंस एक्ट व 33 वन अधिनियम के तहत चालक, ट्रक मालिक, तस्कर करमा कुजू निवासी आशेश्वर महतो, रानीबागी निवासी नवीन झा, ओरमांझी के मां तारा कॉल डिपो मालिक विजय साहू और उमेश महतो पर मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

लोकसभा चुनाव को लेकर बैठक

मांडू (आजाद सिपाही)। लोकसभा चुनाव को लेकर प्रखंड कार्यालय मांडू में शनिवार को सेक्टर मजिस्ट्रेट और पुलिस पदाधिकारी की संयुक्त बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार कोंगाड़ी ने किया। बैठक में एएमएफ और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गयी। बैठक में रूट चार्ट, मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर शेड, जनरेटर, पेयजल, शौचालय की स्थिति का निरीक्षण का रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया। बैठक में सीओ मोदस्सर नजर मंसूरी, बीइइओ विजय राम, पुअनि रंजीत कुमार यादव, मो सागीर हुसैन, शिवा कश्यप, सअनि सुरेंद्र सोय, दिलीप पासवान, बीरेंद्र कुजूर, शंकर कच्छप, राजेश कुमार राय, मनोज कुमार, जितेंद्र तैसूम, सेक्टर मजिस्ट्रेट राकेश पासवान, पंकज कुमार करमाली, मनोरंजन शर्मा, बैजनाथ कुमार महतो, सुनील यादव, सुरेंद्र राम, अर्जुन महली, अजीत कुमार, नीलकमल द्विवेदी, नवीन कुमार, अनुज कुमार मुंडा, शुभम कुमार, सुमित कुमार अमित कुमार, नेमचंद करमाली, विमल कुमार, विकास कुमार, ईश्वरी कुमार ठाकुर, जमुना करमाली, शिव शंकर बेदिया समेत सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट और पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

जेपी पटेल की जीत को लेकर बैठक

कुजू (आजाद सिपाही)। हजारीबाग कांग्रेस सांसद प्रत्याशी जेपी पटेल की जीत सुनिश्चित करने को लेकर इंडिया गठबंधन ने मुरपा में बैठक की। बैठक में मुख्य रूप से झामुमो केंद्रीय सदस्य राजकुमार महतो और भुनेश्वर महतो, कांग्रेस प्रदेश सचिव धर्मराज राम व सीपी संतन, राजद जिलाध्यक्ष मो गुलजार मौजूद रहे। बैठक के दौरान मुख्य वक्ताओं ने सांसद प्रत्याशी जेपी पटेल की जीत सुनिश्चित कराने को लेकर मौजूद कार्यकर्ताओं के बीच आपसी समन्वय बनाकर पार्टी हित में कार्य करने के कई दिशा निर्देश दिये गये। साथ ही, केंद्र के मोदी सरकार पर देश विरोधी आरोप लगाते हुए जमकर अपना भड़ास निकाला। वही, पीएम मोदी पर एक तानाशाह सरकार चलाने का भी आरोप लगाया। मौके पर भीम साहू, खोखेंद्र साव, श्याम सिंह, बूटी तिवारी, गुलजार अंसारी, सुधीर सिंह, आकाश ओझा, महेश ठाकुर, सागीर अंसारी, गुलाम नबी, मोगलचंद्र पटेल, मनोज ठाकुर, सागर महतो, जयवीर हांसदा, मंसूर अली, नसीम खान, बादल महतो, प्रदीप महतो, राजकुमार केसरी, लाली बेदिया, महादेव मांझी, फरहरी महतो,धनेश्वर मांझी, कामेश्वर वर्मा, संतोष मेहता, मिथलेश मेहता समेत कई कार्यकर्ता शामिल रहे।

मनीष जायसवाल की जीत को लेकर भाजपाइयों ने की बैठक

कुजू (आजाद सिपाही)। भाजपा की बैठक एमआर कॉम्प्लेक्स कुजू में हुई। बैठक में मुख्य रूप से हजारीबाग के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रो केपी शर्मा शामिल रहे। बैठक के दौरान केपी शर्मा ने क्षेत्र के पुराने भाजपाई नेता- कार्यकर्ताओं से रूबरू होते हुए उनकी समस्याओं से अवगत हुए। साथ ही, कार्यकर्ताओं से अपने-अपने बूथों पर वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने की अपील की। बैठक के दौरान मौजूद कार्यकर्ताओं से सांसद प्रत्याशी मनीष जायसवाल की जीत सुनिश्चित करने के अलावे हर बूथ पर 70 प्रतिशत से अधिक वोटिंग दिलाने का संकल्प लिया। इस दौरान मौजूद भाजपाईयों ने पार्टी हित में पहले से और बेहतर कार्य करने का संकल्प दोहराया। बैठक में विस्तारक सिंधु महतो, प्रदीप सिन्हा, दिनेश्वर साहू, गणेश तिवारी, सुखदेव सोनी, प्रकाश केशरी, विजय वर्मा, जनक प्रसाद, दशरथ प्रसाद केसरी, मनोहर गुप्ता, उमेश चंद्र पटेल, गणेश सोनी, नरेश गुप्ता, रामकुमार साहू, शंभूलाल ठाकुर कुलदीप प्रसाद, नरेश सोनी शामिल रहे।

मतदान को लेकर भाजपा की बैठक

टंडवा (आजाद सिपाही)। भाजपा टंडवा मंडल उतरी क्षेत्र की बैठक मिश्रौल में मंडल अध्यक्ष संजीव पांडेय की अध्यक्षता और संचालन प्रभारी ईश्वर दयाल पांडेय के द्वारा किया गया। बैठक में विशेष रूप से टंडवा मंडल प्रभारी अनामिका देवी, अक्षयवट पांडेय व प्रमोद सिंह उपस्थित थे। बैठक में टंडवा उतरी क्षेत्र में पड़ने वाले पदमपुर, धनगडा, मिश्रौल, नावाडीह उर्फ तेलियाडीह, कबरा और पोकला उर्फ काशियाडीह पंचायत शक्ति केन्द्र के संयोजक, सह संयोजक, बूथ अध्यक्षों के साथ भाजपा प्रत्याशी काली चरण सिंह के पक्ष में एकतरफा भारी मतदान कैसे हो, इस पर रणनीति बनायी गयी। मौजूद कार्यकर्ताओं ने चतरा के स्थानीय प्रत्याशी को सभी बूथों पर भारी मतदान कराने के लिए संकल्पित हुये। इस मौके पर मुखिया संघ जिलाध्यक्ष अरविन्द कुमार सिंह, किसान मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गणेश प्रसाद साहू, ओबीसी मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुनील चौरसिया, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष श्याम सिंह, ओबीसी मोर्चा मंडल अध्यक्ष रमेश राणा, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष बेबी देवी, संजू देवी,राजीव कुमार, पूर्व मुखिया गजेन्द्र साहू, शिव प्रसाद गुप्ता, हेमराज साहू, विजय साहू, ऋषिकेश तिवारी, अभिषेक राज, मूंशी साहू, जय प्रकाश तिवारी, रामदास राणा, मैनेजर उरांव, राम चन्द्र गुप्ता, सुरेन्द्र साहू, पारस सिंह, दिलीप महतो, सचिन ठाकुर, सुशील कुमार विद्यार्थी, सुरेश ठाकुर, अरविंद तिवारी, राकेश कुमार सिंह, मुकेश भुईयां, गणेश पासवान, राम जतन सिंह, कुलदीप सुंडी, बालेश्वर साव, तेजन गंझू, बिनोद कुमार सिंह, नागेश्वर प्रजापति, राम चन्द्र राणा, बबलू साव, राजेश तुरी, सीता देवी, उर्मिला देवी, अशोक कुमार सिंह और अन्य उपस्थित थे।

ऑब्जर्वर ने किया बूथों का निरीक्षण

पतरातू (आजाद सिपाही)। लोकसभा के चुनाव को लेकर पुलिस ऑब्जर्वर और पुलिस अधीक्षक डॉ विमल कुमार ने पतरातू बस्ती में स्थित राजकीयकृत कन्या मध्य विद्यालय पतरातू के बूथ नंबर 278 और 279 निरीक्षण किया। मौके पर पतरातू अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वीरेंद्र राम प्रखंड विकास अधिकारी मनोज गुप्ता पतरातू थाना प्रभारी शिवलाल गुप्ता स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे। इस अवसर पर अधिकारयो ने कहा कि भीषण गर्मी को देखते हुए सभी बुथो में पानी और सेड की व्यवस्था की जायेगी।

परंपरा का प्रश्न

लंबी कशमकश के बाद आखिरकार कांग्रेस पार्टी ने उत्तर प्रदेश की रायबरेली और अमेठी सीटों पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी। पिछले कुछ दिनों से इन सीटों के संभावित उम्मीदवारों को लेकर जैसी गहन चर्चा चल रही थी, उससे साफ है कि यह सिर्फ दो सीटों का मामला नहीं रह गया था। ये दोनों सीटें न सिर्फ लंबे समय से कांग्रेस का गढ़ रही हैं, बल्कि गांधी परिवार का पसंदीदा अखाड़ा मानी जाती रही हैं। हालांकि, अतीत में एकाधिक मौकों पर इन सीटों की नुमाइंदगी गांधी परिवार से बाहर के व्यक्ति के हाथों में भी गयी है, लेकिन इन सीटों को गांधी परिवार के चुनाव क्षेत्र के ही रूप में देखा जाता रहा है। ऐसे में 2019 लोकसभा चुनाव में अमेठी से राहुल गांधी की हार और इस बार सोनिया गांधी के लोकसभा चुनाव से बाहर रहने की वजह से कांग्रेस में इन दोनों सीटों पर शून्य बन गया था, जिसे भरे जाने की जरूरत शिद्दत से महसूस की जा रही थी। इसमें दो राय नहीं कि रायबरेली से राहुल गांधी और अमेठी से केएल शर्मा को प्रत्याशी बनाने का फैसला करने में कांग्रेस ने काफी देर लगायी। इस देरी को लेकर तरह-तरह की कयासबाजी होती रही। लेकिन राजनीति में विलंब का भी अपना शास्त्र होता है। यह दावे से नहीं कहा जा सकता कि कांग्रेस नेतृत्व या गांधी परिवार के फैसले में हुई देर के पीछे अनिश्चय या असमंजस की ही भूमिका थी। इसकी कई और व्याख्याएं की जा सकती हैं। सोनिया गांधी के राज्यसभा का रुख करने के बाद राहुल गांधी के रायबरेली सीट को चुनने और प्रियंका के चुनाव में खड़ा न होने के फैसले पर भी कई तरह से टीका-टिप्पणी की जा सकती है। बीजेपी के कुछ नेता इसे राहुल का अमेठी से भागना बताने भी लगे हैं। हालांकि प्रत्याशी कोई भी हो, ये दोनों सीटें गांधी परिवार की प्रतिष्ठा से जुड़ी हैं। इन सीटों पर जीत-हार को गांधी परिवार की जीत-हार के ही रूप में देखा जायेगा। बहरहाल, राहुल को रायबरेली सीट से प्रत्याशी बना कर कांग्रेस ने संकेत दिया है कि साउथ के राज्यों से विशेष उम्मीदें रखते हुए भी उसने नॉर्थ और खास कर यूपी में अपनी दिलचस्पी कम नहीं होने दी है। भले राज्य में कांग्रेस का संगठनात्मक आधार हाल के वर्षों में काफी कमजोर हो गया हो, यह राजनीतिक संदेश काफी मायने रखता है। अभी जब पांच चरणों की वोटिंग बाकी है, तो कांग्रेस नेतृत्व और गांधी परिवार का यह कथित आक्रामक रुख उत्तर भारत में मतदाताओं के मन को प्रभावित कर पाता है या नहीं और करता है तो किस सीमा तक, यह देखना अब दिलचस्प होगा।

बहरहाल, राहुल को रायबरेली सीट से प्रत्याशी बना कर कांग्रेस ने संकेत दिया है कि साउथ के राज्यों से विशेष उम्मीदें रखते हुए भी उसने नॉर्थ और खास कर यूपी में अपनी दिलचस्पी कम नहीं होने दी है।

अभिमत
आजाद सिपाही

50 साल के व्यक्ति को समय के हिसाब से 5, संभवतः 6 और आम चुनाव देखने को मिल सकते हैं। हमारे सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में केवल 25 प्रतिशत योग्य युवाओं ने खुद को मतदाता के रूप में पंजीकृत कराया है। अपने देश के संचालन में अपनी भागीदारी निभाने की इच्छा की कमी के क्या कारण हो सकते हैं? क्या अधिकांश युवा उम्मीद करते हैं कि सरकारी प्रतिनिधि उनसे पुराने माई-बाप के अंदाज में संपर्क करेंगे? या फिर उन्हें लगता है कि उनके वोटों के लिए राजनीतिक दलों के बीच ज्यादा प्रतिस्पर्धा होने की संभावना नहीं है?

युवा अधिक संख्या में चुनावों में भाग क्यों नहीं लेते?

प्रफुल्ल गोराड़िया

मतदाताओं में बड़ी संख्या युवा पीढ़ी की है। मगर चुनावी प्रक्रिया के प्रति उनकी उदासीनता का कारण क्या है। देश अधिकाधिक अपने युवा नागरिकों का है। इसलिए यह और भी अधिक परेशान करने वाली बात है कि जिन युवाओं ने हाल ही में 18 वर्ष की आयु पार कर ली है और उन्होंने खुद को कम संख्या में मतदाता के रूप में पंजीकृत कराया है।

50 साल के व्यक्ति को समय के हिसाब से 5, संभवतः 6 और आम चुनाव देखने को मिल सकते हैं। हमारे सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में केवल 25 प्रतिशत योग्य युवाओं ने खुद को मतदाता के रूप में पंजीकृत कराया है। अपने देश के संचालन में अपनी भागीदारी निभाने की इच्छा की कमी के क्या कारण हो सकते हैं? क्या अधिकांश युवा उम्मीद करते हैं कि सरकारी प्रतिनिधि उनसे पुराने माई-बाप के अंदाज में संपर्क करेंगे? या फिर उन्हें लगता है कि उनके वोटों के लिए राजनीतिक दलों के बीच ज्यादा प्रतिस्पर्धा होने की संभावना नहीं है? क्या ऐसा भी हो सकता है कि युवा पीढ़ी में पूरी राजनीतिक प्रक्रिया और लोकतंत्र की संस्था के प्रति उदासीनता आ गयी हो?

पिछले कुछ वर्षों में, देश के युवाओं का एक बड़ा वर्ग यह मानने लगा है कि जो भी सत्ता में आयेगा उससे उनके जीवन में कोई फर्क नहीं पड़ेगा, क्योंकि देश के राजनेताओं को एक ऐसा वर्ग माना जाता है जो केवल अपने हित में कार्य करता है। हालांकि, इस संशय में, युवा यह भूल जाते हैं कि अपनी उदासीनता के कारण, वे अपने राष्ट्र को चलाने में अपनी भागीदारी का अधिकार त्याग देते हैं।

वास्तव में सभी पार्टियों में समाज के सबसे शिक्षित या जानकार वर्गों से आने वाले सदस्य नहीं होते हैं।

देश के जीवन में सार्थक भूमिका निभाने में आवश्यक रुचि उस सीमा तक नहीं रही : उम्र के दूसरे पड़ाव पर, राजनीतिक क्षेत्र में प्रवेश करने और देश के जीवन में सार्थक भूमिका निभाने में आवश्यक रुचि उस सीमा तक नहीं रही है, जितनी अपेक्षित है। राजनीतिक प्रकृति का सार्वजनिक जीवन स्वतंत्रता से पहले लगभग 50 वर्षों तक अस्तित्व में था। इसकी शुरुआत 1885 में एक सेवानिवृत्त ब्रिटिश नौकरशाह, एलन ऑक्टेवियन ह्यूम द्वारा कांग्रेस की स्थापना के साथ हुई। मुस्लिम लीग की स्थापना वर्ष 1906 में, हिंदू महासभा की 1916 में और कम्युनिस्ट पार्टी की 1925 में हुई। इसलिए, भारतीयों को राजनीतिक सार्वजनिक जीवन का अनुभव करने का अवसर मिला। प्रेरणा शक्ति नहीं, बल्कि देश की आजादी के लिए आदर्शवाद से प्रेरित इच्छा थी। इसके तुरंत बाद, मोहभंग हो गया होगा। पहले का आदर्शवाद तेजी से घटने लगा। गिरावट के साथ देश में नैतिक और सामाजिक मूल्यों में गिरावट देखी गयी।

मतदान का प्रतिशत बढ़ने से प्रतिबद्ध वोट बैंक की शक्ति और प्रभाव कम हो जाता है। उदाहरण के लिए, एक लाख लोगों के मतदाता क्षेत्र में, किसी विशेष उम्मीदवार का प्रतिबद्ध वोट-बैंक एक लाख की आबादी में से 25 प्रतिशत, यानी 25,000 मतदाताओं का होता है। यदि उस सीट के लिए सामान्य मतदान 50 से 55 प्रतिशत से अधिक नहीं होता है, तो इस कैप्टिव वोट बैंक से उस उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित हो जाती है।

राजनेताओं से मोह भंग : क्या यह मोहभंग राजनेताओं की गुणवत्ता से निराशा के कारण हुआ होगा? वास्तव में सभी पार्टियों में समाज के सबसे शिक्षित या जानकार वर्गों से आने वाले सदस्य नहीं होते हैं। हालांकि वर्तमान केंद्र सरकार देश पर शासन करने वाली अब तक की राजनीतिक व्यवस्थाओं के बराबर नहीं है, फिर भी यह राजनेताओं और आम तौर पर राजनीति के बारे में संशय को दूर करने में सक्षम नहीं है, जो बड़े पैमाने पर लोगों के मन में हावी है। इसका मतलब यह नहीं है कि अच्छे लोगों को राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं है। हमने हाल के वर्षों में कई शैक्षणिक और व्यावसायिक रूप से योग्य लोगों को राजनीति में प्रवेश करते देखा है; उनमें से कुछ तो मंत्री भी बन गए हैं। लेकिन स्पष्ट रूप से, इस संबंध में अभी एक लंबा रास्ता तय करना है। एक बड़ी निराशा एक निर्वाचन क्षेत्र में लोगों की संख्या के साथ-साथ चुनाव-प्रचार की उच्च लागत है। उम्मीद है कि चुनावी निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन से इस समस्या का कुछ समाधान सामने आएगा, जिसमें लगभग 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी तय है। कोई भी सामान्य उम्मीदवार प्रति सीट लगभग 2 मिलियन मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए इतनी बड़ी रकम खर्च नहीं कर सकता।

अमीर उम्मीदवारों का राजनीति के प्रति आकर्षण : केवल परिसीमन और बढ़ी हुई सीटों से चुनाव खर्च की समस्या का समाधान नहीं होगा। अमीर उम्मीदवारों के राजनीति की ओर आकर्षित होने का एक और कारण यह पारंपरिक मान्यता है कि एक बार निर्वाचित होने के बाद, उम्मीदवार चुनाव-प्रचार पर खर्च किया गया पैसा वापस पाने में सक्षम होगा और उसके बाद बहुत पैसा कमायेगा। एक बार जब भ्रष्टाचार के लिए दरवाजे बंद हो जायेंगे, तो अवसरवादियों के लिए उम्मीदवार बनने का आकर्षण बहुत कम हो जायेगा। यह बात पैसा कमाने के किसी भी नये रास्ते पर भी समान रूप से लागू होती है। अनिवार्य मतदान न केवल प्रणाली को उन्नत करने का बल्कि चुनाव प्रचार की लागत को कम करने का भी एक तरीका है। इससे वोट-बैंक की राजनीति का चलन भी खत्म हो जायेगा। उदाहरण के तौर पर एक समय था जब कुल मतदान 50 फीसदी या उससे भी कम होता था। इसलिए, यदि उम्मीदवार के पास सुरक्षित वोट बैंक हो, तो उसके लिए जीतना मुश्किल नहीं था।

वोट बैंक की शक्ति और प्रभाव : मतदान का प्रतिशत बढ़ने से प्रतिबद्ध वोट बैंक की शक्ति और प्रभाव कम हो जाता है। उदाहरण के लिए, एक लाख लोगों के मतदाता क्षेत्र में, किसी विशेष उम्मीदवार का प्रतिबद्ध वोट-बैंक एक लाख की आबादी में से 25 प्रतिशत, यानी 25,000 मतदाताओं का होता है। यदि उस सीट के लिए सामान्य मतदान 50 से 55 प्रतिशत से अधिक नहीं होता है, तो इस कैप्टिव वोट बैंक से उस उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित हो जाती है। हालांकि, यदि मतदान प्रतिशत 100 प्रतिशत है, तो ऐसे वोट-बैंक का कोई निर्णायक लाभ नहीं होगा।

मुफ्तखोरी की भूमिका पर लगायें अंकुश: राजनीतिक प्रक्रिया में किसी भी सार्थक भागीदारी के लिए मुफ्तखोरी की भूमिका पर अंकुश लगाना होगा। मुफ्तखोरी लोकतंत्र में चुनाव की प्रक्रिया को मतदाताओं को रिश्वत देने के अलावा और कुछ नहीं देती। फिर लोकतंत्र की बात करना व्यर्थ है। सवाल यह उठता है कि युवा अधिक संख्या में चुनावों में भाग क्यों नहीं लेते।

(लेखक सुप्रसिद्ध स्तंभकार, लेखक और राज्यसभा के पूर्व सदस्य हैं; ये उनके निजी विचार हैं।)

जमशेदपुर की खबरें

भाजपा झूठ की राजनीति करती है प्रधानमंत्री धोखा देते हैं : चंपाई सोरेन

आजाद सिपाही संवाददाता

चक्रधरपुर। झारखंड के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी झूठ की राजनीति करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोगों को धोखा देने का काम करते हैं। देश में महंगाई, बेरोजगारी तेजी से बढ़ रही है, लेकिन प्रधानमंत्री इस बारे में बात नहीं करते हैं। भाजपा जुमलेबाजी वालों की सरकार है। उन्हें वोट मांगने का अधिकार नहीं है। वे 4 मई को चक्रधरपुर के बुढीगोड़ा मैदान में सिंहभूम सीट से लोकसभा प्रत्याशी जोबा माझी के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे।

मानकी मुंडा व्यवस्था को खत्म करना चाहती है

सीएम ने कहा कि राज्य की हेमंत सोरेन सरकार ने सर्वजन पेंशन योजना लागू कर झारखंड के सभी वृद्धों को पेंशन देने का काम किया। जब केंद्र सरकार ने आवास योजना का पैसा देना बंद कर दिया, तब राज्य की सरकार ने अबुआ आवास योजना का लाभ देकर तीन कमरों का पक्का मकान प्रदान किया। राज्य सरकार 125 यूनिट बिजली फ्री दे रही है। हम जो कहते हैं, उसे पूरा करते हैं। केंद्र सरकार मानकी मुंडा व्यवस्था को खत्म कर देना चाहती है। हम मानकी मुंडा के बैठने के लिए भवन का निर्माण कराएंगे।

मानकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना शुरू हो रही

केंद्र सरकार द्वारा वन अधिनियम को शिथिल किया जा रहा है। हो भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग दिल्ली तक हो रही है, लेकिन केंद्र सरकार इस पर ध्यान नहीं दे रही। सरना धर्मकोड को लागू नहीं किया जा रहा है। इस लोकसभा चुनाव में महागठबंधन की जीत सुनिश्चित कर सरकार बनाना है। उन्होंने सिंहभूम लोकसभा सीट से प्रत्याशी जोबा माझी को भारी मतों से जीत दिलाने की बात कही। इस दौरान उन्होंने स्थानीय भाषा में भी संबोधित किया।

लोकसभा चुनाव अस्तित्व की लड़ाई है : जोबा माझी

प्रत्याशी जोबा माझी ने कहा कि? यह लोकसभा चुनाव हमारी अस्तित्व की लड़ाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चाईबासा में चुनावी सभा को संबोधित किया, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि कोल्हान के लिए कौन से विकास कार्य किए गए। ईचा खरकई डैम के विस्थापितों के बारे में प्रधानमंत्री ने कुछ भी बात नहीं की। हमारे मुखिया हेमंत सोरेन को साजिश के तहत जेल भेजने का काम किया गया। इस चुनाव में इंडी गठबंधन को जीत दिलाकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जनता मजबूत करें।

धर्म के नाम पर लड़ना जानती है भाजपा : बन्ना गुप्ता

चुनावी सभा के दौरान मंत्री बना गुप्ता ने कहा कि भाजपा धर्म के नाम पर लोगों को आपस में लड़ना जानती है। युवाओं को झूठ सपने दिखाए जाते हैं। केंद्र की सरकार से हर कोई परेशान है, लेकिन भाजपा की केंद्र सरकार को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। भाजपा से झूठ बोलकर वोट लेना जानती है।

जनसभा के दौरान उमड़ी भीड़

चक्रधरपुर के बुढीगोड़ा मैदान में जनसभा के दौरान बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी। चक्रधरपुर, बंदगांव प्रखंड के विभिन्न गांव से बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ उमड़ी थी।

मंच पर विधायक सहित ये थे मौजूद

मंच पर चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव, झामुमो के जिला सचिव सोनाराम देवगम, झारखंड आंदोलनकारी चिन्हितिकरण आयोग के सदस्य भुवनेश्वर महतो, कांग्रेस के जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर दास, युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव सह लोकसभा चुनाव के विधानसभा प्रभारी सौरव अग्रवाल, मानकी मुंडा संघ के प्रदेश अध्यक्ष गणेश पाट पिंगुवा, किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष प्रेम मुंडरी, झामुमो के जिला उपाध्यक्ष राहुल आदित्य, युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष प्रीतम बांकिरा,कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष विजय सिंह सामड, जिला के संगठन सचिव कालिया जामुदा, नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष कृष्ण देव साह, झामुमो के प्रखंड सचिव तराकांत सिजुई, सोनुवा के प्रखंड अध्यक्ष सोहन माझी, सुभाष बनर्जी, जिला परिषद सदस्य मीना जोंको, जय जगन्नाथ प्रधान, प्रखंड प्रमुख ज्योति सिजुई के विभिन्न पंचायत के मुखिया, मानकी, मुंडा व बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

प्रियंका गांधी बाघमारा में 13 को करेंगी चुनाव प्रचार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कांग्रेस की स्टार प्रचारक प्रियंका गांधी 13 मई को झारखंड के धनबाद जिले के बाघमारा पहुंचेंगी। वह इंडी गठबंधन की उम्मीदवारों के पक्ष में माथाबांध में चुनावी सभा को संबोधित करेंगी। उनके साथ कांग्रेस, झामुमो, राजद और अन्य सहयोगी दलों के नेता मंच साझा करेंगे। यह जानकारी प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष जलेश्वर महतो ने दी।

प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष जलेश्वर महतो ने बताया कि धनबाद से कांग्रेस की अनुपमा सिंह और गिरिडीह से झामुमो के मथुरा प्रसाद महतो मैदान में हैं। प्रियंका के चुनावी दौरे के मद्देनजर तैयारियां शुरू कर दी गयी हैं।

जमशेदपुर लोस सीट के लिए नौ ने किया नामांकन

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले में लोकसभा चुनाव को लेकर नामांकन लगभग अंतिम चरण में है। वैसे जमशेदपुर लोकसभा चुनाव में महागठबंधन और भाजपा के बाद निर्दलीय प्रत्याशियों का नामांकन भी तेजी से बढ़ने लगी है। शनिवार को नौ लोगों ने अपना नामांकन दाखिल किया। जिसमे कांग्रेस छोड़कर निर्दलीय प्रत्याशी सह वरिष्ट कांग्रेसी नेता जीतेंद्र सिंह, भारत आदिवासी पार्टी से सुकुमार सोरेन, निर्दलीय प्रत्याशी साधुचरण पाल, पार्वती किस्कू, इंद्रदेव प्रसाद, ज्ञानसागर प्रसाद, जयराम दास व एसयूसीआइ कम्यूनिस्ट से सनका महतो, बहुजन महा पार्टी से शेख अखिरुद्दीन ने नामांकन दाखिल किया। मैदान में उतरने के बाद सभी अपने जीत के लिए दावा कर रहे हैं।

लोगों ने पेयजल की मांग को लेकर किया प्रदर्शन, कहा, पानी नहीं तो वोट भी नहीं

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र में लोकसभा चुनाव की तपिश के आगे 45 डिग्री का पारा भी कोई मायने नहीं रखता। एक तरफ सियासी दल राजनीतिक बिसात बिछाने में मशगूल हैं वहीं सरकारी मातहत चुनाव का प्रतिशत बढाने में व्यस्त हैं। जनता की समस्या से किसी को कोई सरोकार नहीं है। भीषण गर्मी के दौरान लगभग सभी वार्ड के जनता पानी की समस्या से जूझ रहे है। उधर नगर निगम टैंकर से जलापूर्ति करने का दावा कर रहे है। वैसे प्रचंड गर्मी की वजह से जलस्तर बहुत ही नीचे जा चुका है। सरकारी बोरिंग लगभग सूख चुके हैं। केंद्र और राज्य सरकार के हर घर नल योजना कागजों के धूल फांक रही है। सरकार भी मुख्य दर्शक बनी हुई है। शनिवार को वार्ड संख्या 20 काली मंदिर बाजार की सैकड़ो जनता के सब्र का बांध अब टूटने लगी है। सभी पानी की मांग को लेकर हाथों में बैनर- तख्ती लिए नगर निगम कूच किया।मौके पर स्थानीय लोगो ने पानी नहीं तो वोट नहीं का नारा बुलंद किया। वैसे जनप्रतिनिधि यहां किस मुंह से वोट मांगने आएंगे यह देखना दिलचस्प होगा।बताया जारहा है आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र में जलापूर्ति के लिए तत्कालीन रघुवर दास की सरकार ने हरी झंडी दी थी। लेकिन रघुवर दास की सरकार गए 5 साल बीतने को हैं। नई सरकार से जिले वासियों को काफी उम्मीदें भी थी। लेकिन जनता आज भी पानी के लिए त्राहिमाम कर रहे हैं। जलापूर्ति के लिए निर्धारित समय सीमा पार हो चुकी है, लेकिन एक भी वार्ड में पानी नहीं पहुंच सका। ऐसे में लोगों की नाराजगी जायज माना जा सकता है। सिंहभूम संसदीय क्षेत्र में आदित्यपुर नगर निगम आता है। लोकसभा चुनाव में गीता कोड़ा बीजेपी से और जोबा माझी इंडिया महागठबंधन की प्रत्याशी हैं। इससे पूर्व गीता कोड़ा कांग्रेस की सांसद थी। लेकिन अब वे बीजेपी के टिकट से चुनावी मैदान में हैं।

परशुराम जन्मोत्सव पर अवकाश घोषित हो: अप्पू तिवारी

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। ब्राह्मण युवा शक्ति संघ के संस्थापक अप्पू तिवारी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर परशुराम जन्मोत्सव पर अवकाश घोषित करने की मांग की। उन्होंने बताया

देश में सभी जाति धर्म के लोग अपने त्योहार को धूम धाम से मनाते है। उसकी तैयारी भी कुछ समय पूर्व होने लगती है। सरकार वैसे सभी पर्व पर सरकारी अवकाश घोषित करे। उन्होंने कहा ब्राह्मण कुल श्रेष्ठ प्रभु परशुराम जी की जन्मोत्सव आती है तो सरकार खामोश हो जाती है।अप्पू तिवारी ने कहा ब्राह्मण अखंड विश्व का कल्याण करते है। उन्हें अपने कुल गुरु का पर्व त्यौहार मनाने की छुटी नहीं मिलती।

अबकी बार जनता भाजपा को करेगी तड़ीपार : मिथिलेश ठाकुर

हेमंत सोरेन को भाजपा परेशान कर सकती है, परास्त नहीं

आजाद सिपाही संवाददाता

प्रेस कांफ्रेंस करते मिथिलेश ठाकुर और महागठबंधन के नेता

गढ़वा। झामुमो के केंद्रीय महासचिव मिथिलेश कुमार ठाकुर ने कहा है कि भाजपा अबकी बार चार सौ पार नहीं करेगी। बल्कि अबकी बार जनता भाजपा को तड़िपार करेगी। आगामी चार जून प्रधानमंत्री मोदी जी की तानाशाही का अंतिम दिन साबित होगा। श्री ठाकुर ने शनिवार को शहर के चिनियां रोड स्थित होटल पद्मावती में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर उक्त बातें कही।

श्री ठाकुर ने कहा कि दो दिनों के झारखंड प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री जी ने झूठ बोलने का नया कीर्तिमान स्थापित कर लिया है। झारखंड मुक्ति मोर्चा लिंका बुक ऑफ रिकॉर्ड से आग्रह करता है कि वो झूठ बोलने का रिकॉर्ड प्रधानमंत्री मोदी के नाम दर्ज कर उसे प्रकाशित करें। उन्होंने कहा कि गौर करने वाली बात यह है कि पलामू की जनसभा में मोदी जी ने मंदिर, मस्जिद, हिंदू, मुस्लिम सबकी बातें की। लेकिन मंडल डैम की चर्चा तक नहीं की। इससे यह साबित होता है कि मोदी जी समाज को बांट कर सत्ता हथियाना चाहते हैं, विकास करके नहीं। उनका बयान आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। जो दस वर्षों से राज कर रहा हो वो अपनी उपलब्धियां गिनाने की जगह लोगों को झूठ बांट रहे हैं। काठ की हांडी बार बार नही चढ़ती है। मोदी जी कहते है मैने देश में पहली बार आदिवासी राष्ट्रपति बनाया, लेकिन वो ये नहीं कहते हैं कि उन्होने संसद के नये भवन के उद्घाटन और अयोध्या में निर्मित मंदिर में भगवान श्री राम की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा में राष्ट्रपति महोदया को नहीं बुलाया। राष्ट्रपति का जैसा अपमान प्रधानमंत्री ने किया है, शायद ऐसा अपमान देश के किसी प्रधानमंत्री ने नहीं किया होगा। श्री ठाकुर ने कहा कि मोदी जी ने पलामू में सबसे बड़ा झूठ ये कहा कि हमने पक्का घर दिया। जबकि हकीकत ये है कि उन्होंने झारखंड को पक्के मकान के लिए मिलने वाली राशि नहीं दी। तभी राज्य सरकार को अपने संसाधन से झारखंड के लोगों को अबूआ आवास देने की योजना शुरू करनी पड़ी। प्रधापनमंत्री ने कल चाईबासा में कहा कि हेमंत सोरेन ने जमीन लूटी। आदिवासियों का हक मारा और भ्रष्टाचार किया। मोदी जी और भाजपा से आग्रह है कि वो अपने पुराने बयान निकाल कर देख लें कि जिस गीता कोड़ा के लिए वो वोट मांग रहे हैं, उनके और उनके पति मधु कोड़ा को किसी समय कितना बड़ा भ्रष्टाचारी बताया करते थे। हेमंत जी पर पीछे से हमला कर आप घायल नहीं कर सकते मोदी जी। हेमंत सोरेन शेर है। जब सामने होगा तो किसी हिम्मत नहीं होगी उससे आंख मिलाने की। हेमंत सोरेन को भाजपा परेशान कर सकती है, परास्त नहीं झारखंड में भाजपा का खाता नहीं खुलेगा। मोदी जी को झारखंड के लोग इस बार हार का ऐसा उपहार देंगें कि उन्हें जिंदगी भर याद रहेगा। मौके पर राजद के प्रधान महासविव सह गोड्डा के पूर्व विधायक संजय यादव, सपा के प्रदेश अध्यक्ष रंजन यादव, झामुमो केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे, जिलाध्यक्ष तनवीर आलम खान, सचिव मनोज ठाकुर, राजद प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश प्रसाद यादव आदि मौजूद थे।

गला कटकर हत्या करने के नौ अभियुक्तों को उम्र कैद की सजा

प्रत्येक पर 20000 का आर्थिक दंड भी लगाया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। प्रधान जिला जज राजेश शरण सिंह की अदालत ने गोपाल प्रसाद चौरसिया की गला काटकर नृशंस हत्या करने वाले नौ अभियुक्तों को उम्र कैसे की सजा और प्रत्येक को 20000 रुपया आर्थिक दंड की सजा सुनायी है। अभियुक्तों में जिले के रामकंडा थाना अंतर्गत रामकंडा बजारी टोला निवासी चंद्रभूषण कुमार उर्फ टुनु, देवेंद्र प्रसाद ,महेंद्र प्रसाद, प्रदीप प्रसाद सतेंद्र प्रसाद, संदीप प्रसाद ,लाल दीप प्रसाद , ननहकु उर्फ बसंत प्रसाद और चंद्रशेखर कुमार के नाम शामिल हैं। सजा के बाद सभी अभियुक्तों को जेल भेज दिया गया है। घटना 24 दिसंबर 2019 की बताई गई है। मृतक गोपाल प्रसाद चौरसिया की पुत्री दीपा ने आरोप लगाया था कि 23 अक्टूबर 2019 को संध्या 5:15 बजे उसी गांव के उक्त लोगों ने सभी एकमत होकर लाठी गडासा, भाला से लैस उसके घर आये और सभी गुस्से में थे। सभी आभियुकत गोपाल प्रसाद चौरसिया को खोज रहे थे। घर का मुख्य दरवाजा बंद था तभी टांगी से दरवाजे पर प्रहार करते गाली गलौज करने लगे। चंद्रभूषण बोला तुम्हारे पिताजी कहां हैं। जब उसने नहीं बताया,तो देवेंद्र ने धमकी दिया कि इसका हाथ काट दो। घर पर उसके पिता के नहीं होने पर सभी अभियुक्त उसके पिता को खोजने लगे। बाद में गांव के संजय कुमार ने बताया कि चाचा गोपाल को टांगी से काटकर हत्या कर दिया गया है। हत्या का कारण ऑनर किलिंग बताया गया है। गवाहों ने साक्ष्य में बताया है कि अभियुक्त रामकंडा बाजार में झुंड बनाकर खड़े थे। जैसे ही गोपाल प्रसाद चौरसिया मोटरसाइकिल से वहां पहुंचे सभी ने अचानक गड़ासा, भाला टांगी से आक्रमण किया और गला काटकर हत्या कर दिये। घटना का कारण था कि गोपाल प्रसाद का लड़का अनीश कुमार और अभियुक्त महेंद्र प्रसाद की लड़की के साथ प्रेम प्रसंग था और दोनों घर से भाग कर शादी कर लिए थे। इसी विवाद को लेकर अभियुक्तों ने घटना को अंजाम दिया है। अदालत में नौ गवाहों, साक्ष्यों, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, इनक्वेस्ट रिपोर्ट, स्वीकारोक्ति बयान सहित अन्य दस्तावेज के आधार पर अभियुक्तों को भादवि कि धारा 302 / 149 के तहत दोषी पाते हुए सभी को उम्र कैद की सजा सुनायी है। और प्रत्येक को 20000 रुपया आर्थिक दंड भी लगाया है।

मझिआंव कार्यपालक पदाधिकारी कर रहे पद का दुरुपयोग : संजय

विधायक प्रतिनिधि ने नगर पंचायत कार्यपालक पदाधिकारी के खिलाफ किया प्रेस कॉन्फ्रेंस

आजाद सिपाही संवाददाता

मझिआंव। भारतीय जनता पार्टी के युवा मोर्चा जिला महामंत्री सह विधायक प्रतिनिधि संजय प्रसाद कमलापुरी ने प्रखंड कार्यालय विधायक कक्ष में प्रेस वार्ता किया। जिसमें कमलापुरी नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी सैलेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि नगर पंचायत कार्यपालक पदाधिकारी के द्वारा भारी अनियमितता बरती जा रही है। इनके कार्यकाल में जो भी कार्य किया जा रहा है, यदि जांच हो तो दूध का दूध पानी का पानी हो जायेगा। वहीं कमलापुरी ने कहा, मझिआंव नगर पंचायतवासी के टैक्स का पैसा कार्यपालक पदाधिकारी शैलेश कुमार के द्वारा लोहरदगा के अपनी निजी रिश्तेदार को लाभ पहुंचाने की मनसा से पुराना गाड़ी मंगाकर 20000 रुपये प्रति महीना पर रखा गया है। जो पद का सरासर दुरुपयोग हैं। और ठेकेदार से 22% रिश्वत लेकर फाइल को आगे बढ़ाया जाता है। जो पैसा नही देता हैं, उसका फाइल लटका दिया जाता हैं। वहीं विधायक प्रतिनिधि ने कहा कि नगर पंचायत कार्यपालक पदाधिकारी के कार्यों के खिलाफ जांच करने को लेकर गढ़वा से रांची मंत्रालय तक आवेदन दूंगा। यदि जांच के उपरांत कार्रवाई नहीं की गयी, तो उग्र आंदोलन करने को बाध्य हों जाऊंगा।

9वीं के छात्र से विद्यालय में खिड़की पेंट करवाने का मामला, ग्रामीणों में आक्रोश

आजाद सिपाही संवाददाता

कांडी। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सोहगाड़ा ग्राम में बच्चों को शिक्षा देने के बजाय, उनसे विद्यालय के खिड़की पेंट करवाने का मामला प्रकाश में आया है। मिली जानकारी के अनुसार उत्क्रमित उच्च विद्यालय सोहगाड़ा के प्रधानाध्यापक के द्वारा 9वीं कक्षा के छात्र सहेंद्र कुमार राजवंशी से विद्यालय की खिड़की पेंट करवाया जा रहा था। इसको लेकर ग्रामीणों में आक्रोश देखा है। इस संबंध में जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि सुजीत कुमार ने कहा कि विद्यालय के बच्चे से प्रधानाध्यापक के द्वारा खिड़की पेंट करवाया जा रहा था जो सरासर गलत है। इसको लेकर मैं शिक्षा विभाग के वरीय पदाधिकारी को भी जानकारी दे दिया हूं। जबकि सरकार के द्वारा विद्यालय रखरखाव के लिए प्रति वर्ष हजारों रुपये दिया जाता है, लेकिन बच्चों से ही विद्यालय में रंग पेंट करवाना निंदनीय है। अब इधर लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है कि इस भीषण गर्मी में बच्चों को शिक्षा के लिए विद्यालय बुलाया जा रहा है लेकिन विद्यालय के शिक्षकों ने मनमानी करते हुए बच्चों से ही रंग पेंट करवा रहे है। इस संबंध में जिला शिक्षा पदाधिकारी से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि ऐसा मामला है तो बीईओ से जांच करवाने के पश्चात कार्रवाई किया जायेगा।

बाइक सवार ने मंदिर में मारी टक्कर, घायल

बरडीहा (आजाद सिपाही)। बरडीहा थाना क्षेत्र के बरडीहा कांडी मुख्य सड़क पथ पर सलगा गांव के मंदिर में मोटरसाइकिल सवार ने जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे बुरी तरह घायल हो गया। टक्कर के बाद स्थानीय ग्रामीणों की काफी व्यक्ति का पहचान और देखने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। वह स्थानीय ग्रामीणों की मदद से 108 एंबुलेंस से इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। समाचार लिखे जान तक व्यक्ति का पहचान नहीं हो पाया था।

सिंदुरिया निवासी डॉ. सुरेश चंद्रा का निधन

फाइल फाटो: डॉ. सुरेश चंद्रा

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। सिंदुरिया निवासी सह वयोवृद्ध चिकित्सक डॉ. सुरेश चंद्रा का निधन शुक्रवार की रात ईलाज के दौरान वाराणसी के एक निजी अस्पताल में हो गयी। वें पिछले कई माह से बिमार चल रहे थे। उनकी निधन की खबर मिलते ही भवनाथपुर में शोक की लहर दौड़ गयी। स्व. सुरेश चंद्रा की शव शनिवार को सिंदुरिया स्थित उनके आवास पर पहुंचते ही क्षेत्र के कई सामाजिक व राजनीतिक नेताओं के साथ-साथ ग्रामीण मृतक के घर पहुंचकर शोक संतप्त परिजनों को ढांढस बंधाते हुए संवेदना प्रकट किया। उनका अंतिम दाह संस्कार दुलहर नदी स्थित श्मशान घाट पर किया गया। मुखाग्नि उनके बड़े पुत्र अविनाश कुमार शर्मा ने दी। शोक व्यक्त करने वालों में आजसू के जयराम पासवान, मुखिया नंदलाल पाठक, पूर्व मुखिया राजेश गुप्ता, पूर्व बीससूत्री अध्यक्ष ब्रजेश सिंह, संतोष चंद्रवंशी, उपेंद्र चंद्रवंशी, अशोक पाठक, विजय जायसवाल, प्रदीप गुप्ता, माणिक सिंह, कपिलदेव सिंह, अलोक गुप्ता सहित अन्य लोगो का नाम शामिल है।

बाइक दुर्घटना में दो युवक हुए घायल

मेराल (आजाद सिपाही)। मेराल रारो मुख्य पथ पर शनिवार को बाइक दुर्घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गये। घायलों का प्राथमिक उपचार मेराल सीएचसी में करने के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर में भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार डंडई में पुल निर्माण के लिए बने डायवर्सन के पास बाइक सवार युवक अनियंत्रित होकर लोहे के बैरीकेटिंग में टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गये। स्थानीय लोगों द्वारा घायल युवक रारो गांव निवासी रंजीत कुमार गुप्ता 18 वर्ष पिता नंदू साव तथा अंकुश कुमार पासवान को मेराल अस्पताल में भेजा गया। चिकित्सक के अनुसार दोनों युवक खतरे से बाहर हैं दोनों का पैर टूट गया है, जिनका प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर के लिए रेफर किया गया है।

बाकी नदी पुल से नीचे ट्रैक्टर पलटा

विशुनपुरा (आजाद सिपाही)। विशुनपुरा अमहर गांव के बाकी नदी पुल से नीचे एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर 20 फिट खायी में गिर गयी। पुल से नीचे ट्रैक्टर गिर जाने से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी। ट्रैक्टर दुर्घटना में ड्राइवर बाल बाल बच गया। जनाकारी के अनुसार एक लाल रंग का महेंद्रा ट्रैक्टर अमहर गांव से मिट्टी लोड कर आवास में देने जा रहा था। इसी दौरान अमहर बाकी नदी पुल के पास अनियंत्रित होकर पुल से नीचे नदी में गिर गयी। जिसके बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी के बाद मौके पर विशुनपुरा पुलिस पहुंची। जिसके बाद नदी से ट्रैक्टर को जेसीबी के मदद से निकाली गयी। यह ट्रैक्टर कनपुरा निवासी जयसवाल साव का बताया जा रहा है।

गरमी को देखते हुए आधा दर्जन से अधिक जगहों पर व्यावसायिक संघ ने पनशाला की शुरुआत की

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। बाजार क्षेत्र में बढ़ती गर्मी को देखते हुए व्यावसायिक संघ के तत्वावधान में आधा दर्जन से अधिक जगहों पर राहगिरों के लिए पनशाला का शुरूआत की गयी। उद्घाटन के अवसर पर भवनाथपुर व्यावसायिक संघ के अध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि सरकारी उदासीनता के कारण बहुत से जगह चापाकल खराब पड़ा हुआ है, जिसमें चेकनाका स्थित चापाकल, वन विभाग गोदाम स्थित चापाकल, स्मार्ट पॉइंट खरौंधी मोड़ स्थित चापाकल सहित कई जगह हैंडपंप खराब होने के कारण आये दिन लोगों को पीने के पानी के लिये दिक्कत का सामना करना पड़ता है। इसको देखते हुए भवनाथपुर व्यावसायिक संघ के सदस्यों के द्वारा यह पनशाला खोला गया है, साथ ही इस तरह का सामाजिक काम में व्यवसायी संघ के सदस्य अधिक से अधिक संख्या में भाग लेते हैं। पनशाला जो खोले गये हैं, उनमें से छोटू पान दुकान के द्वारा ब्लॉक गेट के पास, परमानंद ब्रेड भंडार के द्वारा बाजार, शशि भूषण शर्मा के द्वारा एसबीआई सीएसपी के पास, विष्णु ज्वेलर्स के द्वारा चेकनाका के पास, वेराइटी शू स्टोर के द्वारा सूर्य मंदिर के पास और आयुष कंप्यूटर्स के द्वारा कर्पूरी चौक के पास खोला गया है। इस कार्यक्रम में भवनाथपुप व्यवसायिक संघ के सचिव नवल किशोर प्रसाद, उपाध्यक्ष अवध किशोर, नन्दू विश्वकर्मा, कमलेश मेहता, सुरेश राउत, रामाशंकर मेहता, कवलेश राउत, अजय साह, शशिकुमार गुप्ता, बिरेन्द्र सेठ, भरत ठाकुर, राधेश्याम गुप्ता, नंदू चंद्रवंशी, मुकेश प्रजापति, रामप्रवेश राम, चंद्रमणी शर्मा, वेद प्रकाश आर्य, समशेर, सोनू सेठ सहित अन्य उपस्थित थे।

बीस सूत्री जिला उपाध्यक्ष की शादी की साल गिरह पर लोगों ने दी बधाई

आजाद सिपाही संवाददाता

रंका। गढ़वा बीस सूत्री जिला उपाध्यक्ष नितेश सिंह और उनकी मुखिया धर्मपत्नी पम्मी देवी सिंह के शादी की साल गिरह शुक्रवार को बरवाडीह स्थित आवास पर मनाया गया। जिसमें रंका गढ़ के युवराज झामुमो नेता कुमार गुलाब सिंह सहित कई नेता कार्यकर्ता और परिवार के लोग शामिल हुए और बधाई दी। साथ ही युगल जोड़ी सलामत रहे इसके लिए ढेरों सारी शुभकामनाएं दी। बधाई देने वालों में रंका प्रखंड विधायक प्रतिनिधि पूर्व मुखिया अनिल चंद्रवंशी, विश्रामपुर के मुखिया प्रतिनिधि रंका गढ़ से ताल्लुक रखने वाले विवेक सिंह उर्फ छोटू सिंह, खरडीहा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि सह झामुमो रंका युवा अनुमंडल अध्यक्ष पप्पू यादव,युवा प्रखंड अध्यक्ष दीपक कुमार सोनी, युवा प्रखंड सचिव अलीम जी, जिपस पूर्व प्रत्याशी मनोज गुप्ता, बीस सूत्रि प्रखंड उपाध्यक्ष कार्तिक पांडेय, उपाध्यक्ष मुकेश तिवारी, उपाध्यक्ष अरविंद सोनी, युवा नेता लवली उरांव सहित अन्य लोगों का नाम शामिल हैं।

दो मुखिया सहित दो दर्जन से अधिक लोग भाजपा छोड़ झामुमो में शामिल

फोटो : पार्टी में शामिल कराते मंत्री

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा के दो मुखिया सहित दो दर्जन से अधिक लोगों ने भाजपा छोड़कर झारखंड मुक्ति मोर्चा का दामन थाम लिया। शनिवार को गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल और स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के गढ़वा स्थित आवास पर सभी ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। मंत्री श्री ठाकुर ने सभी को माला और पार्टी का पट्टा पहनाकर पार्टी में शामिल कराया। पार्टी में शामिल होने वालों में मुख्य रूप से गढ़वा प्रखंड के महुलिया पंचायत के मुखिया वीरेंद्र राम, दुबे मरहटिया पंचायत के मुखिया नितीश तिवारी, बीडीसी हरिओम सिंह, भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष रवि राउत, उदय प्रसाद यादव, अभय पासवान, चंदन कुमार, विजय भुईयां, छोटू ठाकुर, हरिओम विश्वकर्मा, हरिनारायण पासी, अमित विश्वकर्मा, सौरभ कुमार सिंह, दीपक ठाकुर, संजय ठाकुर, मुकेश बैठा, सीताराम, जाटा के मुमताज, उड़सुगी के ललसु पाल, अचला के गुलाम सरवर आदि का नाम शामिल है। मौके पर केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे, जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, बीस सूत्री जिला उपाध्यक्ष नितेश सिंह, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रेखा चौबे, दिलीप, रितेश आदि लोग उपस्थित थे।

साढ़े चार साल में गढ़वा झारखंड का नंबर वन विधानसभा क्षेत्र बन गया है : मंत्री

मंत्री ने कार्यकर्ताओं को सिखलाया लोस चुनाव जीतने का गुर

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल और स्वच्छता व उत्पाद और मद्य निषेध विभाग मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के गढ़वा स्थित आवास पर शनिवार को झामुमो गढ़वा प्रखंड के बूथ और पंचायत प्रभारियों का प्रशिक्षिण शिविर का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर में मंत्री श्री ठाकुर ने सभी कार्यकर्ताओं को लोकसभा चुनाव जीतने का गुर सिखलाया। मौके पर मंत्री के साथ पार्टी के सभी पदाधिकारियों, प्रभारियों और कार्यकर्ताओं ने पलामू लोकसभा सीट से महागठबंधन प्रत्याशी को जीताने का संकल्प लिया। मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि सभी कार्यकर्ता प्रत्येक घर में जाकर झारखंड सरकार की उपलब्धियों को बतायें। साथ ही केंद्र सरकार द्वारा जनता के साथ किये जा रहे छलावा और फरेब को भी बतायें। लोगों को यह बतायें कि यदि इस बार गलती हुई तो जीवन भर पछताने के सिवा कुछ नहीं बचेगा। मंत्री ने कहा कि साढ़े चार साल में गढ़वा विधानसभा क्षेत्र झारखंड का नंबर वन विधानसभा क्षेत्र बन गया है। मोदी जी पिछले 10 साल की उपलब्धि को कभी भी मंच से नहीं बतलाते हैं। सिर्फ यही बताते हैं कि कांग्रेस की सरकार आयेगी तो आपकी सारी संपति लूटकर मुसलमानों में बांट देगी। भाजपा फूट डालकर सिर्फ अपना राजनीतिक रोटी सेंकने का काम कर रही है। वे आदिवासियों की हितैशी खुद को बतलाते हैं, परंतु आदिवासियो के लिए कोई उपलब्धि नहीं है। भाजपा आदिवासियो को समाप्त करने, लोकतंत्र को समाप्त करने, संविधान बदलने की साजिश कर रही है। देश की जनता यह देख रही है कि लोकसभा चुनाव के पहले बेवजह देश के दो-दो मुख्यमंत्री को जेल में बंद कर दी है। इस लोकसभा चुनाव में जनता भाजपा को सबक सिखलाने को तैयार हैं। मौके पर केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे, जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, बीस सूत्री जिला उपाध्यक्ष नितेश सिंह, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रेखा चौबे, दिलीप गुप्ता, रितेश तिवारी, मुखराम भारती, नारद तिवारी, शरीफ, फुजैल, सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे

हज्जयात्रा पर जाकर देश और क्षेत्र की खुशहाली व अमन की दुआ करें: मंत्री

गढ़वा (आजाद सिपाही)। जिले से हज्जयात्रा पर जाने वाले जायरीनों के सम्मान में शनिवार को जिला अंजुमन एतेहादुल मुस्लेमिन की ओर से मदरसा तबलीगुल इस्लाम में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें हज्जयात्रा पर जाने वाले लोगों को उपहार दी गई। झारखंड सरकार की पेयजल और स्वच्छता और मद्य निषेध मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने सम्मनित किया। जिले से कुल 40 लोगों को हज्जयात्रा पर जाना है। इसके सभी को टीका लगाया गया। रंका प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के देखरेख में टीका लगाया गया सभी लोग रांची व कोलाकता से हज्जयात्रा के लिए रवाना होंगे। विदाई समारोह में उपस्थित हज्जयात्रियों को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि हज्जयात्रा पर जाकर देश और क्षेत्र की खुशहाली व अमन की दुआ करें। ताकि हमारा देश खुशहाल हो सके तथा देश में अमन चैन हो। उन्होंने जायरीनों से देश की तरक्की की दुआ अल्लाह से मांगने का आग्रह किया। जिससे भारत दिन दुना रात चौगुनी तरक्की करता रहे तथा सांप्रदायिक सौहार्द का माहौल बना रहे। उन्होंने सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वालों को सदबुद्धि देने की दुआ करने का भी आग्रह जायरीनों से किया। उन्होंने सभी से मतदान करने के लिए अपील किया। हज कमिटी के प्रभारी डॉ. मो. यासिन अंसारी ने कहा कि हज यात्रा पर जाना बड़ी बात है क्योंकि कुछ लोगों के पास दौलत होने के बाद भी हज नहीं कर पाते। जो लोग हज्जयात्रा पर जा रहे हैं वह खुशकिस्मत लोग हैं। मौके पर गढ़वा जिला अंजुमन सदर मदनी खान, हाजी नजाम, कंचन साहू, करीम खान, आलमगीर अंसारी, डॉ मुरली गुप्ता, परेश तिवारी, नसीम अख्तर, डॉ मुनाजिर हसन, डॉ अरशद अंसारी, तनवीर आलम, शमीम अंसारी नसीम अख्तर सहित कई लोग उपस्थित थे।

मनीष जायसवाल ने केरेडारी के 25 गांवों में चलाया जनसंपर्क, वोट देने की अपील की

देश के विकास और तरक्की के लिए भाजपा को वोट दे

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा चुनाव को लेकर चुनावी सरगर्मी तेज हो गयी है। भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल ने बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के केरेडारी भाजपा मंडल क्षेत्र के दो दर्जन से अधिक गांवों का तुफानी दौरा किया। इस दौरान सभी गांवों में भाजपा और मनीष जायसवाल के प्रति लोगों में रुझान दिखा और मनीष जायसवाल के स्वागत के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण जुटे और उन्हें अपना आशिर्वाद देते हुए चुनाव में पूर्ण समर्थन का भरोसा जताया।

मनीष जायसवाल के साथ भाजपा और आजसू कार्यकर्ता भी बड़े ही उत्साह के साथ उनका गर्मजोशी से स्वागत करते हुए उनके साथ चल रहें थे। इस क्रम में वे बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के बचरा, बाजार टांड़, विशुझापा, 64 कॉलोनी, चिरैयाटांड़, कारो, बन्हें, हफुआ, किरीगढ़ा, बचरा बस्ती, होसिर, पताल, मेढ़ी, हेंदेगिर बस्ती, हेंदेगिर स्टेशन, लोहरसा, खपिया, बुंडू, सलगा, कुठान, जोको, कराली, केमो, श्रीनगर और जोरदाग में चुनाव प्रचार कर भाजपा के पक्ष में कमल फूल छाप पर बटन दबाकर तीसरी बार मोदी सरकार बनाने का अपील किया।

विकसित होगा देश ये है मोदी की गारंटीः मनीष जायसवाल

मनीष जायसवाल ने कहा की भाजपा जाति और बिरादरी की नहीं बल्कि राष्ट्र और समाज के विकास की बात करती है। यही कारण है की इस भीषण गर्मी में भी हम जहां जा रहें हैं जनता का अपार जनसमर्थन मिल रहा है, लोग तीसरी बार मोदी सरकार बनाने को बेताब दिख रहें हैं। मोदी सरकार ने जो वादा किया उसे पूरा किया और आगे भी जो मोदी की गारंटी है वह राष्ट्र और समाज हित के लिए बेहद जरूरी है। मनीष जायसवाल ने कहा की बड़कागांव मेरे पुरखों की धरती है और यहां की मिट्टी से गहरा लगाव है। उन्होंने कहा की मैं नेता नहीं बेटा के रूप में सेवा किया हूं और आगे भी करूंगा।

मनीष बड़कागांव का बेटा हैं, इसे सांसद बनाएं सबका ख्याल रखेगाः लोकनाथ महतो

बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक लोकनाथ महतो ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मनीष जायसवाल बड़कागांव का बेटा है और हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र का 10 वर्षों तक प्रतिनिधित्व करके एक सजग, सुगम और जनसेवा और विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए जननेता के रूप में जो पहचान बनाई है।

इसे ही सांसद बनाएं सबका ख्याल रखेगा और हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के साथ बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र का भी विकास होगा।

मौके पर ये लोग रहे मौजूद

मौके पर विशेष रूप से बड़कागांव के पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, केरेडारी भाजपा मंडल अध्यक्ष नेमा कुमार साव उर्फ.कर्मचारी, पिपरवार भाजपा मंडल अध्यक्ष संजीव मिश्रा, आजसू के केरेडारी प्रखण्ड अध्यक्ष बैजनाथ महतो, प्रखण्ड सचिव शमोहन महतो, श्रमिक संघ सचिव मनोहर साव, जिला उपाध्यक्ष हजारीबाग भोला महतो, भाजपा के पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष (किसान मोर्चा) उपेन्द्र सिंह, जिला कार्यसमिति सदस्य महेन्द्र सिंह, भाजपा जिला सचिव मुलचंद साव समेत कई लोग उपस्थित थे।

जेपी पटेल का टाटीझरिया क्षेत्र में तूफानी जनसंपर्क, किया दर्जनों पंचायतों का दौरा

धंधेबाजों को सिर्फ धंधा करने वाली भाजपा ही टिकट दे सकती हैः जेपी भाई पटेल

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के इंडिया गठबंधन समर्थित कांग्रेस प्रत्याशी जय प्रकाश भाई पटेल लगातार पंचायतों और प्रखंडों का दौरा कर जनसंपर्क करने में लगे हुए हैं। इस क्रम में शनिवार को उन्होंने टाटीझरिया प्रखंड का दौरा किया। दर्जन से अधिक पंचायतों का भ्रमण कर कांग्रेस के पक्ष में हाथ छाप पर वोट डालने की अपील की। इस दौरान ग्रामीणों ने भी उन्हें गले लगा और सर पर हाथ फेर समर्थन दिया और कांग्रेस को भारी मतों से जिताने का भरोसा दिलाया। सांसद प्रत्याशी जय प्रकाश भाई पटेल का जगह-जगह कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों द्वारा स्वागत किया जा रहा था। कांग्रेस, झामुमो, आप और लेफ्ट पार्टी के सैंकड़ों कार्यकर्ता उनके साथ चल रहे थे। जेपी भाई पटेल का जोश दोपहर की भारी गर्मी में भी कम नहीं हुआ। इसके इतर गांव वालों उनसे अधिक जोश दिखाई दिया। वह जहां कहीं भी गये, बड़े गर्मजोशी के स्वागत कर स्नेहपूर्ण उन्हें सुना गया।

धंधेबाजों पर है खतरे की घंटी, विकसित होगा देश यह है कांग्रेस की गारंटीः जेपी भाई पटेल

जनसंपर्क के दौरान जेपी भाई पटेल ने कांग्रेस के न्यायपत्र से लोगों को रूबरू करवाते हुए कहा कि, कांग्रेस देश के हर वर्ग को ध्यान में रख कर विकास कार्य करने में विशवास रखती है। इसलिए हमने युवा, महिला, पिछड़ा, किसान, मजदूर सभी के लिए न्यायपत्र में न्याय देने की बात कही है। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी पर भी जोरदार हमला बोला कहा, भाजपा प्रत्याशी व्यवसायी है। सिर्फ धंधा करना जानते हैं। शराब, बालू, कोयला का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सभी व्यवसाय में वो खुद को ऊपर देखना चाहते हैं। कहा पैसे के बल पर उन्होंने टिकट भी खरीदने का काम किया है। उनकी शराब की कंपनी के नाम से चार करोड़ रुपए के इलेक्टोरल बांड के माध्यम से भाजपा को दिया गया है जिसके बाद भाजपा ने उन्हें टिकट दे दिया। धंधेबाजों को सिर्फ धंधा करने वाली भाजपा ही टिकेट दे सकती है। जनसंपर्क के दौरान सुरेंद्र प्रसाद यादव, शिबू प्रसाद सोनी, बोधी महतो, अरुण कुमार रजक, शंकर राय, योधि प्रसाद यादव, अर्जुन राणा, अनिल कुमार राय, जय कुमार महतो, जलेसर महतो, मुबारक अंसारी, जगदीश यादव, लक्ष्मण यादव, सरफुद्दीन अंसारी, गौतम कुशवाहा आदि उपस्थित थे।

कान्यकुब्ज ज्योतिषि ब्रह्मण संघ की बैठक

इचाक/हजारीबाग (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत लुंदरु ग्राम के देवी मंडप में ज्योतिषी कान्यकुब्ज ब्राह्मण महा संघ की बैठक गिरिजानंद पांडेय की अध्यक्षता में बैठक की गयी। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष केदार नाथ पंडा के साथ प्रदेश और जिला के पदाधिकारी गण शामिल हुए बैठक में उपस्थित सभी विप्र गण भगवान परशुराम के तस्वीर पर माल्यार्पण कर पूजा किये सभी ने बारी बारी से भगवान परशुराम को पुष्प अर्पित किया। उसके बाद सलाहकार समिति के सदस्य दिवंगत लखन लाल तिवारी को एक मिनट का मौन रखा गया। प्रदेश अध्यक्ष श्री पंडा ने कहा की ब्राह्मणों की एकता और उनके समस्या को लेकर मैं तात्पर्य हूं, जहां हमारी जरूरत पड़ेगा मैं हर समय आप सबों के साथ हूं मुझे आप सबों ने जो दायित्व सौंपा है मैं उसे पूरा करूंगा सिर्फ आप सभी का साथ और हौसला चाहिए प्रखंड अध्यक्ष सतेंद्र पांडेय ने कहा की आज इचाक के लुंदरू में के बैठक में उपस्थित सभी विप्र गण को कहता हूं यदि ब्रह्मण समाज में एकता का परिचय देना है तो प्रदेश अध्यक्ष के हाथो को मजबूत करे और कोई भी कार्य करने से पहले बैठक कर निर्णय ले इस बैठक में प्रदेश सचिव महेंद्र शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता मदन पांडेय, प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र पांडेय जिला अध्यक्ष अजय पांडेय, सत्यनारायण शर्मा, श्री निवास पांडेय धनेश्वर तिवारी, राजेंद्र पांडेय, सीताराम पांडेय, सीताराम मिश्रा, देवशरण पांडेय, मनोज पांडेय, बिरेंद्र पांडेय, कृष्ण पांडेय, अरुण पांडेय, बंशी पांडेय, राजेंद्र पांडेय, अनिरुद्ध पांडेय, आदित्य पांडेय, कैलाश पांडेय, भुनेश्वर पांडेय, जगरनाथ पांडेय सहित प्रदेश, जिला और प्रखंड क्षेत्र से सैकड़ों ब्रह्मण उपस्थित थे।

जिप सदस्य ने जल बचाने की अपील की

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। बड़कागांव पश्चिमी जिला परिषद सदस्य यासमीन निशा ने नदी और जल संकट को लेकर कई नदियों का भ्रमण किया और वस्तु स्थिति से अवगत हुई। नदियों की काफी बुरी स्थिति देख जिप सदस्य ने मंथन शुरू कर दिया है। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि नदियों से हो रहे बालू उठाव का दुष्परिणाम नदियों पर देखा जा रहा है। नदियां अब मैदान का रूप ले ले रही है जिसके कारण हमें पेयजल समस्या से भी जुझना पड़ रहा है।जलस्तर बहुत ही नीचे चला गया है।सिंचाई की तो दूर की बात पानी पीना लोगों के लिए मुश्किल हो गया है। बालू का खनन होने से सभी गांव खतरे में पड़ गया है। इसलिए गांव के एक-एक ग्रामीण की जिम्मेवारी है नदियों से बालू का खनन रोके रांची हजारीबाग अनियंत्र दूसरे शहर बालू जाने नहीं दे। नदी बचाओ जल बचाओ तभी जीवन संभव है।

मनीष जायसवाल रिकॉर्ड मतों से चुनाव जीतेंगेः दीपक प्रकाश

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। देश मे नरेंद्र मोदी की आंधी चल रही है और इस बार भारतीय जनता पार्टी पूरे देश मे 400 सीट जीतने जा रही है। हजारीबाग से भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल रिकॉर्ड मतों से चुनाव जीतेंगे, पूरे क्षेत्र में नरेन्द्र मोदी और मनीष जायसवाल के द्वारा किये गये कार्य की सराहना हो रही है जिसके बदौलत भाजपा हजारीबाग में जीत की पिछला रिकॉर्ड को तोड़ते हुए बड़ी जीत दर्ज करेगी। यह सब बातें भाजपा से राज्यसभा सांसद सह पूर्व झारखंड भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र के दारु बक्शीडीह में एक कार्यक्रम के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए कही। दीपक प्रकाश ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कांग्रेस की नीति देश को तोड़ने की रही है जबकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को विकसित भारत बनाने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे है। राज्यसभा सांसद दारु बक्शीडीह में लोगों से चुनाव को लेकर संवाद कर रहें थे। उन्होंने मौजूद सभी लोगों से मनीष जायसवाल के पक्ष में जमकर मतदान करने का आग्रह भी किया। उक्त बैठक में विशेषरूप से भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह, दारू भाजपा मंडल अध्यक्ष बसंत नारायण, सांसद प्रतिनिधि सुरेश प्रसाद, विधायक प्रतिनिधि बालदेव बाबू, श्वेता सिन्हा, मनोज गिरी, भैया संतोष कुमार सिन्हा, रंजीत सिन्हा, राजन सिन्हा, प्रदीप शर्मा, श्रीनिवास शर्मा, जयप्रकाश शर्मा, सुनील शर्मा, रौशन सिन्हा, सुमन सिन्हा, राजीव शर्मा, भैया अखिलेश कुमार, भैया अजीत कुमार, भैया नितेश, भैया सुमित, राकेश कुमार सिन्हा, डब्लू शर्मा, मनोज शर्मा, भैया संजीव सिन्हा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहें।

आइएनडीआइए गठबंधन के उम्मीदवार विनोद सिंह के पक्ष में कार्यकर्ता इचाक में चला रहे जनसंपर्क

इचाक (आजाद सिपाही)। कोडरमा लोक सभा इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार विनोद सिंह के पक्ष में उनके चुनाव-चिन्ह झंडे में तीन तारा छाप पर वोट देने को लेकर इचाक प्रखंड के परासी पंचायत के दर्जी मोहल्ला, दमाद क्लोनी, मस्जिद मोहल्ला, नया काली मंडप होते हुए आंबेडकर नगर और बोंगा गांव में जनसंपर्क चलाया गया। जनसंपर्क में इंकलबी नौजवान सभा के राज्य उपाध्यक्ष शिव सिंह, जिलालुद्दीन, मुबारक, बिनोद राम, राजद नेता प्रदीप मेहता, रेवाचंद मेहता, मनोज मेहता, माले नेता अनुज मेहता, विकाश राम, सुरेन्द्र सिंह, साबिर हुसैन, शंकर सिंह, छोटन सिंह घटवार, रोहित मेहता, विकास, विनोद, हीरा गोप, जगरनाथ उरांव, बीएन सिंह, देवकीनंदन बेदिया, बिगेन्द्र ठाकुर, अमल कुमार, जयनंदन गोप समेत अन्य कार्यकर्ता झंडा-परची लेकर वितरण किया और वोट मांगे। इस दौरान भाजपा हटाओ-देश बचाओ, संविधान बचाओ-लोकतंत्र बचाओ, आपका बटन कहां दबेगा-तीन तारा जहां रहेगा समेत अन्य नारे भी लगाये। शिव सिंह ने कहा की जनसंपर्क से आमजनों का व्यापक समर्थन मिल रहा है। कोडरमा लोकसभा क्षेत्र में इस बार जनता बिनोद सिंह को वोट देगी।

इंडी महागठबंधन प्रत्याशी के पक्ष में चला जनसंपर्क अभियान

जयनगर (आजाद सिपाही)। प्रखंड में महा गठबंधन प्रत्याशी विनोद कुमार सिंह को झंडे में तीन तारा पर बटन दबाकर विजय बनाने को लेकर घर-घर जनसंपर्क अभियान चलाया गया। सिंगारडीह, डुमरडीहा, सोनपुरा गांव में जनसंपर्क अभियान चलाया गया राजद नेता राजकुमार यादव ने कहा दस वर्षों से कोडरमा लोकसभा की जनता ठगा महसूस कर रही है। क्षेत्र के गंभीर सवालों को लोकसभा में नहीं उठाया गया ना ही वह आवाज सड़कों पर भी सुनाई नहीं दिया। उन्होंने लोगों से अपील किया इस बार महा गठबंधन के प्रत्याशी को झंडे में तीन तारा पर बटन दबाकर भारी मतों से विजयी बनायें। कोडरमा लोकसभा के मान सम्मान को बढ़ाने वाले नेता को लोकसभा में भेजना है। कोडरमा के वर्तमान सांसद का कोई कार्य कहीं दूर-दूर तक दिखाई नहीं दे रहा है। अभियान में माले प्रखंड सचिव अशोक यादव, राजद प्रखंड अध्यक्ष तसव्वर खान, राकेश यादव, विनय सिंह, महेश यादव, विनोद यादव, सूरज कनौजिया, राकेश यादव, नारायण यादव, माले राज्य कमेटी सदस्य विजय पासवान, मुन्ना यादव, नंदिता भट्टाचार्य, जागेश्वर साव सहित कई लोग मौजूद थे।

आइएडीआइए गठबंधन का कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न

मरकच्चो (आजाद सिपाही)। लोकसभा चुनाव को लेकर इंडिया गठबंधन का प्रखंड स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन 4 मई को प्रखंड मुख्यालय स्थित बंधन चौक में महेश सिंह कम्प्लेक्स में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजद नेता अशोक दास ने किया। संचालन राजद नेता भुनेश्वर प्रसाद यादव ने और धन्यवाद ज्ञापन प्रखंड प्रमुख मरकच्चो विजय कुमार सिंह ने किया। कार्यकर्ता सम्मेलन में मुख्य रूप से जिप अध्यक्ष रामधन यादव, जेएमएम जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पांडे, प्रमुख विजय सिंह, कांग्रेस जिला अध्यक्ष भागीरथ पासवान, सीपीएम के असीम सरकार, जेएमएम नेता गोपाल यादव, माले नेता रामेश्वर चौधरी, राजद राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अवधेश यादव, कांग्रेस नेत्री अर्चना सिंह, राजद के महेंद्र यादव, सरफराज खान, सरफुद्दीन अंसारी ने शिरकत की। इन वक्ताओं ने इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी विनोद सिंह को हर हाल में जीत दिलाने की बात कही तथा रविवार को प्रखंड में उनके द्वारा किये जा रहे कार्यक्रम को शत प्रतिशत सफल बनाने की बात कही। उनलोगों ने कहा कि हर हाल में कोडरमा में बदलाव लाना है। कार्यक्रम में राजद के तोकीर अहमद, माले के इब्राहीम अंसारी, जेएमएम गोपी यादव, प्रखंड अध्यक्ष जेएमएम दीवाकर तिवारी, जेएमएम के मो खलील, जेएमएम अफजल मियां, युवा प्रखंड अध्यक्ष राजद बबलू यादव, माले के बहादुर यादव अशोक यादव, शिवशंकर यादव, सहदेव यादव, राजद के मनिंदर राम, उप मुखिया प्रदीप राम, जे एम एम रामेशर मुर्मू, पंसस गोविन्द यादव, नेजाम खान, अयाज अहमद, घनश्याम तुरी, रुपन यादव, दयानन्द यादव, सुनील यादव समेत सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

विष्णुगढ़ के सरकारी विद्यालय में नामांकन को लेकर जागरूकता अभियान

विष्णुगढ़ (आजाद सिपाही)। प्रखंड के अचलजामो स्थित राजकीय मध्य विद्यालय में नामांकन को लेकर बंगाली टोला में जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत अभिभावकों को सरकारी विद्यालय में नामांकन करवाने को लेकर जागरूक किया गया, साथ ही जानकारी दी गयी की सरकारी विद्यालय में बच्चों को निशुल्क शिक्षा के साथ साथ भोजन, पुस्तक, छात्रवृत्ति,पोशाक आदि विद्यालय से ही दिया जाता है। अभियान में मुख्य रूप से पुर्व प्रमुख अशोक गुप्ता, विद्यालय प्रभारी जय प्रकाश यादव, संजय कुमार, अरुण कुमार गोस्वामी, अशोक कुमार आदि उपस्थित थे।

नक्सलियों ने साटा चुनाव बहिष्कार करने का पोस्टर

बंटी मिश्र

विष्णुगढ़ (आजाद सिपाही)। सीमावर्ती क्षेत्र गोमिया के चतरोचटी थाना क्षेत्र में नक्सलियों ने चुनाव बहिष्कार के लिए पोस्टर चिपकाकर दहशत फैला दिया है। मिली जानकारी के मुताबिक सीमावर्ती क्षेत्र गोमिया प्रखंड के चतरोचटी थाना क्षेत्र के कर्री पंचायत स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय कुर्कनालो, उत्क्रमित मध्य विद्यालय तिसरी और कर्री क्षेत्र में कई पोस्टर चिपकाया गया है। उतरी छोटानागपुर जोनल कमेटी भाकपा माआवादी की ओर से पर्चा भी जारी किया गया है। पोस्टर में वोट नहीं, सशस्त्र संघर्ष के जरिये जल, जंगल और जमीन पर जनता का अधिकार कायम करें, ग्रामीण क्षेत्र में तमाम पुलिस कैंपों को अविलंब वापस करो, गली गली में शोर है, वोट लड़ने वाले सभी नेता चोर हैं, तमाम राजनीतिक वदियों को रिहा करो, चुनावी मौसम आया है, चुनावी मेढ़क आया है सहित अन्य नारे लिखे हुए हैं।

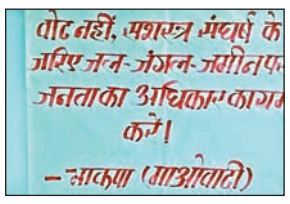

भाजपा की बैठक में मंडल कोर कमेटी का गठन

आजाद सिपाही संवाददाता

जयनगर। प्रखंड में भारतीय जनता पार्टी जयनगर मंडल के पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं की एक बैठक गैडे फैक्ट्री मैदान शेड पर लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर रखा गया। इस बैठक की अध्यक्षता जयनगर मंडल अध्यक्ष रामदेव मोदी और संचालन महामंत्री यमुना प्रसाद ने किया। इस बैठक मे मंडल कोर कमेटी का गठन किया गया और सभी बूथ पर जाकर मतदाताओं से संपर्क करना है और 20 मई को पहले मतदान फिर जलपान सभी मतदाताओं को जागरूक करना है। कोडरमा लोकसभा के उम्मीदवार अन्नपूर्णा देवी को अधिक से अधिक मतों से विजय बनाकर कोडरमा लोकसभा का सम्मान बढ़ाना है। कार्यक्रम में मंडल के उपाध्यक्ष सुरेंद्र मोदी, विजय यादव, सदानंद सिंह, राजू साव, मनोहर मोदी, मंटू पंडित, राजेंद्र राम, महिला, मोर्चा मंडल अध्यक्ष प्रमिला देवी, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष नीरज चंद्रवंशी, महेश पांडेय, बलराम यादव, सरजू शर्मा, संतोष मोदी, रामजन्म दास, रामचंद्र यादव, गोविंद यादव, चंदन बर्णवाल, इरफान खान, अशोक रजक, परमानंद गिरि, विकी राणा, अभय सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

राशन दुकान में रखी गयी अवैध अंग्रेजी शराब जब्त

आजाद सिपाही संवाददाता

बरकट्ठा। गोरहर थाना पुलिस ने शुक्रवार की रात को भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब बरामद किया है। इस बाबत थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना मिलने पर शुक्रवार 3 मई की रात को कारवाई किया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने ग्राम बंडासिंघा निवासी भुनेश्वर नायक पिता स्व बली नायक के राशन दुकान में रखे गये अवैध अंग्रेजी शराब को जप्त किया है। जिसमें केन बियर गॉडफादर नामक शराब 500 एमएल का 15 पीस, गॉडफादर नामक बियर 650 एमएल का 3 पीस, केन बियर किगं फिशर 500 एमएल का 6 पीस, स्टर्लिंग रिसिव शराब 375 एमएल का 2 पीस, स्टर्लिंग रिसिव शराब 375 एमएल का 1 पीस, 8ढट शराब 180 एमएल का 2 पीस, इम्प्रियम ब्लू शराब 375 एमएल का 1 पीस, इम्प्रियम ब्लू शराब 180 एमएल का 1 पीस, मकडावेल शराब 375 एमएल का 1 पीस, मकडावेल विदेशी शराब 180 एमएल का 3 पीस, मैजीक मोमेन्ट शराब 180 एमएल का 1 पीस और प्लास्टीक का डिस्पोजल ग्लास 47 पीस बरामद किया गया है। इस बाबत गोरहर थाना में कांड संख्या 12/24 धारा 272, 273, 278, 290 भादवि और धारा 47 ए उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज करते हुए आरोपी को जेल भेज दिया। थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि गोरहर थाना क्षेत्र में किसी को मादक पदार्थ या अवैध शराब बेचने नही दिया जायेगा। जो भी यह काम करते हुए पकड़ा गया तो उस पर कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

चुनाव कार्यालय का हुआ उद्घाटन

इचाक (आजाद सिपाही)। इंडिया गठबंधन इचाक प्रखंड कार्यालय का उद्घाटन माले के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हीरा गोप, महागठबंधन के बरकट्ठा विधानसभा संयोजक दिगंबर कुमार मेहता, राजद के प्रदेश उपाध्यक्ष सह बरकट्ठा विधानसभा सह संयोजक राजकुमार यादव, प्रखंड संयोजक मनोहर राम, डॉक्टर आरसी प्रसाद मेहता द्वारा किया गया। कार्यालय में कार्यकर्ताओं द्वारा चुनाव की रणनीति बनाई गयी। इस बैठक में कांग्रेस के ओबीसी प्रखंड अध्यक्ष अशोक ठाकुर, राजद प्रखंड अध्यक्ष प्रदीप मेहता, जिला सचिव प्रदीप मेहता, जिला सचिव मनोज मेहता, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष लाल मोहन रविदास, अजय यादव, गणेश मेहता, सुदीप धवन, सुनील मेहता, ब्रजकिशोर मेहता, कृष्णा सिंह, कैलाश मेहता, झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष दिगंबर मेहता, इंद्रदेव मेहता, रामप्रवेश सिंह, बंशी मेहता, शरवन मेहता, विशेश्वर राम, बबून हसदा, उमेश गुप्ता, रामचंद्र प्रसाद मेहता, रेवा चंद मेहता, सुनील कुमार यादव, वसंत नारायण मेहता, माले राष्ट्रीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा शिव सिंह, किसान महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ बीएन सिंह, लोकनाथ मेहता, मुबारक हुसैन, जलालुद्दीन अंसारी, विजेंद्र ठाकुर, जय नंदन गोप, अमल कुमार समेत इंडिया गठबंधन के सभी घटक दलों के कार्यकर्ता उपस्थित थे। उद्घाटन कार्यक्रम के उपरांत इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ताओं के बीच प्रस्ताव लिया गया कि समन्वय समिति का विस्तार करते हुए हम लोग गांव में जायेंगे और लोगों के बीच अपने प्रत्याशी और उनके चुनाव चिन्ह झंडे में तीन तारा को लेकर सभी गांव का दौरा करेंगे। साथ ही साथ बूथ कमेटी का प्रत्येक बूथ में 20 सदस्यों का कमेटी का निर्माण भी करते हुए जायेंगे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नाकारा सांसद को भगाना है ऊजार्वान कर्मठ संघर्षशील सांसद बिनोद सिंह को कोडरमा लोकसभा से जीताना है के नारे भी लगाये।

राष्ट्रभक्ति की भावना से ओत-प्रोत दिखा सिसई

मोदी क्रेज, जोश-खरोश की बानगी देखते ही बनी

बरटोली मैदान में जैसा सुना-देखा

राजीव

सिसई (आजाद सिपाही)। शनिवार को सुबह के नौ बजे हैं। सूरज भी आंख तरेरने लगे हैं। लेकिन इसकी परवाह किसे हैं। पार्किंग स्थल से पगडंडियों के सहारे महिला-बुजुर्ग बरटोली मैदान की तरफ बढ़े जा रहे हैं। तीन किलोमीटर का फासला तय करने के बाद हम कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने में करीब तीन घंटा का समय है, लेकिन पंडाल लगभग भर चुका है। हर तरफ मोदी, मोदी और सिर्फ मोदी की गूंज है। बीच-बीच में मोदी-मोदी और जय श्रीराम के नारे लगाये जा रहे हैं। पुलिस भी पूरी तरह से चुस्त-दुरुस्त दिख रही है। अब समय 10 के पार हो चुका है। धूप भी तीखी हो रही है। इस कारण मोदी समर्थक पंडाल तो कुछ गाछ के नीचे खुद को ठंडक का एहसास करा रहे हैं। कुछ पानी से गला तर कर रहे हैं। सिर पर गमछा, हाथ में पानी का बोतल, झंडा लिये महिला, पुरुष, युवाओं के पहुंचने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। जैसे-जैसे नरेंद्र मोदी के आने का समय नजदीक होता जा रहा है, पुलिसकर्मी भी चौकन्ने होने लगते हैं। उन्हें देखने-सुनने आये लोग भी पंडाल में अपनी जगह सुरक्षित कराने में व्यस्त हो गये। सिसई का चप्पा-चप्पा राष्ट्रभक्ति की भावना से ओत-प्रोत दिखायी पड़ा। डी एरिया को अब पूरी तरह से एसपीजी ने अपने कब्जे में कर लिया है। बाहर लोगों की भीड़ बढ़ती जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बड़े-बड़े कटआउट मैदान के चारों ओर लगे हैं। भगवा झंडे भी हवा के झोंके में लहरा रहे हैं।

घड़ी की सूई 12 बजे पर टिक जाती है। स्टेडियम के डी एरिया में प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मौजूद हैं। तभी एसपीजी टीम की कमान संभाले और सुरक्षा में मुस्तैद अधिकारियों के मोबाइल पर सूचना आती है कि प्रधानमंत्री जल्द ही पहुंचनेवाले हैं। इसके थोड़ी देर बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हेलिकॉप्टर दिखता है। सभी की निगाहें आसमान की ओर टिक जाती हैं। पूरा माहौल या यूं कहें कि पूरा मैदान मोदीमय हो जाता है, तो गलत नहीं होगा। मोदी हेलिकॉप्टर से उतर कर सीधे काफिला के साथ मंच की ओर आते हैं। मंच पर आते ही लोगों का अभिवादन स्वीकार करते हैं। इधर, नरेंद्र मोदी का तिलिस्म भी पूरे मैदान में दिखने लगता है। जब तक पीएम मंच पर रहते हैं, शायद ही कोई लम्हा ऐसा बीतता है, जब मोदी के जयकारे नहीं लगते हैं। मोदी भी अपने भाषण की शुरुआत नागपुरी भाषा से करते ही सबको झारखंड जोहार कहते हैं, फिर क्या था। जुटी भीड़ के जोश-खरोश की बानगी नजर आने लगती है।

औरा रिलैक्स हो जाते हैं जवान

पीएम मोदी का हेलिकॉप्टर मैदान में ही उतरता है। जब तक पीएम मंच पर रहते हैं। 39 डिग्री तापमान में भी पुलिस के अधिकारी और जवान कड़ी धूप में ड्यूटी करते रहे, लेकिन जैसे ही पीएम का हेलिकॉप्टर उड़ता है, जवान और अधिकारी राहत की सांस लेते हैं। थोड़ा रिलैक्स की मुद्रा में आ जाते हैं। एम्बुलेंस भी खड़ी है। इसमें डॉक्टर और पारा मेडिकल के स्टॉफ भी मुस्तैद हैं।

39 डिग्री तापमान में उत्साह ठंडा नहीं

शनिवार को वरटोली मैदान में करीब 39 डिग्री तापमान और चूभती-जलती गर्मी के बावजूद उत्साह ठंडा नहीं होता है। उत्साह का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पंडाल जब भर जाता है, तो लोग धूप में भी खड़े होकर पीएम को ध्यान से सुनते हैं। इसी बीच धूप में खड़े होकर कुछ लोग मोदी जी को सुन रहे थे। अचानक उसमें से दो लोग गिर जाते हैं। जल्दी-जल्दी में उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल भेजा जाता है। भुरकुंडा से एक बुजुर्ग रामजनम महतो भी यहां पहुंचे हैं। लाइन में खड़े लोगों से पूछते हैं: पीएम आके चले भी गये क्या? भाषण खत्म होने के बाद भी लोगों का आना खत्म नहीं होता है।

मोदी के आते ही पंडाल में जाने की होड़

इस बीच मोदी के आते ही पंडाल में पहुंचने की होड़ मच जाती है। पुलिसकर्मी चेकिंग के बाद ही लोगों को प्रवेश दे रहे हैं, लेकिन भीड़ ज्यादा होने के कारण और गर्मी से परेशान हाल लोग पुलिसकर्मी से उलझ जाते हैं। नतीजतन जांच में थोड़ी नरमी बरती जाती है। हालांकि थोड़ी देर के बाद स्थिति सामान्य हो जाती है। भीड़ में तरह-तरह की चर्चा भी हो रही है। कोई कहता है कि यह भीड़ तो कुछ और कहानी कह रही है। भाई निश्चित रूप से 400 पार तय है। कोई कुछ कहता, तो कोई कुछ।

आजसू की पट्टी पहने समर्थक और कार्यकर्ता

आजसू की पट्टी पहने सैकड़ों कार्यकर्ता और समर्थक भी पहुंचे थे। भरनो से महेश विश्वकर्मा भी इस भीड़ का हिस्सा हैं। पूछने पर बोलते हैं: भाजपा ने देश का काफी विकास किया है। हम लोग गठबंधन में हैं। उनकी बातों पर रजामंदी देते हुए रमेश गोप कहते हैं: झारखंड में भी काफी कुछ काम हुआ है। इसके बाद नरेंद्र मोदी जिंदाबाद-जिंदाबाद का नारा लगाने लगते हैं।

इलाका बना सुरक्षा का अभेद किला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा को देखते हुए पूरा बरटोली मैदान सुरक्षा के अभेद किला में तब्दील था। सुरक्षा व्यवस्था की तैयारी एक हफ्ता से चल रही थी। स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप के कमांडों ने मैदान को अपने कब्जे में कर लिया था। मैदान के बाहर ही झारखंड पुलिस, जैप के जवानों को लगाया गया था। पूरी स्थिति को बारीक नजर रखी जा रही थी। **पसीने से लथपथ, हाथ के सहारे पैर को पकड़े पहुंचा बुजुर्ग :** सिसई से आये जीतेंद्र कुमार निश्चित तौर पर समाज का हीरो हैं। राजनीति का साधक भी कह सकते हैं। सामाजिक सरोकारों के सहारे जिंदगी की नयी परिभाषा का नाम आप जीतेंद्र को मान सकते हैं। जीतेंद्र आत्मविश्वास का नायक है। आदमी के तमाम हौसले जहां पस्त हो जाते हैं, जीतेंद्र का हौसला वहीं से शुरू होता है। वह पांव से भले ही दुनिया की नजर में चलने-फिरने में असहज महसूस कर रहे हैं, लेकिन जिंदगी को हर वक्त अपनी शर्तों पर जीना चाहते हैं। जीतेंद्र पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम का गवाह बनने पहुंचे। करीब तीन किलोमीटर तक हाथ को पैर से लगाये धीरे-धीरे पहुंचते हैं। पसीने से तर-ब-तर होने के बावजूद उनके हाथ रूक नहीं रहे थे। मोदी की सभा में पहुंचने के बाद उनकी निगाहें एकटक मंच की ओर टिकी थीं। वह सबके लिए कौतूहल का विषय बने रहे। वह कहते हैं-जब वोट दिया है, और देंगे, तो फिर अपने नेता को सुनने क्यों नहीं आयेंगे। फिर हमारी सरकार बनेगी। बचपन से ही अटल जी से प्रभावित जीतेंद्र नरेंद्र मोदी के भी कायल हैं।

ट्रेन से कटकर एक व्यक्ति की मौत

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। शहरी क्षेत्र के शंख नदी मोड़ के समीप रेलवे ट्रैक पर ट्रेन से कटकर एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गयी है। मृतक की पहचान दिलीप लोहरा पिता स्व सुरेंद्र लोहरा, उम्र 35 साल, गांव पंडरी, थाना चान्हो जिला रांची के रूप में हुई है। वह लोहरदगा में रहकर सत्कार इट भट्ठा में कार्य कर रहा था। सुबह वो अपनी बुआ के घर से ईंट भट्ठा में मजदूरी करने जाने की बात कहकर घर से निकला था लेकिन रेल से कटकर मौत हो गयी।

सखी मंडल की दीदियों ने वोट डालने की शपथ ली

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। लोहरदगा जिला के अंतर्गत पलाश (जेएसएलपीएस) द्वारा कुडू, किस्को, सेन्हा और कैरो प्रखंड में स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत सखी मंडल की दीदियों के द्वारा बैठक का आयोजन करके मतदाता शपथ लिया गया तथा कैरो प्रखंड में सखी मंडल की तरफ से हाथ से लिखे हुए स्वीप स्लोगन विन्डो पर फोटो लेकर लोगों को 13 मई को मतदान देने के लिए अपील किया गया। कुडू प्रखंड में सखी मंडल की दीदियो के द्वारा अपने हाथो पर मेहंदी से स्वीप स्लोगन लिखकर 13 मई को 100 प्रतिशत मतदान करने हेतु अपील किया गया। के बैनर तले मतदाता हस्ताक्षर अभियान के अन्तर्गत सखी मंडल की दीदियों एवं सभी कुडू जेएसएलपीएस कर्मी का हस्ताक्षर भी कराया गया। कुडू प्रखंड कार्यालय से लेकर टाकू स्कूल माडल बूथ स्थान तक सखी मंडल की दीदियों द्वारा स्वीप जागरूकता रैली भी निकली गयी और लोगो को मतदान के लिए जागरूक किया गया।

निर्वाचन कार्य में लगे पदाधिकारियों और कर्मियों ने किया पोस्टल बैलेट से मतदान

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। लोकसभा आम चुनाव, 2024 अंतर्गत निर्वाचन कार्य में संलग्न पदाधिकारियों और कर्मियों ने मुख्यमंत्री उत्कृष्ट नदिया हिंदू उच्च विद्यालय में बनाये गये दो मतदाता सुविधा केंद्रों में अपने मताधिकार का प्रयोग पोस्टल बैलेट के जरिये किया। पहला मतदाता सुविधा केंद्र 72-लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र में अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाले पदाधिकारियों/कर्मियों के लिए था जबकि दूसरा मतदाता सुविधा केंद्र 72-लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र को छोड़ अन्य विधानसभा क्षेत्र में अपने मताधिकार का प्रयोग करनेवाले पदाधिकारियों/कर्मियों के लिए निर्धारित था। मतदाता सुविधा केंद्र में पोस्टल बैलेट हेतु हेल्प डेस्क भी बनाया गया था। इस मौके पर ईडीसी/पोस्टल बैलेट कोषांग की वरीय पदाधिकारी सुषमा नीलम सोरेंग व अन्य पदाधिकारीगण/कर्मीगण उपस्थित थे।

पोलिंग पार्टियों को दिया गया प्रशिक्षण

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। लोहरदगा आम निर्वाचन, 2024 अंतर्गत निर्वाचन कार्य हेतु प्रतिनियुक्त मतदान पदाधिकारियों/कर्मियों का प्रशिक्षण जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट नदिया हिंदू उच्च विद्यालय में दो पालियों में आयोजित हुआ। इसमें कुल 560 मतदान पदाधिकारियों/कर्मियों (कुल 140 पोलिंग पार्टियों) को प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में अपर समाहर्ता जीतेंद्र मुंडा व अन्य मास्टर ट्रेनरों के द्वारा पोलिंग पार्टी के आपसी समन्वय के साथ मतदान की प्रक्रिया पूरी तरह त्रुटिरहित संपन्न कराने का प्रशिक्षण दिया गया।

मैट्रिक और इंटर के छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

सेन्हा-लोहरदगा (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के अन्तर्गत नंदलाल प्लस टू उच्च विद्यालय अरु में मैट्रिक व इंटर के सफल छात्र-छात्राओं को शिक्षक शिक्षिकाओं और विद्यालय प्रबंध समिति द्वारा सम्मानित किया गया। जैक द्वारा आयोजित परीक्षा में मैट्रिक तथा इंटर कला, विज्ञान और वाणिज्य में एक से दस तक सफल छात्र-छात्राओं और अभिभावकों को डायरी, कलम तथा मेडल देकर सम्मानित करते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए कामना किया गया। वही प्रधानाध्यापिका सीमा नैनसी लकड़ा ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा की भविष्य में अपनी रुचि के अनुसार पढ़ाई करे और जीवन को सफल बनायें और जन सेवा, समाज सेवा के कार्य में शिक्षा को सार्थक करे जिसे आस पड़ोस में रहने वाले अपने भाई बहनों में पढ़ाई और शिक्षा में रुचि जगाने का कार्य करें, जिसे उनका भी जीवन स्तर ऊंचा हो सके। मौक पर विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष रंजित उरांव, दिनेश साहु,शीला भगत, शिवनंदन साहु के अलावे सुरेश कुमार बाड़ा, बेंजामिन मिंज, संगीता बखला, अनिल उरांव, ममता कुमारी, विक्रम कुमार महतो, कंचन कुमारी, रीना बखला, दीपा चौधरी, सीमा कुजूर, सबिता टोप्पो, प्रीति पल्लवी सहित सभी शिक्षक शिक्षिका और छात्र छात्राएं तथा अभिभावक उपस्थित थे।

कांग्रेस का चुनावी कार्यालय का उद्घाटन

नवाडीह (आजाद सिपाही)। चौक ब्लॉक रोड में कांग्रेस का चुनाव कार्यालय का उद्घाटन लोग सभा चुनाव के लिए विधान सभा परभारी रमेश चीनी, अख्तर अली, परखंड अध्यक्ष राजेश एक्का, और प्रदीप मिंज ने सयुक्त रूप से फीता काट कर किया। कार्यकर्ताओं से कहा कि हमे मन लगाकर चुनाव लडना है सभी कार्यकर्ता घर घर जाकर राहुल गांधी के काम को बताना है और कांग्रेस पार्टी को वोट करने की अपील करना है। इस मौके पर , बसंत भगत,तारा मिंज, रंजीत इक्का, एमा लकड़ा, मीणा लकड़ा, अनीता बैग, मोहन उराव, डेविड मिंज भोला, सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थी।

झारखंड के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में आज भी बरकरार है मोदी मैजिक

आफताब अंजुम

सुरक्षा व्यवस्था इतनी टाइट की गयी थी कि लगभग 8 किलोमीटर की रेडियस पर 11:30 के बाद वाहनों के आने पर पूर्णतः रोग लगा दी गयी थी।

गुमला। मई की चिलचिलाती दोपहर, दूर-दूर तक पानी की भी कोई व्यवस्था नहीं, उसके बावजूद लाखों लोगों का हुजूम 5 से 10 किलोमीटर तक की पैदल यात्रा करके किसी नेता की एक झलक पाने को बेताब है तो वह नेता हैं नरेंद्र मोदी। गुमला के सिसई में चुनावी सभा के कार्यक्रम में शरीक होने की बात तो कबकी गौण हो चुकी थी। इस कार्यक्रम की सफलता की धुरी तो बस मोदी मैजिक पर आ टिकी थी। इस कार्यक्रम का ऐसा नजारा था कि भीड़ चली आ रही है, बस चली आ रही है। भाजपा के लोहरदगा व खूंटी लोकसभा क्षेत्र के सबसे बड़े कार्यक्रम में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन ने यह साबित कर दिया है कि आज भी नरेंद्र मोदी की एक झलक पाने के लिए देश के कोने कोने के लोग बेताब रहते हैं। केवल लोहरदगा व खूंटी लोकसभा क्षेत्र ही नहीं बल्कि झारखंड के कोने-कोने से मोदी के दीवाने गुमला जिला के सिसई में आहुत मोदी कार्यक्रम में चले आए। भीड़ इतनी थी कि 10 बजे सुबह से ही नरेंद्र मोदी को देखने वाली जनता कड़ी धूप में हजारों सुरक्षा बेरेकेटिंगों का सामना करते हुए पुलिस बल की धक्का मुक्की सहन करते हुए कार्यक्रम स्थल तक पहुंची थी।

सुरक्षा व्यवस्था इतनी टाइट की गयी थी कि लगभग 8 किलोमीटर की रेडियस पर 11:30 के बाद वाहनों के आने पर पूर्णतः रोक लगा दी गयी थी। मोदी के दीवाने खेतों खलियानों की पगडंडियों पर चलते हुए पांच सात किलोमीटर की दूरी पैदल तय करते हुए कार्यक्रम स्थल तक पहुंचे थे। भीड़ ने तकलीफ सहन करना मुनासिब समझा लेकिन वापस नहीं लौटे। मोदी मैजिक ऐसा था कि इस कार्यक्रम में कोई भी वक्ता अपनी बात रख रहा था तो मोदी मोदी के नारे लगाये जा रहे थे। पीएम मोदी समय पर आए। लगभग आधा घंटा लोगों से मुखातिब रहे, और फिर उनका हेलीकॉप्टर हवाई सफर के लिए उड़ गया।

लेकिन देखा यह गया कि मोदी को सुनने और देखने वाले वाले उनके सभा स्थल से उड़ान भर लेने के बाद तक पैदल चले आ रहे हैं। मुख्य रूप से खूंटी लोकसभा क्षेत्र के सिमडेगा, कोलेबिरा, खूंटी, रांची जिला से बेड़ो, नगड़ी, इटकी लोहरदगा जिला के कुडू, सेन्हा, पेशरार और गुमला जिला के लगभग सभी प्रखंडों से लोगों का अपने प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए हर तरह की असुविधा को झेलते हुए कार्यक्रम स्थल तक पहुंच गये।

सुखदेव भगत को विजयी बनाने के लिए जेएमएम ने चलाया संपर्क अभियान

हेमंत सोरेन को जेल भेजने वाली पार्टी भाजपा को जवाब देने का वक्त आ गया : मुजम्मिल अहमद

लोहरदगा। लोहरदगा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में इंडिया महागठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी सुखदेव भगत को प्रचंड मतों से विजय बनाने और गठबंधन धर्म निभाने को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिलाध्यक्ष मोजम्मिल अहमद के नेतृत्व में पेसरार प्रखंड के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया गया। जिलाध्यक्ष मोजम्मिल अहमद के टीम में झामुमो के जिला सचिव अनिल उरांव, युवा जिला अध्यक्ष अजय उरांव पेशरार प्रखंडअध्यक्ष अरविंद कुमार ट्यूमु पंचायत अध्यक्ष जयराम खेरवार बिनु भगत मोजिबुल रहमान बबलू, आदि शामिल थे। गांव में जनसंपर्क और बैठकों के दौरान जिलाध्यक्ष अहमद ने कहा कि आगामी 13 मई को होने वाली यह चुनाव प्रत्येक जनता के काफी महत्वपूर्ण है। भाजपा और उसकी सहयोगी दलों ने देश में नफरत, लूट, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महंगाई को तो बेतहाशा बढ़ोतरी तो कर ही दी है, लोकतंत्र और संविधान को भी तार-तार कर दिया है। दिशोम गुरु सांसद शिबू सोरेन के पुत्र लोकप्रिय आदिवासी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व काल में पूरे झारखंड में जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही थी, गरीब, आदिवासी, अल्पसंख्यकों, दलितों, पिछड़े वर्गों के कल्याण और चहुंमुखी विकास के लिए कार्य किए जा रहे थे, जिसे भाजपा पचा नहीं पायी और इडी के जरिए झूठे मुकदमे में फंसा कर जेल भेज दिया गया है। इसलिए यह चुनाव झारखंड की अस्मिता, देश का संविधान, आपसी भाईचारा को कायम रखने के लिए हमें इंडिया गठबंधन को मजबूती प्रदान करने के गठबंधन के प्रत्याशी सुखदेव भगत को पंजा छाप में बटन दबा कर भारी मतों से जीत दिलायें। कहा कि यह चुनाव सभी नागरिकों, ग्राम वासियों के लिए बेहद खास है। सत्ताधारी भाजपा जनता के असली मुद्दों से ध्यान भटका कर मंदिर मसजिद के मुद्दे उछाल कर देश में नफरत फैलाने का काम कर रही है। 13 मई को होने वाले चुनाव में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी सुखदेव भगत जी को पंजा छाप में बटन दबा कर भारी मतों से विजय बनाये।

बूथ तक वोटरों को लाने में मदद करें कांग्रेसी कार्यकर्ता : रमेश

कांग्रेस की बैठक से क्षेत्र में बन रहा है चुनावी माहौल

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। लोक सभा चुनाव के निमित कांग्रेस पार्टी प्रखंडवार बैठक करके कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार कर रही है। और इसमें जी जन से लगे हैं कांग्रेस के गुमला विस प्रभारी रमेश कुमार चीनी। इन्होंने शनिवार को डुमरी, जारी, चैनपुर व रायडीह में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। जिसमें पार्टी प्रत्याशी की जीत को लेकर रणनीति बनाई। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत की बदौलत ही यह सीट कांग्रेस की झोली में आयेगी। इसलिए कार्यकर्ताओं का परिश्रम केंद्र में कांग्रेस की सत्ता ला सकता है। आप मेहनत करें। वोटरों को बूथ तक जाने के लिए प्रेरित करें। किसी भी हाल में इस बार अपने परंपरागत सीट पर वापसी करनी है। इस दौरान उन्होंने चुनावी कार्यालय का भी शुभारंभ किया। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष राजेश्वर एक्का, अख्तर, हिरासत अली, बसंत भगत, मीना लकड़ा, हेमा कुजूर, अनीता बेक, रजनी एक्का, तारा मिंज, प्रभा कुजूर, प्रदीप मिंज डेविड मिंज, आनंद एक्का, राम कृपा भगत आदि थे।

कांग्रेस विधानसभा प्रभारी ने जारी में खोला चुनावी कार्यालय

जारी (आजाद सिपाही)। प्रखंड अंतरगत कांग्रेस पार्टी ने लोहरदगा लोकसभा चुनाव कार्यालय का विधिवत उद्घाटन गुमला के कांग्रेस विधानसभा प्रभारी रमेश कुमार चीनी, प्रखंड अध्यक्ष राजेश टोप्पो, अर्जुन निरंजन लकड़ा व जेएमएम के प्रखंड सचिव नुवेल लकड़ा ने संयुक्त रूप से फिता कटकर किया। उदघाटन में स्थानीय लोगों, कांग्रेस के पदाधिकारियो और दूर दराज से आये सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने मुंह मीठा कर कांग्रेस प्रत्याशी सुखदेव भगत को भारी मतों से विजयी बनने की बात कही। वहीं प्रखंड अध्यक्ष राजेश टोप्पो ने आगामी लोकसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में पांच गारंटी दी जा रही है जिसमें पहली एक लाख वेतन हर शिक्षित युवा की पक्की नौकरी, दुसरी हर साल हर गरीब परिवार की महिला को आरक्षण दिया जायेगा। तीसरी कर्ज माफी और एमएसपी की कानून गारंटी, चौथी प्रतिदिन काम से कम मनरेगा की मजदूरी में मिलेगी' और पांचवी सामाजिक और आर्थिक सामंतों के लिए हर व्यक्ति हर वर्ग की गिनती हिस्सेदारी की गारंटी दी जा रही है।

राजद के कार्यकर्ताओं ने महागठबंधन के उम्मीदवार को जीत दिलाने का लिया संकल्प : रामप्रवेश यादव

आजाद सिपाही संवाददाता

लातेहार। लातेहार राष्ट्रीय जनता दल लातेहार जिला का बैठक लातेहार बिलिस होटल में हुआ। जिसका अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रामप्रवेश यादव ने किये। मंच संचालन प्रधान महासचिव मोहर सिंह यादव ने किया।

इस बैठक में चतरा संसदीय क्षेत्र के योग कर्मठ उम्मीदवार के एन त्रिपाठी मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस बैठक में सभी प्रखंड के अध्यक्ष कार्यकर्ता उपस्थित थे। सभी ने एक स्वर से निर्णय लिया संकल्पित हुए चतरा संसदीय क्षेत्र से इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी कांग्रेस उम्मीदवार के एन त्रिपाठी जी को भारी बहुमत से जीतना है। त्रिपाठीजी ने बैठक को संबोधित करते हुए बताया कि आने वाला समय बहुत विक्ट है। संविधान बदलने की तैयारी चल रही है। समाज में व्यमंस बढ़ गयी है। केंद्र के मोदी सरकार को उखाड़ फेकना है। जिससे कि आगे विकास की धारा बढ़ सके। बेरोजगारी को दूर किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह जीत मेरी नहीं सभी का रहेगी। गठबंधन के सभी पार्टी का यह जीत है। आने वाला दिन बहुत ही अच्छा रहेगा। अगर आप संकल्पित लेते हैं तो। जीताने के लिए आप लोग गांव-गांव। बुथ को मजबूत करें और म इंडिया गठबंधन को जीतने का काम करें। जिला अध्यक्ष रामप्रवेश यादव ने कहा हमारे केंद्रीय नेतृत्व का आदेशा अनुसार हम लोग मन कर्म वचन। तन मन धन से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी कें एन त्रिपाठी को समर्थन करेंगे। राजद संगठन हर बुथ में। सभी कार्यकर्ताओं अभी से लग जाये। 20 मई तक अपने घरों को छोड़ दे और महा गठबंधन जिताने के लिए सक्रिय रहे। इस बैठक में मुख्य रूप से बली यादव, सुरेश राम, दिलेश्वर यादव, भोला सिह, उपेंद्र भइया रंजीत कुमार यादव उर्फ बिजली। पवन राम सहित 500 कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चहुंओर मोदी-मोदी की गूंज, एक झलक पाने को उमड़ा जनसैलाब

पूरे शहर में मोदी के आगमन को लेकर बंद थीं दुकानें, 3 घंटे तक शहर की सभी छोटी-बड़ी सड़कें रहीं ठसाठस

कार्यक्रम स्थल से पूरे शहर की पुख्ता थी सुरक्षा व्यवस्था

जयकांत शुक्ला

मेदिनीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम को लेकर शनिवार की सुबह सात बजे से पलामू लोकसभा के भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र और हुसैनाबाद हरिहरगंज जैसे सुदूरवर्ती जगहों से कार्यकर्ताओं-समर्थकोंम का आना शुरू हो गया था। लोगों में उत्साह ऐसा था कि हर तरफ से लोगों का रेला चला आ रहा था। भाजपा के कार्यकर्ता और समर्थक जय श्रीराम, भारत माता की जय, अबकी बार 405 के नारे लगाते हुए कार्यक्रम स्थल में प्रवेश कर रहे थे। वहीं मेदिनीनगर की छोटी दुकान जो आने जाने वालों को खाने पीने का सामान बेच सके उनको छोड़कर लगभग सभी दुकानें बंद थीं। कुछ दुकानदारों से बात करने पर उन्होंने बताया कि हमलोग मोदीजी को सुनने और अपने देश के सम्मान के लिए स्वतः जा रहे हैं। वहीं महिलाओं का कहना था कि मोदीजी ने जो हम महिलाओं को सम्मान दिया है वह आज तक किसी सरकार ने नहीं दिया है इसलिए हम लोग मोदी जीके साथ हैं।

कार्यक्रम स्थल में जैसे ही मोदीजी का हेलीकॉप्टर उतरा वैसे ही मोदी- मोदी-मोदी, और जय श्री राम का नारा लगाना शुरू कर दिया था। मानों कार्यक्रम स्थल का माहौल ऐसा लग रहा था जैसे किसी किसी महापुरुष का सीधा दीदार हो रहा हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे ही मंच पर मौजूद हुए उनके स्वागत के लिए वहां मजूद सभी लोगों ने अपने-अपने मोबाइल के फ्लैशलाइट को ऑन कर उनका अभिवादन किया और जय श्री राम का नारा लगाया। नरेंद्र मोदी के करीब 38 मिनट की सभा में क्या महिलाएं, क्या नौजवान, क्या बजुर्ग सभी एक झलक पाने के लिए काफी उत्साहित थे। किसी टीम के लोग जय श्री राम तो किसी टीम के लोग अबकी बार 400 के पार नारे लगा रहे थे। कार्यक्रमस्थल में भाजपा समर्थकों का आना सुबह 7:00 बजे से शुरू हो गया था इसके बावजूद भीड़ की लंबी कतार की वजह से सभी लोग पंडाल के अंदर तक प्रवेश नहीं कर पाये उनके लिए आने के रास्ते तक छोटे पड़ गये थे जिसमें सुरक्षा कर्मियों तक को कफी परेशान होना पड़ा। वहीं कार्यक्रम स्थल में सुरक्षा की कोई चूक न हो जाये इसलिए पुलिस प्रशासन के द्वारा पेन से लेकर गाड़ी की चाबी तक ले जाने की मनाही थी। पुलिस के द्वारा सभी आनेजाने वाले लोगों को बड़ी बारीकी से चेक कर रहे थे और पेन एवं गाड़ी की चबियां अपने पास जमा करवा ले रहे थे। साथ ही बाहर की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पलामू के प्रत्येक सड़कों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम पुलिस द्वारा किया गया था। कार्यक्रम स्थल पर सुबह लगभग एक लाख की भीड़ को जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वे भी गदगद हो गए। मंच से ही कह दिया की सुबह में इतनी भीड़ और समर्थक का यहां होना आप लोग बधाई के पात्र हैं। यहां इस तरह की भीड़ यहां के लिए शुभ संकेत है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मूर्ति उपहार देतीं भाजपा महिला मंडल की सदस्य। पलामू में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में उमड़ा लोगों का हुजूम। प्रधानमंत्री का अभिवादन करते पलामू प्रत्याशी वीडी राम। मंच पर उपस्थित प्रत्याशी व अन्य।

आइएनडीआइए गठबंधन के पास कोई पीएम का चेहरा नहीं है : कमलेश सिंह

हुसैनाबाद के विधायक कमलेश कुमार सिंह ने कहा कि आज आइएनडीआइए गठबंधन के लोग जितनी बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं वह यह बता दें कि उनके पास पीएम का चेहरा कौन है। उन्होंने कहा कि आज तक के इतिहास में बिना वर के बारात कही जाती है क्या। उन्होंने कहा कि आइएनडीआइए गठबंधन के लोग कई तरह के भ्रम फैला रहे हैं। इनसे आप लोगों को सावधान रहने की जरूरत है।

भाजपा इस चुनाव में पार करेगी 400 का आंकड़ा : डॉ मेहता

पांकी विधायक डॉ शशिभूषण मेहता ने कहा कि देश में भाजपा इस बार चार सौ का आंकड़ा पार करेगी। देश की जनता का मूड इस बार मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री देखने का है। यहां के लोग आइएनडीआइए गठबंधन के किसी बहकावे में नहीं आने वाले हैं।

पलामू के लिए केंद्र सरकार ने दी है कई बड़ी योजनाओं की सौगात : वीडी राम

पलामू सांसद सह भाजपा प्रत्याशी विष्णु दयाल (वीडी) राम ने कहा कि पलामू लोकसभा क्षेत्र के लिए मोदी सरकार ने 49 हजार करोड़ रुपए की योजनाओं की सौगात दी है। जिसमें कुछ का काम चल रहा है और कुछ का काम चुनाव बाद चालू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि पलामू इस से पहले कोई बड़ा कॉलेज नहीं था। आज यहां मेडिकल, इंजीनियरिंग, सेंट्रल स्कूल जैसे शैक्षणिक संस्थान हो गये है। उन्होंने कहा कि पलामू कुछ दो लाइफलाइन एन एच 75 और एन एच 98 दोनों फोर लेन और कई बाईपास बनने में काम लगा है जो आने वाले समय में यह मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि कि हम सब मिलकर यह विकास का पैमाना तैयार किया है। जो पलामू क्षेत्र का चौहमुखी विकास होगा।

मोदी व्यक्ति नहीं शक्ति का नाम है : रामचंद्र चंद्रवंशी

विश्रामपुर विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी ने कहा कि पूरे देश में शैक्षणिक संस्थानों से लेकर अर्थव्यवस्था तक के क्षेत्र में मोदी सरकार ने जो काम किया है वह आज तक किसी सरकार ने नहीं किया होगा। उन्होंने कहा कि कोविड काल में पूरा विश्व भारत की तरफ टकटकी लगाकर देख रहा था। लेकिन प्रधानमंत्री ने इस महामारी को अपने बुद्धि-विवेक से देश के लोगों के साथ विदेश में भी जमकर काम किया। उन्होंने कहा कि इन्हीं सब कारणों से मोदी जी को पूरा विश्व सम्मान की नजर से देखता है।

वीडी राम रिकॉर्ड मतों से जीतेंगें : भानू प्रताप

उधर, भानू प्रताप शाही ने कहा कि इस बार का पलामू लोकसभा चुनाव हम लोग रिकॉर्ड मतों से जीत हासिल करेंगे। इसके लिए बूथ स्तर से लेकर प्रखंड स्तर तक भाजपा के सिपाही कमर कस कर चुनावी मैदान में उतर गए है।

प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से मगही और भोजपुरी में कहा-रउवन के प्रणाम, आप लोगन के गोड़ लागत ही

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को पलामू के चियांकि हवाई अड्डा पर चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने माइक पकड़ने के साथ ही नीलांबर पीतांबर की धरती पलामू को प्रणाम किया। उसके बाद भोजपुरी और मगही को मिक्स कर स्थानीय भाषा में कहा 'रउवन सबके प्रणाम, आप लोगन के गोड़ लागत ही। प्रधानमंत्री के इस वाक्य के साथ ही पूरी सभा तालियों से गूंज उठी और मोदी जी को जय श्रीराम, मोदी जी को जय श्रीराम के नारे लगने लगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह वाक्य भोजपुरी और मगही को मिलकर बना है जो पलामू जिले में बोली जाती है। पलामू में बोले जाने वाली इस भाषा को पलमुआ बोली भी कहा जाता है। पहली बार मंच से किसी बड़े नेता ने स्थानीय लोगों को संबोधन के लिए पलमुआ बोली का इस्तेमाल किया है। पलमुआ बोली को भी झारखंड सरकार ने अपनी सूची में शामिल किया है। पलामू के इलाके में भोजपुरी और मगही का प्रभाव है। भाजपा के कई नेताओं ने बताया कि प्रधानमंत्री ने जैसे ही स्थानीय भाषा में शब्द बोले लगा कि कोई अपने बीच का आदमी बोल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के स्थानीय शब्द सुनने के बाद मन गदगद हो गया और लोग उत्साहित हो गए।

एक संत के हाथ राम को सौंपी : अरुणा शंकर

कहा- प्रधानमंत्री ने अपनों को हर घर जाकर जय श्री राम बोलने का काम सौंपा

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। नगर निगम की प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी को अयोध्या में श्रीराम लला को विराजने के बाद पहली बार पलामू आगमन पर पूरे पलामू लोकसभा के सनातनियों की ओर से अयोध्या से मंगाई गई प्रभु श्रीराम की अष्टधातु से निर्मित मूर्ति तोहफे में दी। भगवान श्री राम की मूर्ति को अपने हाथों में लेते हुए प्रधानमंत्री काफी भावुक नजर आए। इस अवसर पर पाटन विधायक पुष्पा देवी, मीरा पांडे, रूपा सिंह सहित कई महिला मंच पर उपस्थित थी। प्रथम महापौर ने कहा कि हम पलामू के सनातनियों के लिए यह कौरव का पल था जब मैंने एक संत के हाथ प्रभु श्री राम की मूर्ति को सौंपा। प्रधानमंत्री ने अपने अभिभाषण में सभी अपनों को घर-घर जाकर जय श्रीराम कहने को कहा।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की एक झलक

10वीं के पतरा पंचायत टॉपर को स्वयंसेवी संस्थाओं ने किया सम्मानित

सम्मानित किये जाने से विद्यार्थियों में होता है सकारात्मक ऊर्जा का संचार: मदन पासवान

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। प्रखंड के पतरा खूर्द ग्राम पंचायत में शहीद धीरज यादव यूथ क्लब एवं अपना पंचायत पतरा खूर्द समूह की ओर से प्रतिभा सम्मान समारोह 2024 का आयोजन किया गया। जिसमें जैक मैट्रिक परीक्षा में पतरा खुर्द ग्राम पंचायत के टॉप 10 विद्यार्थियों को जनप्रतिनिधियों एवं अपग्रेडेड हाई स्कूल के परिवार की ओर से मोमेंटो, प्रशस्ति पत्र और महापुरुष की जीवनी देकर सम्मानित किया गया। परीक्षा में सफल स्कूल टॉपर संचिता कुमारी (92.4) प्रथम, संदीप कुमार शर्मा (89.0 फीसदी) द्वितीय,आयुष कुमार यादव (88.6 फीसदी) तृतीय,नजिया प्रवीण (88 फीसदी) चतुर्थ, शशिकांत यादव (87.8 फीसदी) पंचम, आकाश यादव (86.6 फीसदी) षष्टम, राहुल कुमार (86.4 फीसदी) सप्तम, विकाश कुमार यादव (86.4 फीसदी) अष्टम आदि स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में हुसैनाबाद दक्षिणी क्षेत्र के पूर्व जिप सदस्य मदन पासवान भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से विद्यार्थियों में उमंग, जोश और जुनून की भावना सकारात्मक रूप से संचारित होता है। प्रतिभा गांव की तंग गलियों से ही निकलकर बाहर आती है। वहीं, मुखिया आंचल देवी ने कहा कि 21वीं सदी, नारी की सदी है। पंचायत स्तर पर भी छात्राओं ने टॉपर बनकर इन शब्दों को चरितार्थ किया है। पंसस प्रदीप कुमार पासवान ने कहा कि दोनों क्लब के सदस्यों के कार्य सराहनीय हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं संचालन युवा कवि रवि प्रकाश ने किया। मौके पर प्रधानाध्यापिका मालपिका, शिक्षक अभिषेक शर्मा, वार्ड सदस्य वर्मा पासवान, मुखिया पति कुंदन पासवान, सोनल पासवान, कृष्ण राम, मोती कुमार, मृत्युंजय यादव, शिक्षक सुरेंद्र कुमार सिंह, जितेन्द्र पाल, मनोज यादव एवं धीरेन्द्र यादव आदि उपस्थित थे।

होम वोटिंग के जरिये लोगों से घर में ही करवाया जा रहा है मतदान

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। जिले में शत-प्रतिशत मतदान करवाने की कवायद शुरू हो चुकी है। इसी कड़ी में 2 मई से ही जिले में होम वोटिंग की प्रक्रिया प्रारंभ है। बीते गुरुवार को होम वोटिंग के तहत पलामू जिले में कुल 124 वोटर्स ने अपना मतदान अपने घर में ही किया। गौरतलब हो कि जिले के वैसे मतदाता जिनकी उम्र 85 साल से अधिक है व दिव्यांग मतदाता जो चलने-फिरने में असमर्थ है उन्हें भारत निर्वाचन आयोग की तरफ से 12 डी फॉर्म के माध्यम से घर में ही मतदान कराने की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है। होम वोटिंग के माध्यम से जिले में कुल 478 मतदाताओं से मतदान कराने का लक्ष्य रखा गया है। इधर, जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी शशि रंजन शुक्रवार को हेरिटेज स्कूल में जारी मतदान का जायजा लिये। यहां मतदान कार्य में लगे कर्मियों से मतदातान करवाया जा रहा है जो 6 मई तक चलेगा। इसके अतिरिक्त गिरिवर स्कूल में भी मतदान कराया जा रहा है वहीं पुलिस लाइन में 7 से 9 मई को भी मतदान कराया जायेगा।

भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो और रागिनी सिंह ने झरिया विस में चलाया जनसंपर्क अभियान

देश के विकास की धारा बरकरार रखने के लिए भाजपा की जीत जरूरी है: ढुल्लू महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया। धनबाद लोकसभा सीट पर 25 मई को मतदान होना है, जिसे लेकर क्षेत्र में प्रत्याशियों का चुनाव प्रचार का शोर लगातार बढ़ता चला जा रहा है। इसी कड़ी में भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो ने शनिवार को झरिया विधानसभा क्षेत्र के बस्ताकोला, इंडस्ट्री बस्ती, ऐना बस्ती, बनियाहिर, झरिया पोदरपाड़ा, रामचंद्र दल में जनसंपर्क, नुक्कड़ सभा आदि किया। इस दौरान ढुल्लू महतो ने सभी को घर से निकलकर मतदान दिवस के दिन भाजपा को मतदान करने की अपील की। साथ ही नुक्कड़ सभा में कहा कि भाजपा को वोट देकर मोदी जी के हाथों को मजबूत करना है। मोदी सरकार 10 साल में गरीबों, मजदूर, किशान के लिए कई जनकल्याणकारी योजनाएं लायी है। उज्ज्वला व आयुष्मान योजना, मुफ्त में अनाज सहित कई योजनाएं शामिल है। वहीं, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य रागिनी सिंह ने कहा कि झरिया की जनता भाजपा को वोट देकर मोदी जी के हाथों को मजबूत बनाएगी। उन्होंने कहा कि घर-

झरिया में आयोजित बैठक व नुक्कड़ सभा में प्रत्यासी ढुल्लू महतो, रागिनी सिंह व अन्य।

घर जाकर मतदाताओं से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील करेंगे। कहा कि धनबाद लोकसभा सीट पर कमल खिलाकर प्रधानमंत्री के विकसित भारत के सपने को साकार करना हर भाजपा कार्यकर्ता का दायित्व भी है। इस मौके पर भाजपा महानगर जिला अध्यक्ष श्रवण राय, योगेंद्र यादव, राजकुमार अग्रवाल, शैलेश सिंह चंद्रवंशी और ललन चौबे आदि उपस्थित थे। दूसरी ओर, रामचंद्र दल ने भी भाजपा नेता संजू वर्मा की अध्यक्षता में जनसंपर्क सह नुक्कड़ सभा आयोजित किया। जिसमें राजकुमार अग्रवाल, अरुण साव, अखिलेश सिंह, राजकिशोर जेना, श्रवण राय, योगेंद्र यादव, राजेश शर्मा, मोनू मंडल, दीपक मंडल, अमित वर्मा, पिंकू चंद्रवंशी, मुन्नी देवी आदि थे।

सामाजिक, सांस्कृतिक और विकास के लिए मिथिलांचल के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर करेंगे काम: ढुल्लू महतो

धनबाद के विद्यापति परिषद पहुंचे ढुल्लू महतो, लोगों से किया संवाद

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। धनबाद लोकसभा केंद्र के भाजपा प्रत्यासी ढुल्लू महतो शनिवार को चुनाव प्रचार के क्रम में विद्यापति परिसर पहुंचे, जहां परिषद के अध्यक्ष शिवकांत मिश्रा ने उनका मिथिला के पाग, अंगवस्त्र और पुष्प माला से स्वागत किया। भाजपा आईटी विभाग के झारखंड प्रदेश संयोजक अमरनाथ झा ने मां जानकी की धरती मिथिला के गौरवपूर्ण इतिहास का उल्लेख किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अयोध्या में राम लला के भव्य मंदिर का उद्घाटन और प्राण प्रतिष्ठा की चर्चा करते हुए भाजपा के लिए 400 पार के लक्ष्य को हासिल करने के लिए मतदान करने का अनुरोध किया। उन्होंने अयोध्या की तरह चिटाही में भी भव्य राम

मंदिर के निर्माण और धनबाद के मुद्दे को सदन में मजबूती से रखने के लिए ढुल्लू महतो को विजय बनाने का आग्रह किया। वहीं, ढुल्लू महतो ने विश्वास दिलाया कि वो धनबाद की समस्याओं को सुलझाने का भरपूर प्रयास करेंगे और मिथिलांचल के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सामाजिक, सांस्कृतिक और विकास के हर क्षेत्र में काम करेंगे। वहीं, विद्यापति परिषद के सभी सदस्यों ने करतल ध्वनि और दोनों हाथ उठाकर प्रत्याशी को आशीर्वाद दिया और विजय की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर एक स्मारिका का भी विमोचन किया गया और उसकी प्रति मंचासीन सभी अतिथियों को भेंट की गई। संपर्क अभियान का संचालन परिषद के सचिव संजय कुमार झा ने की। इस मौके पर संस्था के संरक्षक डॉ के विश्वास, कार्यकारी अध्यक्ष सुरेश झा उर्फ नेता जी, उपाध्यक्ष राधा कृष्ण झा, उपाध्यक्ष जयप्रकाश झा, कोषाध्यक्ष आशुतोष झा, संयुक्त सचिव आरके झा, प्रमोद कुमार झा, मिल्टन पार्थसार्थी, मनोज कुमार मिश्रा आदि उपस्थित थे।

महिलाएं सशक्त होंगी तो देश मजबूत होगा : अनुपमा सिंह

कहा- अपने एक वोट से महंगाई बेरोजगारी नफरत व अन्याय को हरायें व धनबाद को बेहतर बनायें

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। धनबाद लोकसभा केंद्र से आइएनडीआइए गठबंधन की कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह ने शनिवार को तूफानी जनसंपर्क अभियान चलाया। बोकारो आवासीय कार्यालय लोहांचल से जनता दरबार में आए लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना और क्षेत्रीय नेताओं कार्यकर्ताओं-समर्थकों के साथ बैठक कर चर्चा की। इसी क्रम में चंदनक्यारी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कालीकापुर पंचायत शाखा कुरी आदराकुड़ी, बत्बोया में बानेश्वर महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर जनसंपर्क किया। फुसरो पंचायत पहुंचकर दुर्गा मंदिर में पूजा अर्चना कर मां दुर्गा से आशीर्वाद लिया और वहां ग्रामीणों से मिलकर क्षेत्र की समस्याओं से अवगत होते हुए उनके निवारण के लिए आइएनडीआइए महागठबंधन के पक्ष में मतदान करने की अपील की। विभिन्न जगहों पर लोगों से मिलीं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इश दौरान केंद्र की मोदी सरकार की जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा कि लोगों के हक और हित के लिए हमेशा तत्पर रहूंगी। कहा कि महिलाएं सशक्त होंगीं, तभी देश मजबूत होगा। अनुपमा सिंह ने धनबाद की बदहाली के लिए भाजपा व उसके सांसद पीएन सिंह को जिम्मेदार ठहराया। साथ ही वादा किया कि जनता उन्हें वोट देकर जीताती है तो धनबाद के लिए विकास के लिए हर मुमकिन कोशिश करेंगीं। अस्पताल, एयरपोर्ट व अन्य जरूरी जरूरतों को पूरा करेंगी। इस मौके पर गुरुपद महतो, जलेश्वर महतो, शंकर महतो, हसनुल्ला अंसारी और उत्तम दुबे आदि उपस्थित थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

डीसीएलआर ने आदिम जनजाति बहुल क्षेत्र के यूनिक बूथ का किया निरीक्षण

धनबाद (आजाद सिपाही)। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी माधवी मिश्रा के निर्देश पर सहायक निवार्ची पदाधिकारी 42 टुंडी सह भूमि सुधार उपसमाहर्ता (डीसीएलआर) संतोष गुप्ता ने शनिवार को तोपचांची प्रखंड के आदिम जनजाति बहुल यूनिक बूथ भवरदाहा का निरीक्षण किया। साथ ही अन्य मतदान केंद्र, इंटरमीडिएट स्ट्रॉन्ग रूम, सीएपीएफ क्लस्टर आदि का निरीक्षण किया। इस संबंध में उन्होंने बताया कि लोकसभा निर्वाचन के मद्देनजर प्रखंड कार्यालय तोपचांची में प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित अन्य सभी पदाधिकारी तथा कर्मियों के साथ बैठक कर निर्वाचन की तैयारियों की गहन समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिसमें सभी मतदान केंद्र पर एश्योर्ड मिनिमम फैसिलिटी सुनिश्चित करने, सभी मतदान केंद्रों पर शीतल पेय जल की व्यवस्था करने, सभी बीएलओ द्वारा अविलंब मतदाताओं की जानकारी से संबंधित पर्टी बांटे जाने, मतदाता सूची मार्किंग करने समेत अन्य निर्देश दिए। साथ ही वोटर टर्न आउट बढ़ाने के लिए स्वीप अंतर्गत 7 मई को निर्धारित 'मैं भी इलेक्शन एम्बेस्डर' कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने, निर्धारित समय पर की गई गतिविधियों को सोशल मीडिया हैंडल्स पर अपलोड करने, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झारखंड कार्यालय, जिला निर्वाचन पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित को टैग करने का निर्देश दिया गया।

दिव्यांगों ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

धनबाद (आजाद सिपाही)। लोकसभा चुनाव को लेकर मतदाताओं में जागरूकता के लिए दिव्यांगों ने शनिवार को जागरूकता रैली निकाली। इस बाबत दिव्यांग चुनाव आइकॉन प्रमोद यादव ने मीडिया को बताया कि लोकसभा चुनाव को लेकर पूरे देश में 'चुनाव का पर्व देश का गर्व' के तहत हम सभी दिव्यांग शहरी क्षेत्र में 25 मई को मतदाता करने को लेकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। ताकि देश का लोकतंत्र और भी मजबूत हो। इस लिए लोग 25 मई को अपने-अपने घरों से बाहर निकलें और मतदान केंद्रों पर जाकर अपने मत का प्रयोग अवश्य करें। पहले मतदान उसके बाद जलपान करें। वहीं, रूपा कुमारी पांडे ने बताया कि हम सब दिव्यांग होने के बावजूद अपना मताधिकार का प्रयोग पूरे गर्व के साथ करते हैं। इसलिए मैं पूरे शहरवासियों से अपील करती हूं कि 25 मई को अपने घर से बाहर निकलें और अपने मत का प्रयोग करें। उधर, जागरूकता रैली सिटी सेंटर लुबी सर्कुलर रोड, रणधीर वर्मा चौक होते हुए कोर्ट परिसर तक गई, जिसमें सैकड़ों दिव्यांग बच्चे शामिल थे।

अपराध की योजना बनाते तीन युवक गिरफ्तार, पिस्टल और कारतूस जब्त

धनबाद (आजाद सिपाही)। गोविंदपुर थाना क्षेत्र में विगत दिनों अपराधियों द्वारा मछली कारोबारी को गोली मारने की घटना के बाद पुलिस रेस हो गई है। अपराधियों को पकड़ने के लिए जगह-जगह छापामारी की जा रही है। इसी कड़ी में पुलिस को सूचना मिली थी कि खालसा होटल के निकट शांति गेस्ट हाउस में कुछ युवा ठहरे हुए हैं जिनके पास हथियार है। वे लोग किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। इसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी रविकांत प्रसाद के नेतृत्व में छापामारी की गई। जहां से तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से एक पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस, एक कार और तीन मोबाइल फोन जब्त किए गये हैं। सिटी एसपी अजित कुमार ने इसकी जानाकारी दी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार एक अपराधी के ऊपर लूट एवं डकैती के कई मामले विभिन्न जिलों के अलग-अलग थानों में दर्ज है। पुलिस जांच में जुट गई है और इनसे पूछताछ की जा रही है।

किसी भी कार्यकर्ता की मेहनत बेकार नहीं जायेगी : ढुल्लू

आजाद सिपाही संवाददाता

धनसार। बस्ताकोला वर्मा बंगला में शनिवार को मंडल अध्यक्ष स्व अनिल सिंह की चौथी पुण्यतिथि मनाई गई। जिसमें भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्यकर्ता की मेहनत बेकार नहीं जायेगी। हर कार्यकर्ता के लिए खड़ा रहूंगा। ढुल्लू महतो ने कहा कि जो आज मेरे साथ खड़े हैं, कल मैं उनके दरवाजे पर खड़ा नजर आऊंगा। सिर्फ आवाज देने

की जरूरत है। किसी भी कंपनी की मनमानी नहीं चलने दी जाएगी। इस दौरान बस्ताकोला मोड़, इंडस्ट्री ग्राउंड, संजय चाय दुकान, डोम बस्ती, भुइंया बस्ती, एना विवेकानंद क्लब, बाउरी समाज, हरि मंदिर कमेटी, ऐना वारियर्स क्लब, श्रीश्री नरसिंह दलदल अखाड़ा द्वारा स्वागत किया गया। मौके पर जिलाध्यक्ष श्रवण राय, राजकुमार अग्रवाल, रामबालक मुखिया, संतोष शर्मा, बप्पी बाउरी, तरुण राय, रामदेव शर्मा, संजय रवानी, काजू राय, बिपिन मंडल, मधेसर चंद्रवंशी, हीरा प्रसाद, संजय साव आदि उपस्थित थे।

चुनाव बहिष्कार को लेकर नक्सलियों ने की पोस्टरबाजी

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरोचट्टी। उग्रवाद प्रभावित गोमिया प्रखंड के अंतर्गत चतरोचट्टी थाना में शुक्रवार की देर रात नक्सलियों ने लोकसभा चुनाव बहिष्कार को लेकर पोस्टरबाजी की है। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गी और पोस्टर को हटा दिया। हालांकि इस घटना के बाद लोगों में दहशत है। नक्सलियों ने चतरोचट्टी थाना क्षेत्र में स्थित करीं पंचायत के उत्क्रमित उच्च विद्यालय कुर्कनालो की दिवारो पर पोस्टर चिपकाए हैं। वहीं, बडकी टांड़ और तिसरी में भी पोस्टरबाजी की गई है।

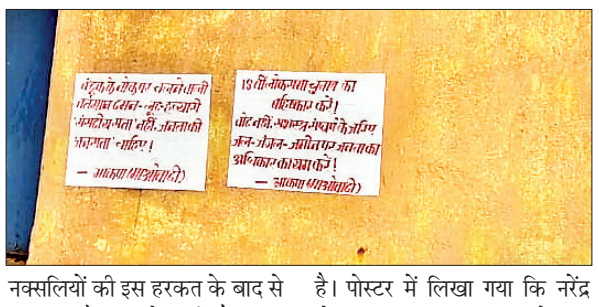

नक्सलियों की इस हरकत के बाद से पुलिस चौकस हो गई है। वहीं, भाकपा माओवादी की उत्तरी छोटानागपुर जोनल कमेटी की ओर से पोस्टर लगाकर लोगों से लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करने, नवजनवादी भारत के निर्माण में भूमिका बढ़ाने की अपील की गई है। पोस्टर में लिखा गया कि नरेंद्र मोदी विकसित भारत बनाने का सपना दिखा रहे हैं। वास्तव में यह हिंदू राष्ट्र होगा। नया संविधान बनकर मनुवादी संहिता बनाने की बात हो रही है। जब देश में एक चुने हुए मुख्यमंत्री बख्शे नहीं जा रहे हैं, तो आम जनता की दशा क्या होगी।

नयी सोच, नयी दिशा संवाद का आयोजन

बोकारो (आजाद सिपाही)। बीएसएल के मानव संसाधन विकास केंद्र में संयंत्र के शीर्ष प्रबंधन के साथ इस्पात कर्मियों का नई सोच, नई दिशा नामक संवाद कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीके तिवारी, अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं, अतिरिक्त प्रभार सामग्री प्रबंधन) सीआर महापात्रा, अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी, अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के आरंभ में निदेशक प्रभारी ने इस्पात कर्मियों को मतदान में भागीदारी सुनिश्चित करने की शपथ दिलाई।

जयराम पर चुनाव आयोग ने कसी नकेल

7 मई तक डीसी कार्यालय नहीं पहुंचने पर रद्द होगा नामांकन

राखोहरि सिंह

बोकारो (आजाद सिपाही)। जयराम महतो का बचना अब नामुमकिन सा हो गया है। क्योंकि चुनाव आयोग ने उन पर नकेस कस दिया है। चुनाव आयोग की ओर से उनके घर पर नोटिस चिपका कर सात मई तक गिरिडीह के निवार्ची पदाधिकारी सह बोकारो डीसी विजया जाधव के समक्ष हाजिर होने को कहा गया है। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो उनका नामांकन भी रद्द हो जाएगा। झारखंड खतियानी भाषा संघर्ष समिति के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो को रांची के नगड़ी थाना में केस संख्या- 48/22 के मामले में पुलिस ने एक मई को हिरासत में तब लिया जब वे नामांकन करने बोकारो जिला मुख्यालय आए थे। उनके आग्रह पर पुलिस ने उन्हें सभा करने की इजाजत भी दी थी, जहां से टाइगर जयराम फरार हो गए। इस मामले में बोकारो स्टील

जयराम रमेश ।

सिटी थाना में जयराम सहित 11 नामजद और अन्य लोगों पर केस दर्ज किया गा है। इस मामले में अब तक उनके आधा दर्जन समर्थक जेल भी पहुंच चुके हैं। पर पुलिस के लाख प्रयास के बाद भी जयराम पकड़ में नहीं आये, तो झारखंड के मुख्य निवार्ची पदाधिकारी के निर्देश पर गिरिडीह के निवार्ची पदाधिकारी सह बोकारो डीसी विजया जाधव द्वारा अखबारों में एक सूचना प्रकाशित की गयी। जिसमें जयराम के नामांकन शपथ पत्र में कुछ त्रुटियां होने की जानकारी दी गई है। जिन्हें दूर करने के लिए सात मई को जयराम महतो को डीसी कार्यालय बुलाया गया है। इस बाबत नोटिस भी जयराम महतो के घर पर चुनाव आयोग की ओर से चपका दिया गया है। वैसे झारखंड खतियानी भाषा संघर्ष समिति के सूत्रों की मानें तो पार्टी दोनों हालत पर विचार कर रही है। जयराम महतो के जेल से चुनाव लड़ने या फरार रह कर किसी और को चुनाव लड़वाने पर विचार हो रहा है। जिसमें भी जीत की अधिक गारंटी होगी, पार्टी वही कदम उठाएगी। खबर यह है कि जयराम महतो के जेल जाने के बाद पार्टी गिरिडीह से किसी महिला को उम्मीदवार बनाएगी। इस मामले में पूजा महतो और उषा महतो का नाम आगे चल रहा है। ऐसे में देखना यही है कि टाइगर जेल जाना पसंद करेंगें या फरार रहना।

कार्यालय, झुमरी तिलैया नगर परिषद्
झुमरी तिलैया, जिला कोडरमा
Email – jhumritelaiyamunicipalcouncil@gmail.com

पत्रांक ..... दिनांक .....

शुद्धि-पत्र

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के पत्रांक– 431 दिनांक– 23.02.2024 के द्वारा निर्गत NIT No- – JMC/RFP/19/2023-24, Date- 23-02-2024 जो दैनिक समाचार पत्रों में PR 320293 Urban Development (23-24)_D द्वारा प्रकाशित किया गया था, को अपरिहार्य कारणों से रद्द किया जाता है।

PR 324417Urban Development(24-25)#D

प्रशासक
झुमरी तिलैया नगर परिषद

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त का कार्यालय, कोडरमा (निर्वाचन कोषांग)

आदेश

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग झारखण्ड, राँची की अधिसूचना संख्या 2498 दिनांक 04–04–2024 द्वारा निगोशिएबल इन्स्ट्रुमेन्ट एक्ट, 1881 की धारा 25 के तहत लोक सभा आम चुनाव 2024 के निमित मतदान के दिन सभी सरकारी कार्यालय /सार्वजनिक प्रतिष्ठान में मतदान के दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है।

कोडरमा जिला अन्तर्गत 05 कोडरमा लोक सभा एवं 14 हजारीबाग लोक सभा क्षेत्र का भाग अवस्थित है। 05 कोडरमा लोक सभा एवं 14 हजारीबाग लोक सभा में मतदान 20 मई 2024 (सोमवार) को निर्धारित है।

अतः लोक सभा आम चुनाव 2024 के निमित 20 मई 2024 (सोमवार) को कोडरमा जिला अन्तर्गत सभी सरकारी कार्यालय/सार्वजनिक प्रतिष्ठान में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाता है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी
–सह–उपायुक्त, कोडरमा।

PR.NO.324411Election(24-25):D

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय खूँटी
(पोस्टल बैलेट कोषांग)
postalballotcellkhunti@gmail.com

आदेश

भारत निर्वाचन आयोग के मार्गदर्शिका No. 52/2023/SDR/VOL-IV दिनाँक 31/10/2023 एवं निर्वाची पदाधिकारी की हस्तपुस्तिका के कंडिका 11 में वर्णित निर्देश के आलोक में लोकसभा निर्वाचन 2024 के कार्य में संलग्न कर्मियों के द्वारा Facilitation Centre एवं आवश्यक सेवा में संलग्न कर्मियों के द्वारा PVC (Postal Voting Center) के माध्यम से मतदान हेतु अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय आदेश ज्ञापांक–41 दिनाँक 04/04/2024 द्वारा Facilitation Centre एवं PVC (Postal Voting Center) की स्थापना हेतु निर्धारित स्थल को प्रशिक्षण कोषांग, लोकसभा निर्वाचन 2024 के ज्ञापांक 121 दिनाँक 30/04/2024 के आलोक में निम्नरूपेण संशोधित किया जाता है।

क्र० सं०	केन्द्र का नाम	केन्द्र का स्थान	गठित केन्द्र की संख्या	अभियुक्ति
1	Facilitation Centre	बिरसा कॉलेज, खूँटी	7	मतदान कार्य में संलग्न कर्मी हेतु (03 खूँटी विधानसभा हेतु, 03 तोरपा विधानसभा, 01 अन्य विधानसभा हेतु)
		लोयला कॉलेज, खूँटी	7	मतदान कार्य में संलग्न कर्मी हेतु (03 खूँटी विधानसभा हेतु, 03 तोरपा विधानसभा, 01 अन्य विधानसभा हेतु)
2	Facilitation Centre	बिरसा कॉलेज, खूँटी (बहुउद्देषीय भवन)	4	पुलिस कर्मी हेतु
3	Postal Voting Centre (PVC)	समाहरणालय (ब्लॉक B)	2	आवश्यक सेवाओं हेतु

उपरोक्त वर्णित Facilitation Centre द्वितीय चरण के प्रशिक्षण की अवधि के दौरान एवं Postal Voting Centre (PVC) मतदान की तिथि के 3 दिन पूर्व तक क्रियाशील रहेगा।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी
–सह–उपायुक्त, .खूँटी

PR 324418Election(24-25)#D

आजाद सिपाही
रांची, रविवार, 05 मई, 2024
www.azadsipahi.in

पुरी से कांग्रेस कैंडिडेट ने टिकट लौटाया, चुनाव लड़ने से किया इनकार

पार्टी से फंड नहीं मिला : सुचरिता मोहंती

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। ओड़िशा की पुरी लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी सुचरिता मोहंती ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। उन्होंने अपना टिकट लौटाते हुए पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल को लिखी चिट्ठी है। इसमें सुचरिता ने चुनाव लड़ने के लिए फंड नहीं मिलने की बात कही है। सुचरिता ने चिट्ठी में लिखा- मैं एक पेशेवर पत्रकार थी, जिसने 10 साल पहले राजनीति में प्रवेश किया था। मैंने पुरी में अपने कैंपेन में अपना सब कुछ झोंक दिया। मैंने पब्लिक डोनेशन की भी कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुई। बिना पार्टी फंडिंग के चुनावी कैंपेन संभव नहीं होगा।

सुचरिता ने कहा कि मेरे टिकट लौटाने का पहला कारण यह है कि पार्टी मुझे फंड नहीं दे पा रही थी। दूसरा यह कि राज्य की 7 विधानसभा क्षेत्रों की कुछ सीटों पर पार्टी ने जीतने वाले नेताओं को टिकट न देकर कमजोर उम्मीदवारों को उतारा है। मैं इस तरह चुनाव चुनाव नहीं लड़ सकती।

बता दें कि ओड़िशा में 13, 20, 25 मई और 1 जून को चार फेज में लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। पुरी लोकसभा सीट और राज्य की 7 विधानसभा सीटों के लिए 25 मई को मतदान होना है। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 6 मई है।

पुरी सीट से भाजपा के संबित पात्रा लड़ रहे चुनाव

सुचरिता पुरी सीट से भाजपा के संबित पात्रा और बीजू जनता दल के अरूप पटनायक के खिलाफ चुनाव लड़ रही थीं। अरूप पटनायक मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर हैं। दोनों ही अपना नामांकन दाखिल कर चुके हैं। कांग्रेस ने 2014 लोकसभा चुनाव में भी सुचरिता को अपना प्रत्याशी बनाया था।

सूरत-इंदौर में भी कांग्रेस प्रत्याशी नहीं लड़ रहे चुनाव

पुरी से पहले कांग्रेस को मध्य प्रदेश के इंदौर और अहमदाबाद के सूरत सीट पर भी चुनाव से ठीक पहले झटका लगा है। सूरत में गवाहों के नाम-साइन में गड़बड़ी के कारण कांग्रेस कैंडिडेट नीलेश कुंभाणी का पर्चा रद्द हो गया था। इसके बाद यहां से भाजपा कैंडिडेट मुकेश दलाल निर्विरोध सांसद चुने गये थे।

एनटीपीसी बोंगाइगांव में जीइएम के लिए हुआ आधारभूत सर्वेक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। बालिका सशक्तिकरण मिशन (जीइएम) कार्यक्रम के लिए आधारभूत सर्वेक्षण तीन मई को एनटीपीसी बोंगाइगांव में आयोजित किया गया था। एनटीपीसी-बोंगाईगांव के आसपास के गांवों की स्कूली लड़कियों ने माता-पिता और शिक्षकों के साथ 13 लड़कियों को इस कार्यक्रम में शामिल किया गया है।

मेसर्स जीवाइटी एंटरप्राइजेज (एनटीपीसी-बोंगाइगांव में जीइएम कार्यक्रम के लिए नोडल एजेंसी) के संसाधन व्यक्तियों ने लड़कियों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ बातचीत की। लड़कियों को वीडियो स्क्रीनिंग के माध्यम से अन्य एनटीपीसी परियोजनाओं में आयोजित इसी तरह के कार्यक्रमों से भी अवगत कराया जाता है। विद्यार्थियों की क्षमता का आकलन करने और बाद में जुलाई, 2024 से शुरू होने वाली आगामी चार सप्ताह की कार्यशाला के लिए पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए शैक्षणिक विषयों पर नमूना परीक्षण आयोजित किया गया था।

इस अवसर पर एजीएम (एचआर) ओंकार नाथ, वरिष्ठ प्रबंधक (एचआर कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस) माधुर्ज्य सिंह लहकर, सीएसआर की कार्यकारी अदिती ठाकुर और मेसर्स जीवाइटी एंटरप्राइजेज की टीम के नेतृत्व में एनटीपीसी आर टीम उपस्थित थी।

ओड़िशा में बीजेपी 21 में से 21 सीटें जीतेगी : धर्मेंद्र प्रधान

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। राज्य बीजेपी कार्यालय में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस बार बीजेपी ओड़िशा की 21 में से 21 लोकसभा सीटें जीतेगी। क्योंकि अब प्रधानमंत्री मोदी ओडिशा में सबसे लोकप्रिय नेता बन गये हैं। वयस्कों से लेकर महिलाएं, युवा, हर किसी का विश्वास प्रधानमंत्री मोदी पर बढ़ा है। क्योंकि मोदी राज में ओडिशा सबसे ज्यादा लाभ पाने वाला राज्य है। 2004 से 2014 तक कांग्रेस शासन के दौरान ओड़िशा को लगभग 3 लाख करोड़ का वित्तीय अनुदान मिल रहा था। लेकिन मोदी के 10 साल के शासनकाल में मोदी सरकार ने ओडिशा के विकास के लिए 18 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा भेजे हैं और प्रतिद्वंद्वी इस पर संदेह कर रहे हैं। मोदी सरकार से इतने सारे वित्तीय अनुदानों के बाद भी ओड़िशा का विकास क्यों नहीं हो रहा है? उड़िया अस्मिता और उड़िया संस्कृति पर बहस क्यों हो रही है? भाजपा, एक जिम्मेदार राष्ट्रीय पार्टी के रूप में, इस प्रयास को विफल कर देगी और हर उड़िया इसका मार्गदर्शक बनेगा, ओड़िशा की जनता इस बार परिवर्तन का मन बना चुकी है। ओड़िशा विकास के विभिन्न मानकों में पीछे है, जिसे ओड़िशा के लोग कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। मुख्यमंत्री जिस जिले का प्रतिनिधित्व करते हैं, वह 24 वर्षों से दादान का गढ़ रहा है और इस बार मुख्यमंत्री जिस दूसरी सीट से चुनाव लड़ रहे हैं, वह कंटाबांजी है, जिसे धर्मेंद्र ने दादान के दूसरे गढ़ के रूप में सीधे निशाना बनाया है।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने फिर से नवीन की आलोचना की। ओड़िशा का नेतृत्व कौन करेगा? मुझे आश्चर्य है कि क्या नवीन बाबू को पार्टी का नेतृत्व करने के लिए कोई नहीं मिला? क्या बीजद के पास नेतृत्व करने के लिए कोई सांसद या विधायक नहीं है? 2020 में रथ यात्रा रोकने की साजिश किसने रची? धर्मेंद्र प्रधान ने उनसे हर चीज के लिए भाजपा और विपक्ष को दोषी ठहराने से पहले सत्ता में रहते हुए किये गये कार्यों का जवाब देने का आह्वान किया है। आने वाले दिनों में 4.5 करोड़ लोग सर्टिफिकेट देंगे कि मैं उड़िया हूं या नहीं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक टीवी पर कहा कि मौका मिला तो हम ओड़िशा को नंबर वन राज्य बनायेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज ओड़िशा में

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को ओड़िशा के दौरे आ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को रात 9.30 बजे भुवनेश्वर पहुंचेंगे। वह भुवनेश्वर में रात बितायेंगे। प्रधानमंत्री सोमवार को ब्रह्मपुर और नबरंगपुर में विजय संकल्प सामाबेस में शामिल होंगे। यह जानकारी भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष गोलक महापात्र ने दी। इसी तरह प्रधानमंत्री मोदी का 10 तारीख को भुवनेश्वर में कार्यक्रम है। मोदी भुवनेश्वर में एक विशाल रोड शो करेंगे और उत्तर और मध्य निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा उम्मीदवारों के लिए रैली करेंगे।

एमसीएल खदानों में सतर्कता निरीक्षण जारी

संबलपुर (आजाद सिपाही)। पीके पटेल, मुख्य सतर्कता अधिकारी, महानदी कोलफील्डस लिमिटेड (एमसीएल) के नेतृत्व में कंपनी के सर्वेक्षण, खनन और आइटी विषयों के विशेषज्ञों और सीएमपीडीआइ के आरआइ-7, भुवनेश्वर के भूवैज्ञानिक और सर्वेक्षण अधिकारी के दलों द्वारा तालचेर कोयलांचल स्थित भुवनेश्वरी ओपन कास्ट प्रोजेक्ट एवं ईब वैली कोयलांचल के समलेश्वरी ओसीपी में कोयला स्टॉक सत्यापन सहित विभिन्न खनन गतिविधियों का निरीक्षण किया जा रहा है। खदानों में सतर्कता जागरूकता, पारदर्शिता और सुशासन सुनिश्चित करने के उद्देश्य के अंतर्गत एमसीएल में खनन गतिविधियों का औचक निरीक्षण किया जा रहा है। कोयला मंत्रालय द्वारा कोल इंडिया की सभी सहायक कंपनियों में किये जा रहे इस निरीक्षण कार्य की निगरानी की जा रही है।

ओड़िशा का उतना विकास नहीं हुआ जितना होना चाहिए : एस जयशंकर

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर पहली बार चुनाव प्रचार के लिए ओड़िशा आये। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर केंद्र सरकार द्वारा ओडिशा को दिये गये अनुदान का ब्योरा दिया। जयशंकर ने अपने पहले भाषण में ओड़िशा की जनता को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि ओड़िशा की संस्कृति, कार्य, भाषा और अस्मिता पूरे देश में जानी जाती है। उन्होंने ओड़िशा के प्रति प्रधानमंत्री की ईमानदारी के बारे में भी बात की। क्योंकि प्रधानमंत्री ने जी-20 शिखर सम्मेलन के मुख्य होर्डिंग पर कोणार्क की तस्वीर रखने का सुझाव दिया था। इसके अलावा, मैंने बार-बार ओड़िशा को प्रमुखता देने की कोशिश की है क्योंकि विदेश नीति मेरी जिम्मेदारी है। जयशंकर ने कहा कि केंद्र में भाजपा सरकार बनने के बाद ओड़िशा में 20 पासपोर्ट सेवा केंद्र खोले गये हैं। उन्होंने कहा कि यह केंद्र सरकार की एक उपलब्धि है, क्योंकि हर साल 1 लाख 15 हजार से अधिक पासपोर्ट जारी किए जाते हैं। इसलिए यह केंद्र सरकार की सफलता है। साथ ही उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि मोदी की गारंटी अब दुनिया की सीमाओं के बाहर भी काम कर रही है।

जयशंकर ने कहा कि मोदी की विदेश नीति के कारण यूक्रेन में फंसे ओड़िशा के 400 नागरिकों को बचाया गया था। इसी तरह सूडान के युद्ध संकट में ओड़िशा के 86 नागरिकों को बचाया गया था। ओड़िशा के 20 नागरिकों को भी इजराइल से बचाया गया। पिछले 10 साल में केंद्र सरकार ने ओड़िशा को 18 लाख करोड़ रुपये की मदद दी है। केंद्र सरकार द्वारा ओडिशा सागरमाला के लिए 54 हजार करोड़ रुपये की लागत से 58 हजार किलोमीटर हाइवे का निर्माण किया गया है। तेल और गैस आपूर्ति के लिए 3 हजार किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछायी गयी है। 2 स्मार्ट सिटी बनायी गयी है। पिछले वर्ष केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं से सबसे अधिक लाभ ओड़िशा के लोगों को हुआ है। किसान सम्मान निधि योजना से ओड़िशा के 33 लाख किसानों को फायदा हुआ है।

सम शीतलापल्ली परिसर में अत्याधुनिक चिकित्सा और शल्य चिकित्सा उपलब्ध

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड सम हॉस्पिटल ब्रह्मपुर जिसे दक्षिणी ओड़िशा के लोगों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था, अब अपने शीतलापल्ली परिसर में अत्याधुनिक चिकित्सा और शल्य चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं।

अस्पताल गर्भवती महिलाओं को जटिल गर्भधारण, प्रसव, शल्य चिकित्सा प्रसव और अन्य उन्नत उपचारों के दौरान देखभाल और उपचार प्रदान करता है। इसी तरह नवजात शिशुओं की स्वास्थ्य देखभाल भी आधुनिक तरीके से की जा रही है। यह काम स्त्री रोग और प्रसूति विभागों के विशेषज्ञों, बाल चिकित्सा विभाग के डॉक्टरों, प्रशिक्षित नर्सों और तकनीशियनों द्वारा किया जाता है। शिशु रोग विभाग में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ मीनाक्षी साहू की देखरेख में सभी इलाज किये जा रहे हैं.अस्पताल में नवजात शिशुओं के लिए बेहद किफायती दरों पर अत्याधुनिक ओटी, लेबर रूम और एनआइसीयू सेवाएं भी हैं।

इसी तरह रोगियों के लिए टोटल हिप रिप्लेसमेंट जेसी उन्नत सर्जरी की जा रही हैं। दो महीने पहले, एक महिला घर पर गिर गयी और गंभीर रूप से बीमार हो गयी और बिस्तर पर अस्पताल आयी। वह चलने या बैठने की स्थिति में नहीं था। वह अपने दैनिक कार्यों को नहीं कर सकते थे। विभिन्न परीक्षणों के बाद डॉक्टरों ने टोटल हिप को बदलने का फैसला किया। हालांकि, उनके शरीर में खून की कमी होने के कारण उन्हें पहले खून चढ़ाया गया और सर्जरी की गयी। सर्जरी के दौरान या बाद में कोई जटिलता नहीं थी। इसी तरह सम हॉस्पिटल, शीतलापल्ली कैंपस में कान, नाक, गले की समस्याओं का नवीनतम तकनीक से इलाज किया जा रहा है। आपातकालीन विभाग में एक 42 वर्षीय महिला नियमित नाक से खून बहने की समस्या लेकर आयी थी। मरीज को इएनटी विशेषज्ञ डॉ प्रियजीत पाणीग्राही ने जांच की। अगले दिन मरीज की एंडोस्कोपिक साइनस सर्जरी की गयी। अस्पताल के निदेशक देवप्रसाद दाश ने कहा कि अस्पताल मरीजों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए 24 घंटे तैयार है।

एडीआर में उम्मीदवारों का हलफनामा

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। एडीआर और इलेक्शन वॉच ने उन 37 उम्मीदवारों के पर्चे खोले हैं जिन्होंने राज्य में पहले चरण के चुनाव में 4 लोकसभा क्षेत्रों, ब्रह्मपुर, कलाहांडी, कोरापुट और नबरंगपुर के लिए अपना नामांकन जमा किया है। शैक्षणिक योग्यता के मामले में प्रदीप पाणीग्राही ब्रह्मपुर के सांसद उम्मीदवार और बोममाली कांत राव सबसे आगे है। 4 लोकसभा सीटों पर 37 सांसद उम्मीदवारों में से दो के पास डॉक्टरेट है, जबकि एक ने स्कूल नहीं गया है। ब्रह्मपुर से भाजपा सांसद उम्मीदवार प्रदीप पाणीग्राही और नव भारत निर्माण सेवा पार्टी के बोममाली कांत राव के पास डॉक्टरेट है, जबकि सीपीआइ (एमएलएल) के उम्मीदवार प्रकाश हिक्का स्कूल नहीं गये हैं। इन उम्मीदवारों के अलावा 37 उम्मीदवारों में से एक ने पांचवीं क्लास पास की है, जबकि एक ने 8वीं क्लास पास की है, 7 ने 10वीं क्लास पास की है, 5 लोगों ने 12वीं क्लास पास की है, 10 लोगों ने ग्रेजुएशन किया है और 4 लोगों ने प्रोफेशनल ग्रेजुएशन किया है। 6 लोग स्नातकोत्तर किये हैं।

राज्य में पहले चरण के चुनाव में 4 लोकसभा सीटों ब्रह्मपुर, कलाहांडी, कोरापुट और नबरंगपुर के लिए नामांकन दाखिल करने वाले 37 उम्मीदवारों के अपराधों की सूची सामने आया है। 37 उम्मीदवारों में से 7 विभिन्न अपराधों में शामिल पाये गये हैं। उनमें से 6 ने शपथ पत्र जमा करते हुए संगीन अपराध में शामिल होने की बात कबूल की है। सबसे ज्यादा 17 मामले नबरंगपुर के बीजू जनता दल उम्मीदवार प्रदीप माझी के नाम पर हैं। प्रदीप हत्या के प्रयास मामले में भी शामिल है। प्रदीप माझी ने शपथ पत्र जमा करते हुए यह बात स्वीकार की है। प्रदीप माझी के बाद बीजेपी सांसद प्रत्याशी प्रदीप पाणीग्राही 9 मामलों में फंसे हैं। इसी तरह, बीजू जनता दल सांसद उम्मीदवार भृगु बक्सीपात्र 7 आपराधिक मामलों में शामिल हैं। कांग्रेस सांसद उम्मीदवार भुजबल माझी के खिलाफ तीन आपराधिक मामले हैं।

इसी तरह 37 से 17 लोकसभा उम्मीदवार करोड़पति हैं। पहले चरण में बीजेपी की कलाहांडी लोकसभा प्रत्याशी मालविका केशरी देव 41 करोड़ 89 लाख रुपये की संपत्ति के साथ सबसे अमीर हैं। कोरापुट की एसयूसीआइ उम्मीदवार प्रमिला पुजारी 20,625 रुपये की संपत्ति के साथ सबसे गरीब हैं।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**